● वर्ष : 17 ● अंक : 127 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

दिल्ली से प्रकाशित मंगलवार 24 फरवरी 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

भारत टैक्सी से जुड़े चालकों के लिए न्यूनतम आधार किराया तय होगा : शाह

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि हाल ही में शुरू की गई सहकारी टैक्सी सेवा भारत टैक्सी अपने मंच से जुड़े सभी 'सारथियों' (चालकों) के लिए प्रति किलोमीटर न्यूनतम आधार किराया सुनिश्चित करेगी और इस दर से नीचे सेवा संचालित नहीं की जाएगी। शाह ने यहां भारत टैक्सी के सारथियों के साथ संवाद करते हुए कहा कि मौजूदा टैक्सी एग्रीगेटर कंपनियों ने अपना मुनाफा बढ़ाने के लिए चालकों के लिए कोई आधार दर तय नहीं की है, जबकि भारत टैक्सी में ऑटो की लागत, पेट्रोल की खपत और न्यूनतम लाभ को जोड़कर बेस रेट निर्धारित किया जाएगा। यह सेवा पारदर्शिता के सिद्धांत पर काम करेगी और किसी भी बदलाव की सूचना एक सप्ताह पहले सारथियों को मोबाइल पर दी जाएगी। अमित शाह ने कहा, "भारत टैक्सी में कुछ भी छिपा नहीं होगा। सारथियों को नोटिफिकेशन के ज़रिए हर जानकारी देने से 'भारत टैक्सी' दुनिया की सबसे पारदर्शी कैब सर्विस बनेगी। भारत टैक्सी सारथियों की मिनिमम वायबिलिटी के आधार

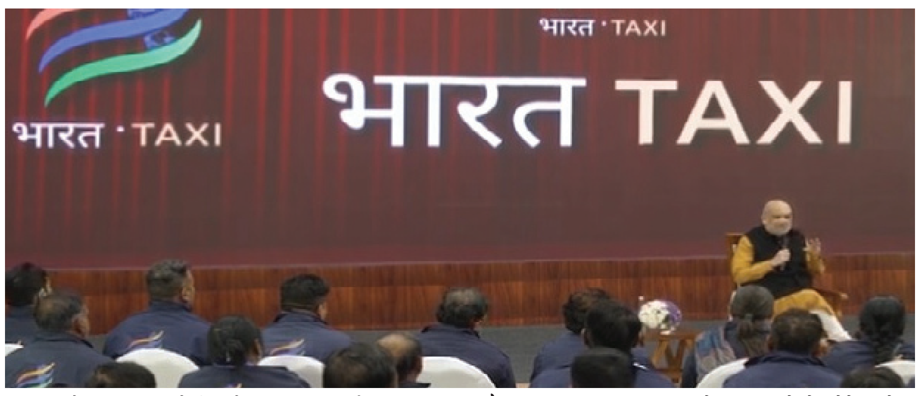

पर एक बेसलाइन किलोमीटर रेट तय करके चलेगी। भारत टैक्सी में ऑटो के मूल्य, पेट्रोल की खपत और मिनिमम प्रॉफ़िट को मिलाकर एक बेस रेट बनाया जाएगा और सर्विस इस रेट से नीचे नहीं चलेगी। उन्होंने कहा कि भारत टैक्सी का उद्देश्य किसी निजी कंपनी की तरह अधिकतम मुनाफा कमाना नहीं, बल्कि सारथियों को सशक्त बनाना है। इस सहकारी मॉडल में सारथी ही मालिक होंगे और 500 रुपये का शेयर लेकर साझेदार बन सकेंगे। बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के चुनाव में सारथियों के लिए सीटें आरक्षित की जाएंगी, ताकि वे स्वयं अपने हितों की रक्षा कर सकें। शाह ने कहा कि भारत टैक्सी की आय का 20 प्रतिशत पूंजी के रूप में संस्था के खाते में रखा जाएगा, जबकि 80 प्रतिशत राशि सारथियों को उनके द्वारा चलाए गए किलोमीटर के आधार पर लौटाई जाएगी। शुरुआती तीन वर्षों में विस्तार पर ध्यान दिया जाएगा, इसके बाद लाभ का वितरण इसी अनुपात में होगा। सहकारिता मंत्री ने कहा कि आने वाले तीन सालों में देश के प्रत्येक नगर निगम में 'भारत टैक्सी' मौजूद होगी। उन्होंने कहा कि सहकारिता के सिद्धांत को समझने की आवश्यकता है और उदाहरण देते हुए अमूल का उल्लेख किया, जहां लाखों महिलाओं ने छोटे निवेश से बड़ी सहकारी संस्था खड़ी की है। उन्होंने कहा कि भारत टैक्सी भी इसी प्रकार का एक बड़ा सहकारी आंदोलन बनेगी और आने वाले तीन वर्षों में देश के प्रत्येक नगर निगम क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगी। महिला सशक्तीकरण के तहत 'सारथी दीदी' की परिकल्पना का उल्लेख करते हुए अमित शाह ने कहा कि ऐप में ऐसा प्रावधान किया जाएगा कि एकल महिला यात्री को प्राथमिकता से महिला सारथी उपलब्ध कराई जाए, जिससे सुरक्षा और आत्मनिर्भरता दोनों सुनिश्चित हों।

पीएम मोदी 25 को इजराइल दौरे पर जाएंगे, प्रधानमंत्री कार्यकाल में यह दूसरी यात्रा

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी 25 फरवरी से इजराइल दौरे पर जा रहे हैं। अपने प्रधानमंत्री कार्यकाल में वह दूसरी बार इजराइल जाएंगे। वह 2017 में इजराइल गए थे। एक तरफ भारत के संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और बहरीन जैसे देशों से बहुत अच्छे रिश्ते हैं तो वहीं इजराइल के साथ भी उसके लंबे समय से संबंध हैं। ऐसी स्थिति में पीएम मोदी का फिर से इजराइल दौरा अहम माना जा रहा है। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू 2025 में ही तीन बार भारत आने के प्लान बना चुके थे, लेकिन हर बार उन्हें यात्रा स्थगित करनी पड़ी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रणनीतिक और विदेश मामलों के जानकार का कहना है कि पीएम मोदी के इजराइल दौरे से इससे भारत को फायदा होगा और उसे रणनीतिक बढ़त मिलेगी। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ऐसे समय में इजराइल का दौरा करने वाले हैं, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ऐलान किया है कि कभी भी ईरान पर हमला हो सकता है।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

न्यायपालिका की विश्वसनीयता पर उठते सवाल?

भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की खंडपीठ में सोमवार को एक असहज स्थिति देखने को मिली। सुप्रीम कोर्ट के वकील मैथ्यूज नेदुम्पारा की याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा, अडानी और अंबानी के लिए तुरंत बेंच बना दी जाती है। लेकिन एनजेएसी की महत्वपूर्ण याचिका पर सुनवाई नहीं करने का आरोप लगाया। उनका इतना कहते ही मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने उन्हें जमकर कोर्ट के अंदर फटकार लगाई। उन्हें मुख्य न्यायाधीश ने चेतावनी दी। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, आप जो भी मेरी कोर्ट में पेश कर रहे हैं, उसे लेकर भविष्य में सावधान रहें। आपने मुझे चंडीगढ़ और दिल्ली में देखा है। मैं आपको चेतावनी दे रहा हूं। ऐसा बिल्कुल मत सोचिए, आप जिस तरह की बदतमीजी कर रहे हैं, वैसा आगे भी करते रहेंगे। कुछ इसी तरह की स्थिति शुक्रवार को भी बनी, जब एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश गुस्से में आ गए थे। उन्होंने याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया था।

इससे पहले वह वकीलों की तरफ से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीकी की मदद से जो याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में पेश की जा रही हैं। उस पर उन्होंने नाराजी व्यक्त की थी। सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका देखकर उन्होंने कहा ऐसा लगता है, भगवान जनहित याचिका के कानून से बचाए। कुछ इसी तरह की स्थिति सुप्रीम कोर्ट में तब देखने को मिली जब असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्वा सरमा की हेट स्पीच की याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर हुई थी। मुख्य न्यायाधीश ने उस याचिका को सुनने से इनकार कर दिया। याचिकाकर्ताओं को असम हाईकोर्ट जाने के निर्देश दिए। सुप्रीम कोर्ट में उपस्थित वरिष्ठतम वकीलों ने मुख्य न्यायाधीश से मामले की सुनवाई करने या असम के अलावा अन्य किसी हाईकोर्ट में तुरंत सुनवाई करने की मांग की थी।

मुख्य न्यायाधीश ने असहमति व्यक्त करते हुए याचिका का निपटारा कर दिया। जबकि कई राज्यों की याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए पिछले कुछ महीनो में उसमें आदेश जारी किए हैं। जिन राज्यों की याचिका स्वीकार की गई हैं, उनमें अमूमन डबल इंजन की सरकारें हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट की कार्यप्रणाली पर बार-बार सवाल उत्पन्न हो रहे हैं। जिस तरह से वरिष्ठ वकीलों और सुप्रीम कोर्ट की कार्य प्रणाली और सरकारी दबाव पर मामले की सुनवाई को लेकर असहमति बढ़ती चली जा रही है, इससे न्याय पालिका की एक ऐसी छवि विकसित हो रही है। सरकार या सरकार से जुड़े हुए मामलों में सुप्रीम कोर्ट त्वरित सुनवाई करने से बचती है। यदि याचिका स्वीकार हो भी जाती है। नोटिस जारी हो जाते हैं। उसके बाद तारीख पर तारीख का जो नया खेल शुरू होता है, उससे निश्चित रूप से सरकार को मदद होती है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

भारतीय श्रमिकों को थाईलैंड में बंधक बनाए जाने के मामले में मानवाधिकार आयोग का विदेश मंत्रालय को नोटिस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने थाईलैंड में काम करने वाले ओडिशा के केंद्रपाड़ा जिले के उन छह पीड़ित श्रमिकों का स्वतः संज्ञान लिया है जिन्होंने एक वीडियो संदेश में बैंकाक स्थित एक कारखाने के नियोक्ता पर पिछले छह महीने से बंधक बनाए जाने का आरोप लगाया है। इस मामले को लेकर आयोग ने विदेश मंत्रालय को नोटिय जारी कर एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। आयोग ने सोमवार को बताया कि 19 फरवरी को प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट के अनुसार ओडिशा के केंद्रपाड़ा जिले के छह लोग पिछले साल अगस्त में एक श्रम ठेकेदार के माध्यम से थाईलैंड गए थे। उसने उन्हें अच्छी तनख्वाह वाली नौकरी का वादा किया था। बाद में उन्हें प्लाईवुड कारखाने में बिना वेतन और उचित भोजन के प्रतिदिन 12 घंटे काम करने के लिए मजबूर किया गया। यह घटना 17 फरवरी 2026 को तब सामने आई जब पीड़ितों ने अपनी आपबीती सुनाते हुए एक वीडियो रिकॉर्ड किया। उन्हें पिछले 6 महीने से बैंकॉक स्थित एक इलाके में कारखाने के अंदर कैद करके उनके नियोक्ता की ओर से शारीरिक और मानसिक यातनाएं दी जा रही हैं। उनके नियोक्ता ने उनके पासपोर्ट भी जब्त कर लिए हैं। उन्होंने भारत की सरकारी एजेंसियों से उनकी वापसी में सहायता करने की अपील की है।

ईरान आसमान में बिछाएगा अमेरिका के लिए जाल, रुस से हुई गुप्त डील

तेहरान। ईरान और अमेरिका में तनाव के बीच एक तरफ कूटनीति की कोशिशें तेज हो रही हैं, तो दूसरी तरफ दोनों देशों ने हथियार तान रखे हैं। ओमान के विदेश मंत्री बद्र अल-बुसैदी ने पुष्टि की है कि अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु वार्ता का अगला दौर गुरुवार को जिनेवा में होगा, लेकिन इसी बीच एक ऐसी खबर आई है जो अमेरिका की टेंशन बढ़ा सकती है। ईरान को रूस घातक हथियार देने को तैयार हो गया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान और रूस के बीच 500 मिलियन यूरो की एक गुप्त हथियार डील हुई है। इसके तहत रूस तीन साल में 500 'वर्बा' लॉन्च यूनिट और 2,500 '9एम336' मिसाइलें देगा। ये सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें हैं, जिन्हें जमीन, समुद्र या हवा से दागा जा सकता है। बताया जा रहा है कि यह समझौता दिसंबर 2025 में मॉस्को में हुआ था। रूस की सरकारी हथियार निर्यात कंपनी और ईरान के रक्षा मंत्रालय के प्रतिनिधियों के बीच यह सौदा तय हुआ। इससे साफ है कि ईरान संभावित टकराव की तैयारी भी साथ-साथ कर रहा है। पिछले साल ईरान के एयर डिफेंस को हमले में नुकसान हुआ था, लेकिन वर्बा मिसाइल एक ऐसा एयर डिफेंस है, जिसे अमेरिका ट्रैक ही नहीं कर सकेगा, इसलिए यह ईरान के लिए मास्टर स्ट्रोक है।

किश्तवाड़ में सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में तीन आतंकी ढेर, तलाशी अभियान जारी

किश्तवाड़। किश्तवाड़ जिला के छात्रू-पासरकूट में सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में क्षेत्र में सक्रिय जेश ए मोहम्मद संगठन के साथ जुड़े तीन आतंकी मारे गए, जिसके साथ ही क्षेत्र में चलाए गए अभियान त्राशि-1 में अभी तक चार आतंकी मारे गए हैं। जानकारी केक मुताबिक छात्रू में चले लंबे अभियान में रविवार सुबह पासरकूट के वानी पुरा के करीब एक ढोक में आतंकियों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर इलाके को सुरक्षा बलों ने घेर लिया और दोनों तरफ से गोलियां चलना शुरू हो गई, जिसमें 2-पैरा, आरआर, सीआरपीएफ और जम्मू कश्मीर पुलिस की एसओजी का दल शामिल था। इसी बीच सुरक्षा बलों ने ढोक को उड़ा दिया और ढोक की तलाशी दौरान सुरक्षा बलों ने पहले जले हुए दो शव और दो एके-47 बंदूकें बरामद की और शाम को सेना ने मलबे के नीचे से एक

और आतंकी का शव और बंदूक बरामद की, जिसके साथ ही मारे जाने वाले आतंकियों की संख्या तीन हो गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बताया जा रहा है कि अभी भी वहां पर तलाशी अभियान जारी है। इस मुठभेड़ में सेना का एक स्नाइफेर डॉग भी घायल हुआ है जिसका उपचार किया जा रहा है। गुप्त सूचनाओं के आधार पर जनवरी में ओपरेशन त्राशि-1 तहत सुरक्षा बलों ने छात्रू के एक बड़े इलाके की घेराबंदी कर आतंकियों की तलाश शुरू कर दी थी।

मोदी का बंगाल की जनता के नाम पत्र

एजेंसी। नई दिल्ली

राज्य के समग्र विकास का संकल्प दोहराया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल की जनता के नाम एक खुला पत्र जारी कर राज्य के समग्र विकास का संकल्प दोहराया है। पत्र में उन्होंने राज्य की वर्तमान परिस्थितियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आने वाले महीनों में पश्चिम बंगाल का भविष्य तय होगा और यह निर्णय यहां की जनता के सोच-समझकर लिए गए फैसले पर निर्भर करेगा। प्रधानमंत्री ने अपने पत्र की शुरुआत 'जय मां काली' के संबोधन से करते हुए पश्चिम बंगाल के नागरिकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राज्य का हर युवा, बुजुर्ग और महिला आज बेहतर भविष्य की अपेक्षा रखता है और उनकी पीड़ा उन्हें भी व्यथित करती है। इसी भावना के साथ उन्होंने पश्चिम बंगाल को 'विकसित' और 'समृद्ध' बनाने का संकल्प लेने की बात कही। प्रधानमंत्री ने केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए दावा किया कि पिछले वर्षों में गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के असहयोग और विरोध के बावजूद, पश्चिम बंगाल में पांच करोड़ लोग जन-धन योजना के माध्यम से बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े हैं। स्वच्छ भारत अभियान के तहत 85 लाख शौचालयों का निर्माण कराया गया है। छोटे

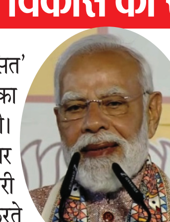

व्यापारियों और उद्यमियों को 2.82 लाख करोड़ रुपये का लोन दिया गया। 'उज्ज्वला योजना' के माध्यम से एक करोड़ से अधिक परिवारों को रसोई गैस देकर माताओं-बहनों को धुएं से मुक्ति दिलाई।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अटल पेंशन योजना के अंतर्गत 56 लाख लोगों ने पंजीकरण कराया है और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बड़ी संख्या में परिवारों को पक्के घर मिले हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि किसान सम्मान निधि के माध्यम से 52 लाख किसानों को सीधी आर्थिक सहायता दी जा रही है, जिससे उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है। पत्र में मोदी ने पश्चिम बंगाल के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक गौरव का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में राज्य की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और यह देश की अर्थव्यवस्था की दिशा तय करने वाला अग्रणी प्रदेश रहा है। किंतु पिछले दशकों में कुशासन और तुष्टीकरण की राजनीति के कारण राज्य को नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि रोजगार के अभाव में युवाओं को अन्य राज्यों में पलायन करना पड़ रहा है और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी हुई है। प्रधानमंत्री ने बंगाल की महान विभूतियों का स्मरण करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद और रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने जिस बंगाल की कल्पना की थी, वह आज संकीर्ण राजनीति और हिंसा की चपेट में दिखाई देता है।

शाह समेत शीर्ष नेताओं ने पूर्व रेलमंत्री मुकुल रॉय के निधन पर दुख जताया

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री मुकुल रॉय के निधन पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान समेत शीर्ष नेताओं ने शोक व्यक्त किया।

केंद्रीय गृह और सहकारितामंत्री अमित शाह ने एक्स पोस्ट पर कहा कि मुकुल रॉय के निधन से दुखी हूं। सार्वजनिक सेवा में उनके लंबे करियर को संगठनात्मक गतिशीलता और सार्वजनिक मुद्दों की उनकी समझ से परिभाषित किया गया था। उनके परिवार के सदस्यों और समर्थकों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि मुकुल रॉय के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। उन्होंने लंबे समय तक सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहकर राजनीतिक संवाद में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिजनों, समर्थकों और शुभचिंतकों के साथ हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें | पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने टीएमसी के नेता मुकुल रॉय के निधन पर शोक व्यक्त किया। ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि दिवंगत मुकुल रॉय लंबे समय के राजनीतिक सहयोगी और कई आंदोलनों में साथी रहे।

रनवे पर दुर्घटनाग्रस्त हुआ एक और तेजस, वायुसेना ने 30 विमानों की उड़ान पर लगाई रोक

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना का एक तेजस लड़ाकू विमान प्रशिक्षण उड़ान के दौरान दुर्घटना का शिकार हो गया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में एक अग्रिम एयरबेस पर लैंडिंग के वक्त संदिग्ध ब्रेक फेल होने के कारण विमान रनवे से आगे निकल गया। इस घटना में विमान के ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है, हालांकि राहत की बात यह रही कि पायलट सुरक्षित रूप से बाहर निकलने में कामयाब रहा। यह घटना 7 फरवरी की बताई जा रही है, जिस पर अभी तक वायुसेना की ओर से कोई औपचारिक सार्वजनिक बयान जारी नहीं किया गया है। इस दुर्घटना की गंभीरता को देखते हुए भारतीय वायुसेना ने एहतियाती कदम उठाते हुए लगभग 30 सिंगल-सीट तेजस जेट विमानों के पूरे बेड़े को

अस्थायी रूप से उड़ान भरने से रोक दिया है। सूत्रों का कहना है कि विमानों की तकनीकी जांच और सुरक्षा मानकों की व्यापक समीक्षा पूरी होने तक यह बेड़ा जमीन पर ही रहेगा। तेजस विमान से जुड़ी यह तीसरी बड़ी घटना है। इससे पहले मार्च 2024 में जैसलमेर के पास एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था और दूसरी घटना नवंबर 2025 में दुबई एयरशो के दौरान सामने आई थी। हादसों के बीच वायुसेना अपनी मारक क्षमता बढ़ाने के लिए आधुनिक विमानों को शामिल करने पर जोर दे रही है।

नेपाल में पोखरा से काठमांडू जा रही बस त्रिशूली नदी में गिरी, 18 की हुई मौत

एजेंसी। काठमांडु

नेपाल में सोमवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। पोखरा से राजधानी काठमांडू जा रही एक यात्री बस अनियंत्रित होकर धादिंग जिले में त्रिशूली नदी में जा गिरी। इस दुखद घटना में अब तक 18 यात्रियों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 25 अन्य घायल हैं। यह हादसा सोमवार तड़के करीब 1:15 बजे पृथ्वी हाईवे पर बेनिघाट रोरांग ग्रामीण नगरपालिका-3 के चिनाधारा, चरौंडी इलाके में हुआ। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, बस तेज रफ्तार में थी

और अचानक सड़क से फिसलकर करीब 300 मीटर गहरी ढलान से नीचे गिरती हुई सीधे नदी किनारे जा पहुंची। बस की हालत इतनी खराब थी कि उसके परखच्चे उड़ गए। जिला ट्रैफिक पुलिस प्रमुख शिशिर थापा ने बताया कि मृतकों में 11 पुरुष और 6 महिलाएं शामिल हैं। घायलों में भी महिलाओं और पुरुषों के साथ एक नाबालिग लड़की है, जिनमें से कई की स्थिति अत्यंत गंभीर बनी हुई है। हादसे की खबर मिलते ही नेपाली सेना, सशस्त्र पुलिस बल और नेपाल पुलिस की टीमें स्थानीय लोगों के साथ राहत और बचाव कार्य में जुट गईं। पहाड़ी इलाका और रात का घना अंधेरा होने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन में काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। नेपाल में हाल के दिनों में यह दूसरा बड़ा सड़क हादसा है। इससे पहले 6 फरवरी को बैतडी जिले में एक शादी समारोह से लौट रही बस खाई में गिर गई थी, जिसमें 13 लोगों की जान चली गई थी। लगातार हो रहे इन जानलेवा हादसों ने नेपाल के पहाड़ी रास्तों पर सड़क सुरक्षा के दावों की पोल खोल दी है।

केंद्र ने आंध्र प्रदेश में इंटरनेट की पहुंच मजबूत करने के लिए राज्य से किया समझौता, 2,432 करोड़ की दी मंजूरी

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने आंध्र प्रदेश में ग्रामीण दूरसंचार ढांचे को सुदृढ़ और उन्नत करने के लिए राज्य सरकार के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके लिए केंद्र ने राज्य के लिए ग्रामीण दूरसंचार ढांचे को सुदृढ़ और उन्नत करने के लिए 2,432 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। केंद्रीय संचार मंत्रालय ने बताया कि केंद्र सरकार की इकाई डिजिटल भारत निधि और आंध्र प्रदेश सरकार के बीच भारतनेट संशोधित कार्यक्रम को तेजी से लागू करने के लिए रविवार को राज्य के मुख्यमंत्री कार्यालय, तडेपल्ले (गुंटूर) में हुए इस समौझौते में राज्य के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू, केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया और संचार राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर मौजूद रहे। समझौते पर

डिजिटल भारत निधि के प्रशासक श्यामल मिश्रा और आंध्र प्रदेश सरकार के विशेष मुख्य सचिव (बुनियादी ढांचा एवं निवेश विभाग) मोव्वा तिरुमाला कृष्णा बाबू ने हस्ताक्षर किए। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि संशोधित भारतनेट कार्यक्रम 1.39 लाख करोड़ रुपये की सार्वजनिक निधि से चलने वाली योजना है, जिसका लक्ष्य देश के हर गांव तक फाइबर और ब्रॉडबैंड पहुंचाना है। उन्होंने इसे तकनीक का लोकतंत्रीकरण बताया। राज्य मंत्री डॉ. चंद्र शेखर ने कहा कि यह समझौता ग्रामीण इलाकों में अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी मजबूत करेगा और लोगों को सस्ती व भरोसेमंद डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराएगा। राज्य के मुख्यमंत्री नायडू ने इसे राज्य की डिजिटल रूपांतरण यात्रा में मील का पत्थर बताया और कहा कि इससे शिक्षा, स्वास्थ्य और ई-शासन की सेवाओं में सुधार होगा। उल्लेखनीय है कि संशोधित भारतनेट कार्यक्रम के तहत आंध्र प्रदेश में 13,426 ग्राम पंचायतों को जोड़ा जाएगा। इसमें पहले चरण की 1,692 ग्राम पंचायतों को अपग्रेड करना, दूसरे चरण की 11,254 ग्राम पंचायतों को शामिल करना और 480 नई ग्राम पंचायतों को जोड़ना शामिल है। साथ ही 3,942 गांवों को मांग के आधार पर कनेक्टिविटी दी जाएगी। इस पहल से 5 लाख से अधिक ग्रामीण घरों को फाइबर कनेक्शन मिलने की उम्मीद है।

छह महीने पहले ही जिसे किया डिपोर्ट वहीं बांग्लादेशी महिला फिर मुंबई में पकड़ाई

नई दिल्ली। मुंबई में अवैध रूप से रह रही 46 साल की बांग्लादेशी नागरिक राबिया नासिर को बांग्लादेश डिपोर्ट किया गया था, लेकिन हाल ही में वह विले पार्ले इलाके से फिर गिरफ्तार की गई है। उसे छह महीने पहले ही मीरा-भायंदर से गिरफ्तार कर डिपोर्ट किया था। मुंबई के अलग-अलग इलाकों से पिछले महीने पकड़ी गई जुलेखा जमाल शेख और बिलकिस बेगम सिरमिया अख्तर ने भी पुलिस को बताया कि उन्हें अगस्त 2025 में बांग्लादेश भेजा गया था, लेकिन वे अवैध तरीके से फिर भारत लौट आई हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राबिया पिछले 25 सालों से मीरा-भायंदर में घरेलू सहायिका के रूप में काम कर रही थी, उसने पुलिस को बताया कि वह जंगलों के रास्ते सीमा पार कर वापस भारत में दाखिल हुई। आरोप है कि कुछ लोग सीमा सुरक्षा कर्मियों को रिश्वत देकर दोबारा भारत में घुस रहे हैं। राज्य में अवैध प्रवासियों के खिलाफ चल रही सख्त कार्रवाई के तहत पिछले दो सालों में 1237 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया। मुंबई महानगर क्षेत्र के साथ-साथ पूरे राज्य में गिरफ्तारियों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक संयुक्त पुलिस आयुक्त ने बताया कि मुंबई के सभी 93 पुलिस थानों को अवैध प्रवासियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

खास खबर

पार्क में 17 वर्षीय किशोर की चाकू मारकर हत्या, चार नाबालिग हिरासत में

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के मंगोलपुरी थाना क्षेत्र में रविवार देर शाम 17 वर्षीय किशोर की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। वारदात पुलिस बूथ से करीब 30 मीटर दूर एक पार्क में हुई। पुलिस के अनुसार, किशोर कुछ दिन पहले ही बिहार से दिल्ली आया था और अपने भाई के साथ रह रहा था। वह देर शाम पास के पार्क में गया था, जहां पहले से मौजूद चार नाबालिग लड़कों ने उससे सिगरेट मांगी। सिगरेट देने से इनकार करने पर आरोपितों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। घायल किशोर को तुरंत संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर दिल्ली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने चारों नाबालिग आरोपितों को हिरासत में लेकर वारदात में इस्तेमाल चाकू बरामद कर लिया है। मामले की जांच जारी है।

शाहबाद डेयरी में युवक को मारी गोली, हालत गंभीर

लोकतंत्र की शान : **नई दिल्ली।** राजधानी दिल्ली के बाहरी उत्तरी जिले के शाहबाद डेयरी इलाके में सोमवार को एक युवक को गोली मारने का मामला सामने आया है। घायल को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है। बाहरी उत्तरी जिले के पुलिस उपायुक्त हरेश्वर स्वामी के अनुसार थाना शाहबाद डेयरी पुलिस को अस्पताल से सूचना मिली कि एक व्यक्ति को गोली लगने की हालत में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम अस्पताल पहुंची। जहां पता चला कि घायल को प्राथमिक उपचार के बाद दूसरे अस्पताल में रेफर कर दिया गया है। जांच में घायल की पहचान 36 वर्षीय राजेश पासवान के रूप में हुई है। वह शाहबाद डेयरी में रहता है और बैटरी रिक्शा चलाकर परिवार का पालन-पोषण करता है। मेडिकल लीगल केस (एमएलसी) के अनुसार, शाहबाद डेयरी स्थित अखाड़ा के पास उसे गोली मारी गई। गोली उसके चेहरे के दाहिने हिस्से में लगी है। फिलहाल उसका इलाज जारी है। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में भारतीय न्याय संहिता की धारा 109(1) और आर्म्स एक्ट की धारा 25/27 के तहत दर्ज किया गया है। घटनास्थल पर पुलिस को कोई प्रत्यक्षदर्शी नहीं मिला। मौके पर सीसीटीवी कैमरा भी नहीं लगा था। हालांकि, पुलिस आसपास के रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल कर आरोपितों की पहचान करने में जुटी हुई है।

अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़, 18.47 लाख नशीली गोलियां जब्त

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच (सेंट्रल रेंज) यूनिट ने अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय एक बड़े अवैध फार्मास्युटिकल ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस संबंध में पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर 18,47,400 साइकोट्रोपिक टैबलेट बरामद की हैं जिनकी कीमत करीब आठ से नौ करोड़ रुपये आंकी गई है। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने सोमवार को बताया कि मामले की शुरुआत 7 अक्टूबर 2025 को हुई, जब मदनपुर खादर एक्सटेंशन स्थित मेहक अपार्टमेंट के पास पुलिस ने जाल बिछाकर मोहम्मद आबिद (50) को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 54 हजार ट्रामाडोल (Treken-100) टैबलेट बरामद की गईं। इस संबंध में एफआईआर संख्या 296/25 एनडीपीएस एक्ट की धारा 22/25 के तहत दर्ज की गई। पूछताछ में आबिद ने खुलासा किया कि वह दवाएं जावेद खान से लेता था। जावेद की गिरफ्तारी 30 अक्टूबर 2025 को हुई। उसने सप्लायर के रूप में समालखा स्थित प्रह्लाद लॉजिस्टिक्स के मालिक सुनील कुमार का नाम बताया। सुनील की गिरफ्तारी 2 नवंबर 2025 को हुई। जिसने आगे विष्णु दत्त शर्मा का नाम उजागर किया। विष्णु दत्त शर्मा ने खुलासा किया कि विकास सिंह उर्फ ईश्वर सिंह और टीसी सेडाना भी नेटवर्क से जुड़े हैं। विकास को 6 नवंबर 2025 को गिरफ्तार किया गया। एक अन्य आरोपित नौशाद उर्फ बबलू की तलाश जारी है और उसे घोषित अपराधी घोषित करने की प्रक्रिया चल रही है।जांच में सामने आया कि विष्णु दत्त शर्मा ने घरेलू सामान के नाम पर एक कंटेनर में 32 बक्सों में ट्रामाडोल और अन्य प्रतिबंधित दवाएं छिपाकर यूनाइटेड किंगडम भेजी थीं। क्राइम ब्रांच ने कस्टम विभाग से समन्वय कर कंटेनर को रोका। खेप यूके में डिलीवर नहीं हो सकी और भारत वापस मंगाई गई। 16 फरवरी 2026 को गुजरात के मुंद्रा पोर्ट स्थित सीबर्ड सीएफएस वेयरहाउस में ड्रग इंस्पेक्टर, एफएसएल टीम और कस्टम एसआईटी की मौजूदगी में संयुक्त छापेमारी कर 13.80 लाख अल्प्राजोलम, 1.95 लाख अन्य अल्प्राजोलम टैबलेट, 94 हजार और 41,600 ट्रामाडोल, 30 हजार जोल्पिडेम और 52 हजार नाइट्राजेपाम टैबलेट जब्त की गईं। कुल वजन 528.402 किलोग्राम पाया गया। मोहम्मद आबिद स्थानीय सप्लाई संभालता था। जावेद खान कस्टम हाउस एजेंट के रूप में दस्तावेजी प्रक्रिया का फायदा उठाता था। सुनील कुमार अपने वेयरहाउस से भंडारण और ट्रांसपोर्ट में मदद करता था। विष्णु दत्त शर्मा निर्यात के जरिए अंतरराष्ट्रीय सप्लाई करता था, जबकि विकास सिंह अपनी कूरियर कंपनी के माध्यम से नेटवर्क को लॉजिस्टिक सपोर्ट देता था। सभी आरोपितों को एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क के खिलाफ बड़ी सफलता है। मामले की आगे जांच जारी है और अन्य संभावित कड़ियों की तलाश की जा रही है।

फर्जी दवाओं के खिलाफ दिल्ली पुलिस का देशव्यापी अभियान, पटना में अवैध फैक्ट्री का भंडाफोड़

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने अंतरराज्यीय नशीले पदार्थों और स्प्यूरियस दवाओं के खिलाफ अभियान को तेज करते हुए एक और बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने बिहार के पटना के पास चल रही तीसरी अवैध दवा फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया गया है। मौके से भारी मात्रा में नकली दवाएं, ओपिओइड, मशीनरी और पैकिंग सामग्री बरामद की गई है। यह कार्रवाई एफआईआर संख्या 273/25, धारा 22 एनडीपीएस एक्ट, थाना क्राइम ब्रांच की जांच के दौरान की गई। पूरी कार्रवाई पुलिस उपायुक्त संजीव कुमार यादव के नेतृत्व में की गई। मामले में पहले गिरफ्तार आरोपित अरुण से पुलिस हिरासत में पूछताछ के दौरान खुलासा हुआ कि बृजेश नामक व्यक्ति पटना के पास अवैध रूप से नकली दवाओं और सिरप का निर्माण व री-पैकेजिंग कर बाजार में सप्लाई कर रहा है। अरुण बड़े पैमाने पर ओपिओइड की अवैध मैन्युफैक्चरिंग और वितरण का समन्वय कर रहा था। सूचना के आधार पर एएनटीएफ की टीम पटना पहुंची और ड्रग विभाग की टीम को साथ लेकर छापा मारा। जांच में पाया गया कि यूनिट बिना वैध लाइसेंस के चलाई जा रही थी और अनिवार्य मैन्युफैक्चरिंग व एनालिटिकल केमिस्ट भी मौजूद नहीं थे। ड्रग विभाग ने नियमानुसार कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस उपायुक्त के अनुसार छापेमारी के दौरान पुलिस ने 590 स्ट्रिप क्लावम-25, 30,000 से अधिक एम-मॉक्सी टैबलेट, 53,000 से अधिक एम्बिसेट टैबलेट, 10,000 विक्स एक्शन टैबलेट, 8,000 ट्रिप्सिन टैबलेट, 8,000 एक्सपायर्ड ओमेज कैप्सूल, बिना लेबल के कोडीन सिरप, 20 से अधिक प्रकार की अन्य टैबलेट/सिरप, इंडस्ट्रियल स्टिरर, ड्रम, खाली पेट बोतलें व ढक्कन और पैकिंग और लेबलिंग सामग्री शामिल है। बरामद एक्सपायर्ड दवाओं की बड़ी खेप से आशंका है कि इन्हें दोबारा पैक कर बाजार में ऊंचे दामों पर बेचा जा रहा था। नकली मेडिकल स्टोर्स के माध्यम से इन दवाओं की सप्लाई की जा रही थी।

अब तक 9 गिरफ्तार, बड़ी मात्रा में नशीला पाउडर जब्तःपुलिस उपायुक्त के अनुसार इस पूरे ऑपरेशन में अब तक 9 आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। 13 किलोग्राम से अधिक ट्रामाडोल पाउडर और 500 ग्राम से अधिक अल्प्राजोलम सहित अन्य मनोदैहिक पदार्थ भी बरामद किए गए हैं। पुलिस टीम ने विभिन्न राज्यों में हजारों किलोमीटर की यात्रा कर अलग-अलग मॉड्यूल और फैक्ट्रियों का भंडाफोड़ किया है। अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई देश में फैले बड़े नशीले पदार्थ नेटवर्क को ध्वस्त करने की दिशा में अहम कदम है। एएनटीएफ/क्राइम ब्रांच अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी और नेटवर्क के पूर्ण सफाए के लिए लगातार छानबीन कर रही है। डीसीपी एएनटीएफ संजीव कुमार यादव ने कहा कि जो लोग जनस्वास्थ्य से खिलवाड़ करेंगे, उनके खिलाफ शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाई जाएगी। दिल्ली को नशामुक्त बनाने के लक्ष्य की दिशा में अभियान जारी रहेगा।

कांग्रेस ने युवा कांग्रेस नेताओं को हिरासत में लिए जाने की निंदा की, एकजुटता व्यक्त की

लोकतंत्र की शान, संवाददाता जीशान अली

नई दिल्लीः कांग्रेस ने एआई सम्मेलन के दौरान शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने पर कई यूथ कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिए जाने की निंदा की है। पार्टी का कहना है कि कार्यकर्ताओं ने पूरी तरह लोकतांत्रिक तरीके से विरोध दर्ज कराया था, जैसा कि दुनिया के अन्य लोकतांत्रिक देशों में भी किया जाता है। कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए पार्टी सांसद शशिकांत सेंथिल, हरीश चंद्र मीना, कैप्टन विरियाटो फर्नांडिस, वरुण चौधरी, श्रेयस एम पटेल, अनिल यादव ने प्रदर्शन करने वाले यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के समर्थन में मोदी सरकार को पुरजोर तरीके से आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि एआई समिट के दौरान यूथ कांग्रेस का शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कोई व्यवधान नहीं, बल्कि देश के करोड़ों बेरोजगार युवाओं की आवाज थी। साथ ही यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर पुलिस की कार्रवाई को युवाओं की आवाज दबाने की सुनियोजित साजिश करार दिया। सांसदों ने कहा कि यूथ कांग्रेस के सदस्यों ने बेरोजगारी और अन्य लंबित संकटों से जूझ रहे करोड़ों युवाओं की आवाज उठाई है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में युवाओं की समस्याओं पर गंभीर चर्चा के लिए कोई मंच उपलब्ध नहीं कराया गया। संसद में महत्वपूर्ण मुद्दों पर बहस की मांग पर मोदी सरकार ने चुप्पी और टालमटोल का रवैया अपनाया। कांग्रेस सांसदों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर देश के डेटा को बेचने के लिए समझौता करने का आरोप लगाते हुए कहा कि युवाओं को अब सच्चाई दिखाई दे रही है। उन्होंने दावा किया कि एक समझौता कर चुके प्रधानमंत्री के नेतृत्व में युवाओं का भविष्य सुरक्षित नहीं है।

नरेला इंडस्ट्रियल एरिया में फैक्ट्री मालिक की हत्या का खुलासा, एक नाबालिग समेत तीन दबोचे

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस ने नरेला इंडस्ट्रियल एरिया में 28 वर्षीय फैक्ट्री मालिक की चाकू गोदकर हत्या के मामले का खुलासा करते हुए एक नाबालिग सहित तीन आरोपितों को पकड़ लिया है। वारदात में इस्तेमाल चाकू, स्प्लेंडर बाइक और घटना के समय पहने कपड़े भी बरामद कर लिए गए हैं। अन्य फरार आरोपितों की तलाश जारी है। बाहरी उत्तरी जिले के पुलिस उपायुक्त हरेश्वर स्वामी ने सोमवार को बताया कि 20 फरवरी की रात करीब 8:30 बजे गौतम कॉलोनी निवासी रवि (28) अपनी फैक्ट्री 'चौधरी एंटरप्राइजेज' (डीएसआईआईडीसी), नरेला से मोटरसाइकिल पर घर लौट रहे थे। तभी कुछ हमलावरों ने उन्हें रास्ते में रोक लिया और गर्दन, कंधे व पीठ पर ताबड़तोड़ चाकू से वार कर दिए। गंभीर हालत में उन्हें नरेला के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक के बड़े भाई रणवीर सिंह की शिकायत पर थाना नरेला इंडस्ट्रियल एरिया में एफआईआर संख्या 85/26 भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1)/3(5) के तहत दर्ज की गई। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि 19 फरवरी को रवि और फैक्ट्री में काम करने वाले मजदूर राहिद उर्फ राहिल के बीच काम को लेकर विवाद हुआ था। आरोप है कि विवाद के दौरान रवि ने राहिद को थप्पड़ मार दिया था। इसी अपमान का बदला लेने के लिए राहिद ने अपने साथियों के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची। पुलिस उपायुक्त के अनुसार 22 फरवरी को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर मेट्रो विहार फेज-2, होलंबी कलां निवासी अभय उर्फ हनुमान (19), रितिक (18) और एक किशोर को पकड़ लिया। इनके कब्जे से हत्या में प्रयुक्त चाकू, स्प्लेंडर मोटरसाइकिल और खून से सने कपड़े बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार, मामले में अन्य आरोपितों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

MSSI दिल्ली चैप्टर ने मनाया India MS Day मल्टीपल स्क्लेरोसिस से जूझ रहे लोगों को किया सम्मानित

लोकतंत्र की शान

MS patients celebrating individuality at the India MS Day event

नई दिल्ली : Multiple Sclerosis Society of India (MSSI) के दिल्ली चैप्टर ने India MS Day के अवसर पर दिल्ली हाट (INA) में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में मल्टीपल स्क्लेरोसिस (MS) से प्रभावित लोग, उनके देखभालकर्ता, परिवार और एमएस समुदाय के सदस्य शामिल हुए। यह कार्यक्रम 'मल्टीपल स्केलेरोसिस से परे व्यक्ति का सम्मान' विषय पर केंद्रित था। इसका उद्देश्य बीमारी से ध्यान हटाकर उन लोगों के जीवन, हिम्मत और सपनों पर केंद्रित करना था जो MS के साथ जीवन जी रहे हैं। कार्यक्रम में सुगमता को प्राथमिकता दी गई। स्थल व्हीलचेयर-फ्रेंडली बनाया गया था, और सभी MS रोगियों की गतिशीलता संबंधी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई थीं। इस कार्यक्रम ने एक सहज और समावेशी वातावरण प्रदान किया, जहाँ प्रतिभागी थोड़ी देर के लिए अपनी MS बीमारी से जुड़ी कठिनाइयों को भूल सके। कार्यक्रम में सहभागिता गतिविधियां, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, मरीजों की प्रेरक कहानियां, संगीत और विशेष सरप्राइज शामिल थे, जिन्होंने आपसी जुड़ाव और सकारात्मकता को बढ़ावा दिया। आयोजन "Walk In My Shoes" अभियान से भी जुड़ा था, जो 2025 में Roche और MSSI India की संयुक्त पहल के रूप में शुरू किया गया था। इस अभियान का उद्देश्य MS से जूझ रहे लोगों की अनदेखी और अनकही परेशानियों के प्रति संवेदनशीलता और सहानुभूति बढ़ाना है। यह आयोजन केवल उत्सव तक सीमित नहीं था, बल्कि मल्टीपल स्क्लेरोसिस को लेकर लोगों की समझ बढ़ाने का भी एक महत्वपूर्ण माध्यम बना। मल्टीपल स्क्लेरोसिस एक दीर्घकालिक ऑटोइम्यून बीमारी है, जो सेंट्रल नर्वस सिस्टम, यानी मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी को प्रभावित करती है। MS के साथ जीवन जी रहे लोगों को अक्सर थकान, दृष्टि संबंधी समस्या, याददाश्त में बदलाव, सुन्नपन, संतुलन में कठिनाई और बोलने में परेशानी जैसे लक्षणों का सामना करना पड़ता है । इनमें से कई लक्षण बाहर से दिखाई नहीं देते, जिससे पहचान और सही निदान में देरी हो सकती है। India MS Day 2026 के अवसर पर Bipasha Gupta, Chairperson MSSI - Delhi ने कहा, "मल्टीपल स्क्लेरोसिस को चाहे दृश्य या अदृश्य बीमारी माना जाए, लेकिन इससे जूझ रहे लोगों का साहस, संकल्प और जज़्बा हमेशा स्पष्ट रूप से नज़र आता है । MSSI दिल्ली ने आज दिल्ली हाट में India MS Day 2026 का आयोजन किया, जिसमें लगभग 100 MS मरीजों और उनके देखभालकर्ताओं ने भाग इस आयोजन के माध्यम से हमारा उद्देश्य ऐसा वातावरण बनाना था, जहाँ लोग स्वतंत्र रूप से चल-फिर सकें और स्वयं को देखा, सुना व सहयोगित महसूस करें। कई MS लोगों के लिए, सही निदान और उपचार तक पहुँचना अनिश्चितता और गलतफहमियों से भरी होती है। हम इस कहानी के केंद्र में बीमारी नहीं, बल्कि लोगों को रखना चाहते हैं क्योंकि MS जीवन को प्रभावित कर सकता है, लेकिन वह किसी की पहचान तय नहीं करता।"

एआई समिट में नारेबारी के मामले में तीन और गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। राजधानी में आयोजित एआई समिट के दौरान हुए प्रदर्शन के मामले में दिल्ली पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। इस प्रकरण में पुलिस ने यूथ कांग्रेस के एक और कार्यकर्ता को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, ग्वालियर से पकड़े गए जितेंद्र यादव को विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके साथ ही अजय कुमार और राजा गुर्जर को भी उप्र से गिरफ्तार किया गया है। अब तक इस मामले में कुल सात गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। नई दिल्ली जिले के एडिशनल सीपी देवेश कुमार महला ने इसकी पुष्टि की। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और क्राइम ब्रांच संयुक्त रूप से मामले की जांच कर रही हैं। जांच एजेंसियों की टीमें दिल्ली समेत एक दर्जन से अधिक स्थानों पर लगातार छापेमारी कर रही हैं। पुलिस सूत्रों का कहना है कि यूथ कांग्रेस के एक दर्जन से ज्यादा नेता और कार्यकर्ता रडार पर हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के आधार पर प्रदर्शनकारियों की पहचान की जा रही है और उनकी धरपकड़ जारी है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही अन्य आरोपितों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपित कृष्ण हरि की कार भी बरामद की है। कार से एक टी-शर्ट और पोस्टर मिले हैं, जिन्हें प्रदर्शन से जुड़ा अहम साक्ष्य माना जा रहा है। पुलिस इन बरामद सामानों की फॉरेंसिक जांच कराने की तैयारी में है। उधर, ग्वालियर से पकड़े गए जितेंद्र यादव के परिजनों ने दिल्ली पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। परिवार का कहना है कि पुलिस ने घर से ले जाते समय मारपीट की और गिरफ्तारी की स्पष्ट वजह भी नहीं बताई। जितेंद्र के पिता केशव ने आरोप लगाया कि उन्हें यह तक नहीं बताया गया कि बेटे को किस मामले में ले जाया जा रहा है। इसके बाद उन्होंने कांग्रेस नेताओं से संपर्क किया और एसएसपी कार्यालय भी पहुंचे, लेकिन वहां से भी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई। परिजनों का कहना है कि यदि उनके बेटे पर कोई एफआईआर दर्ज थी तो इसकी सूचना परिवार को दी जानी चाहिए थी। इस मामले में पुलिस ने अन्य चार कार्यकर्ताओं को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूछताछ के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पूरे घटनाक्रम को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई।

ईरान में बढ़ते तनाव के बीच भारत अलर्ट नागरिकों को देश छोड़ने की सलाह

लोकतंत्र की शान

EMBASSY OF INDIA
TEHRAN

ADVISORY

23 February 2026

1. In continuation of the advisory issued by the Government of India on 5 January 2026, and in view of the evolving situation in Iran, Indian nationals who are currently in Iran (students, pilgrims, business persons and tourists) are advised to leave Iran by available means of transport, including commercial flights.

2. The 14 January 2026 Advisory is hereby reiterated that all Indian citizens and PIOs should exercise due caution, avoid areas of protests or demonstrations, stay in contact with the Indian Embassy in Iran and monitor local media for any developments.

3. All Indian nationals in Iran are requested to also have their travel and immigration documents, including passports and IDs, readily available with them. They are requested to contact the Indian Embassy for any assistance in this regard.

4. The emergency contact helplines of the Indian Embassy are provided below:
Mobile Numbers: +989128109115; +989128109109; +989128109102; +989932179359.
Email: cons.tehran@mea.gov.in

5. All Indian nationals who are in Iran, and who have not registered with the Indian Embassy, are requested to do so on the link (https://www.meaers.com/request/home). The link is also available on the Embassy website. In case any Indian national is unable to register due to internet disruptions in Iran, their families in India are requested to do so.

तेहरान। भारत ने ईरान में रहने वाले भारतीय नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है, जिसमें वहां रहने वाले नागरिकों को जल्द से जल्द ईरान छोड़ने की सलाह दी गई है। नागरिकों की मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया गया है। परमाणु कार्यक्रम पर समझौते को लेकर ईरान और अमेरिका के बीच तनाव चरम पर है। इस बीच तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने एहतियात के तौर पर एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए यह सलाह जारी की है। भारतीय दूतावास ने ईरान में रहने वाले भारतीय नागरिकों को अपनी यात्रा का विवरण और दस्तावेज भी तैयार रखने को कहा है। इसके अलावा उन्हें दूतावास के साथ संपर्क में रहने को भी कहा गया है। भारतीय दूतावास ने अपनी पिछली एडवाइजरी को दोहराते हुए ईरान में मौजूद भारतीय नागरिकों से अपील की है कि सभी लोग बदलती स्थिति पर नजर रखें और जल्द से जल्द उड़ानों और अन्य किसी भी विकल्प की मदद से ईरान छोड़ दें। दूतावास ने इस एडवाइजरी की कॉपी सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर भी साझा की है, जिसमें कहा गया है पांच जनवरी को भारत सरकार की ओर से जारी एडवाइजरी की निरंतरता में और ईरान में बदलती स्थिति को देखते हुए, ईरान में मौजूद भारतीय नागरिकों (जिनमें छात्र, व्यापारी, पर्यटक और तीर्थयात्री शामिल हैं) को उपलब्ध परिवहन साधनों का इस्तेमाल करते हुए तत्काल ईरान छोड़ने की सलाह दी जाती है। सभी भारतीयों से प्रार्थना है कि वे अपने ट्रैवल और इमिग्रेशन डॉक्यूमेंट्स, जिसमें पासपोर्ट और आईडी शामिल हैं, अपने पास ध्यान से रखें। उनसे रिक्वेस्ट है कि इस बारे में किसी भी मदद के लिए इंडियन एम्बेसी से कॉन्टैक्ट करें। बता दें कि अमेरिका और ईरान के बीच अभी तक न्यूक्लियर डील नहीं हो पाई है और उनके बीच अगले राउंड की बातचीत जल्द ही जिनेवा में हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, न्यूक्लियर डील पर अनिश्चितता के बीच अमेरिका ने ईरान के आसपास वॉरशिप और अपनी सेना की मौजूदगी और बढ़ा दी है, जिससे युद्ध जैसे हालात बन सकते हैं।

दिल्ली में 'वरदान अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव' 26-27 फरवरी को

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली के गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय में 26-27 फरवरी को विश्व का पहला 'वरदान अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव' का आयोजन किया जाएगा। दधीचि देहदान समिति एवं संप्रेषण मल्टीमीडिया के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस महोत्सव का उद्देश्य मानवता की सेवा और अंगदान के प्रति जागरूकता फैलाना है। दधीचि देहदान समिति के संरक्षक एवं विश्व हिन्दू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, "जब हम इस महोत्सव की कल्पना कर रहे थे, तो हमें विश्व में इस विषय पर केंद्रित कोई दूसरा डेटा बैंक या महोत्सव नहीं मिला। यह अपनी तरह का पहला प्रयास है। इस महोत्सव में लघु फिल्म रील और प्रेरणादायक फिल्में शामिल हैं, जो दर्शकों को अंगदान की संवेदनशीलता से रूबरू कराएंगी।" उन्होंने बताया कि समिति अब तक 500 शरीर और 1250 आंखों का दान संपन्न करा चुकी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बात' में दो बार अंगदान के महत्व पर चर्चा कर इस अभियान को राष्ट्रीय पहचान दी है। इस अभियान में स्वास्थ्य क्षेत्र के 44 एनजीओ, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) और स्वास्थ्य मंत्रालय का भी सहयोग मिल रहा है।समिति के एक प्रमुख सदस्य और महोत्सव के निदेशक अतुल गंगवार ने कहा कि अक्सर फिल्म महोत्सव ग्लैमर और चमक-धमक के लिए जाने जाते हैं, लेकिन वरदान का उद्देश्य समाज के सबसे गंभीर विषय पर जागरूकता लाना है इस उत्सव में स्कूल और कॉलेज के छात्रों, फिल्म संस्थानों और अनुभवी पेशेवरों द्वारा बनाई गई फिल्में प्रदर्शित की जाएंगी। सिनेमा में नैरेटिव बदलने की ताकत है। हमें खुशी है कि हमारे पास 100 से अधिक फिल्में आईं, जिनमें से जूरी ने 67 बेहतरीन फिल्मों (शॉर्ट फिल्म, रील और प्रेरणादायक फिल्में) का चयन किया है। महोत्सव के अवसर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और संस्कृति मंत्री कपिल मिश्रा मौजूद रहेंगे। वहीं अभिनेता मनोज जोशी और अनंत विजय फिल्म निर्माण तथा सामाजिक सरोकारों पर मास्टर क्लास लेंगे। इसके अलावा अंगदान के क्षेत्र में अतुलनीय कार्य के लिए पद्मश्री नीलेश (सूरत) को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। साथ ही कवयित्री कीर्ति काले की ओर से देहदान पर रचित एक विशेष गीत का विमोचन भी होगा। इस महोत्सव का मुख्य केंद्र युवा पीढ़ी है। छात्रों की ओर से बनाई गई रील और लघु फिल्मों के माध्यम से एक विशाल डिजिटल निर्देशिका तैयार की गई है, जो भविष्य में अंगदान के प्रति लोगों को प्रेरित करने के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन साबित होगी। उल्लेखनीय है कि यह फिल्म महोत्सव अपनी तरह का दुनिया का पहला ऐसा मंच है जो पूरी तरह से देहदान और अंगदान के विषय पर केंद्रित है।

विवादित समितियाँ भंग, अम्बेडकर जयंती हेतु पूर्व समिति को फिर मिली जिम्मेदारी

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः सोमवार को डॉ भीम राव अम्बेडकर जयंती 2026 के आयोजन को लेकर हसनपुर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक जन्मोत्सव समिति के संस्थापक एवं सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य श्री मंगली सिंह जी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में नगर के विभिन्न मोहल्लों के प्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं एवं युवाओं ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य जयंती समारोह को सफल, पारदर्शी एवं सर्वसमावेशी रूप से आयोजित करना था। विचार-विमर्श के दौरान यह विषय सामने आया कि हाल ही में नियुक्त की गई दो समितियाँ वर्तमान परिस्थितियों में विवादित हो गई हैं।बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंगली सिंह ने कहा कि वर्तमान में गठित दोनों समितियां अमान्य एवं असंवैधानिक हैं जब तक पुरानी कमेटी भंग नहीं की जाती तब तक नई किसी भी कमेटी का कोई औचित्य नहीं है। सामाजिक एकता और आपसी सौहार्द को सर्वोपरि रखते हुए सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया और पिछले वर्ष चंचल सागर की अध्यक्षता की कमेटी को ही पुनः जिम्मेदारी सौंपी गई। कमेटी में कार्यकारिणी अध्यक्ष में ललित सिंह, कोषाध्यक्ष डॉ राजेश कुमार और महासचिव के पद पर राजेंद्र उर्फ गुड्डू की पुनः चयनित किया गया। साथ ही बैठक में एक संरक्षक मंडल नियुक्त किया गया, यह संरक्षक मंडल अनुभवी एवं वरिष्ठ सामाजिक सदस्यों का है, जो समय-समय पर समिति को मार्गदर्शन देगा तथा कार्यक्रम की गरिमा और अनुशासन बनाए रखने में सहयोग करेगा। संरक्षक मंडल में जयवीर सिंह, महिपाल सिंह गौतम, संजय एडवोकेट, नन्हे सिंह आर्य, मा छोटेलाल, मरेमद्रा कुमार नेताजी और रामपाल सिंह नेताजी को चुना गया। पिछले वर्ष की समिति ने दानराशि का सार्वजनिक लेखा-जोखा प्रस्तुत कर पारदर्शिता की मिसाल कायम की थी तथा भव्य एवं अनुशासित आयोजन के माध्यम से समाज में सकारात्मक संदेश दिया था। जिसकी सर्वसम्मति से सराहना की और कमेटी द्वारा इसी प्रकार पारदर्शिता रखने का पूर्ण रूप से आश्वासन दिया गया। अंबेडकर विकास मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र सिंह आर्य ने कहा, डॉ. अम्बेडकर का जीवन हमें संविधान, समानता और सामाजिक न्याय का मार्ग दिखाता है। हमें उनके आदर्शों—शिक्षा, संगठन और संघर्ष—को अपनाते हुए एकजुट होकर कार्य करना चाहिए। पारदर्शिता ही विश्वास की नींव है। साथ ही कहा संस्थापक सदस्य मंगली सिंह की बात का पूर्ण रूप से समर्थन करते हैं।अध्यक्ष चंचल सागर ने अपने विचार रखते हुए कहा,"यह जयंती केवल उत्सव नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता और एकता का प्रतीक है। हम सब मिलकर इसे ऐतिहासिक बनाएंगे।"

कार्यकारिणी अध्यक्ष ललित सिंह ने कहा,-"हम चाहते हैं कि हर मोहल्ले की भागीदारी सुनिश्चित हो और सभी निर्णय सामूहिक सहमति से लिए जाएँ।"बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि आयोजन में हसनपुर के सभी मोहल्लों का समान प्रतिनिधित्व रहेगा और बाबा साहेब के आदर्शों को केंद्र में रखते हुए सामाजिक समरसता, शिक्षा के महत्व तथा संवैधानिक मूल्यों पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।अंत में उपस्थित सभी सदस्यों ने संकल्प लिया कि डॉ. अम्बेडकर जयंती 2026 का आयोजन एकता, पारदर्शिता और सामाजिक न्याय के संदेश के साथ भव्य एवं अनुकरणीय रूप में किया जाएगा। बैठक में मा जगत सिंह, नवल कुमार, ब्रह्मज्ञान सिंह, फतेह चंद, एड अभिषेक सिंह, सत्यजीत, अरुण कुमार, धर्मेंद्र कुमार, मा अशोक कुमार, कपिल कुमार, अभिषेक कुमार, रितेश कुमार, पवन कुमार, राजू खेवान, डब्लू, बबलू मास्टर, मा मनोज कुमार, एड सतपाल सिंह, हिमांशु, एड अमित सिंह, पंकज कुमार, एड अखिलेश गौतम, सुशील भगत, उमेश मुखिया, दिनेश कुमार, नंदकिशोर सागर, विनीत कुमार, रितेशपाल सिंह, कमल कुमार, बनके लाल, चंद्रजीत, विनय प्रताप, दीपक सागर, सौरभ कुमार, खेमचंद, योगेश कुमार, गोविंदा आदि लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

हसनपुर नगर पालिका मे स्वच्छ सर्वेक्षण कार्यशाला का हुआ आयोजन

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा : हसनपुरः सोमवार को स्वच्छ सर्वेक्षण कार्यशाला का आयोजन 2025 से 26 में नंबर वन बनाने पर आयोजित किया गया, इस अवसर पर नगर पालिका स्टाफ एवं सफाई नायकों की कार्यशाला को संबोधित करते हुए अधिशासी अधिकारी द्वारा कहा गया कि शासन के निर्देशों का पालन करते हुए स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 से 26 में हमें एक बार फिर नगर पालिका को नंबर वन बनाना है बताते चलें कि सोमवार को नगर पालिका स्थित सभागार कक्ष में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 से 26 में शासन के निर्देशों का पालन करते हुए प्रथम स्थान बनाना रहा, कार्यशाला को संबोधित करते हुए अधिशासी अधिकारी विजयपाल सिंह ने कहा कि अभियान के अंतर्गत कचरा पृथक्करण, होम कंपोस्टिंग, आर आर आर सेंटर, नगर में डस्टबिन सुनिश्चित करने जैसे विषय पर चर्चा की गई, वही उन्होंने बताया कि प्रत्येक पालिका का कर्मचारी परिवार की भावना से मिलकर कार्य करें ताकि स्वच्छ सर्वेक्षण में सर्वोत्तम रैंकिंग प्राप्त की जा सके, वही स्वच्छ सर्वेक्षण के मानकों पर परीक्षण भी दिया गया, कार्यशाला में अधिशासी अधिकारी विजयपाल सिंह, अवर अभियंता नेकपाल सिंह, बाबू दिनेश कुमार, रितेश कुमार करण सिंह कौशल कुमार, दीपक अग्रवाल, मनी कुमार, मोहम्मद अहमद, मोहम्मद अरशद आदि सहित पालिका का समस्त स्टाफ मौजूद रहा 1

आजाद समाज पार्टी ने गोकुलधाम कॉलोनी में सड़क निर्माण की उठाई मांग

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुर । सोमवार को आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के कार्यकर्ताओं ने गोकुलधाम कॉलोनी में सड़क निर्माण को लेकर नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी विजयपाल सिंह एवं पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी को ज्ञापन सौंपा, कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि कॉलोनी की मूलभूत समस्याओं का समाधान जल्द नहीं हुआ, तो पार्टी आंदोलन तेज करेगी। प्रदेश कोर कमेटी सदस्य एवं मंडल प्रभारी देवेन्द्र बैंसला के नेतृत्व में पहुंचे कार्यकर्ताओं ने कहा कि गोकुलधाम कॉलोनी के निवासी पिछले 15 वर्षों से सड़क, पानी और जल निकासी जैसी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि निवासी नियमित रूप से टैक्स भर रहे हैं, लेकिन सुविधाओं के नाम पर उन्हें सिर्फ आश्वासन मिल रहा है। उन्होंने 'कार्तिक की दुकान से महीपाल वकील के प्लॉट तक' मुख्य मार्ग को प्राथमिकता से बनवाने की मांग की। साथ ही, पवित्र माह रमजान के दृष्टिगत शहर में मुकम्मल साफ-सफाई, पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए भी प्रशासन को अवगत कराया, ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से इमरान ठेकेदार, संजू सागर, मनोज कुमार एडवोकेट, सत्येंद्र प्रधान, मोनू शहबाजपुरिया आदि सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शिक्षकों ने शांतिपूर्ण रूप से काला फीता बांधकर किया जोरदार विरोध

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुर /गंगेश्वरीः सोमवार को जनपद अमरोहा के ब्लाक गंगेश्वरी के प्राथमिक विद्यालय पतेई खादर में टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया अमरोहा के बैनर तले समस्त शिक्षक परिवार द्वारा शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE Act, 2009) के अंतर्गत पोस्ट शिक्षकों पर टीईटी अनिवार्यता थोपे जाने के विरोध में अपने दाहिने हाथ पर

काला फीता बांधकर शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराया गया। गौरतलब है कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम पूरे भारत में 1 अप्रैल 2010 तथा उत्तर प्रदेश में 27 जुलाई 2011 को लागू किया गया था। शिक्षकों का कहना है कि अधिनियम लागू होने से पूर्व जारी शासनादेशों में निर्धारित सेवा शर्तों के विपरीत टीईटी अनिवार्यता थोपना न्यायसंगत नहीं है। इसी क्रम में प्राथमिक विद्यालय पतेई खादर में शिक्षकों ने एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन किया। इस अवसर पर गौरव नागर, जिलाउपाध्यक्ष, उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने कहा कि शिक्षक अपने अधिकारों की रक्षा के लिए लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से संघर्ष जारी रखेंगे। शिक्षक संगठन ने शासन से मांग की है कि पूर्व में निर्धारित सेवा शर्तों का सम्मान करते हुए टीईटी अनिवार्यता संबंधी निर्णय पर पुनर्विचार किया जाए। इस अवसर पर विद्यालय परिवार के शिक्षक यशपाल सिंह, बिजेंद्र सिंह, संदीप कुमार, राजीव कुमार मीना, नीरज आदि उपस्थित रहे और एक स्वर में अपनी बात रखी।

भीषण सड़क हादसाः बाप-बेटी समेत तीन की मौत

(खिजर अहमद): नजीबाबाद के रायपुर रोड पर तेज रफ्तार कार ने ई-रिक्शा और मोपेड को ठोका, शव सड़क पर बिखरे घायल ई-रिक्शा चालक की हालत गंभीर, पुलिस ने 23 फरवरी 2026 – बिजनौर जिले के नजीबाबाद थाना क्षेत्र में रविवार शाम रायपुर सादात मार्ग (रायपुर रोड) पर भारत गैस एजेंसी/गोदाम के पास एक भीषण

सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार अनियंत्रित कार ने पहले ई-रिक्शा से टक्कर मारी, फिर पीछे से आ रहे मोपेड सवार बाप-बेटी को रौंद दिया। इस दर्दनाक हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ई-रिक्शा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा रविवार शाम करीब 5-6 बजे गढ़मलपुर फ्लाईओवर के पास या भारत गैस एजेंसी के सामने हुआ। जानकारी के अनुसार, रायपुर की ओर से तेज गति से आ रही एक कार अचानक अनियंत्रित हो गई। कार ने पहले सामने से आ रहे ई-रिक्शा से जोरदार टक्कर मारी, जिससे ई-रिक्शा उलट गया। टक्कर के बाद बेकाबू कार ने पीछे से आ रहे मोपेड को भी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि शव सड़क पर बिखर गए और मौके पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर हायर सेंटर भेजा जहां शवों को मृतक घोषित किया

सीएम योगी का सिंगापुर दौराः टेमासेक के चेयरमैन ने सीएम योगी से की मुलाकात, यूपी में निवेश को जताई उत्सुकता

लोक तंत्र की शान

सिंगापुर/लखनऊ। उत्तर प्रदेश को वैश्विक निवेश मानचित्र पर और सशक्त बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सिंगापुर दौरे के पहले दिन विभिन्न विदेशी निवेशकों और कॉरपोरेट प्रतिनिधियों से महत्वपूर्ण बैठकें कीं। इन बैठकों में राज्य में निवेश की संभावनाओं, औद्योगिक सहयोग और दीर्घकालिक साझेदारी के विविध आयामों पर विस्तृत चर्चा हुई। पहले दिन मुख्यमंत्री ने सबसे पहले सिंगापुर की अग्रणी निवेश कंपनी टेमासेक होल्डिंग्स (Temasek Holdings) के चेयरमैन टियो ची हीन (Teo Chee Hean) और उनकी टीम से मुलाकात की। बैठक में टेमासेक के वैश्विक निवेश पोर्टफोलियो और उत्तर प्रदेश में निवेश पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने यूपी में दिया निवेश का आमंत्रण-मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने टेमासेक को उत्तर प्रदेश में अवसंरचना, लॉजिस्टिक्स, स्वास्थ्य, वेयरहाउसिंग, फिनटेक आधारित शहरी विकास व अन्य सम्बद्ध क्षेत्रों में निवेश के लिए आमंत्रित किया। बैठक में टेमासेक की पोर्टफोलियो कंपनी मनिपाल हॉस्पिटल्स (Manipal Hospitals) द्वारा गाजियाबाद में लगभग 500 करोड़ रुपये के निवेश तथा असेंडास (Ascendas) द्वारा राज्य में लॉजिस्टिक्स एवं वेयरहाउसिंग सुविधाओं के विकास हेतु करीब 500 करोड़ रुपये के निवेश से संबंधित जानकारी भी साझा की गई। यह निवेश प्रदेश में स्वास्थ्य एवं औद्योगिक अवसंरचना को नई गति देने वाला माना जा रहा है।

सिंगापुर में भारतीय समुदाय से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया संवाद

लोक तंत्र की शान

सिंगापुर। सिंगापुर में बसे भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नए भारत और नए उत्तर प्रदेश की स्पष्ट और आत्मविश्वास से भरी तस्वीर प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि जो उत्तर प्रदेश कभी दंगों और कर्फ्यू के लिए जाना जाता था, वही आज विकास, निवेश, आस्था, औद्योगिक प्रगति और वैश्विक विश्वास का केंद्र बन चुका है। अब वह दंगों वाला यूपी नहीं है। अब उत्तर प्रदेश में न कर्फ्यू है, न दंगा, अब उत्तर प्रदेश में सब चंगा है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में नए उत्तर प्रदेश की बदली तस्वीर, विरासत और विकास के संगम तथा कानून-व्यवस्था में आए व्यापक परिवर्तन को विस्तार से रखा। इस दौरान सीएम योगी ने उपस्थित सभी लोगों को आगामी होली पर्व की शुभकामनाएं भी दीं।

विरासत और विकास का अद्भुत संगम बना उत्तर प्रदेश-मुख्यमंत्री ने कहा कि देश का सर्वाधिक आबादी वाला राज्य उत्तर प्रदेश आज जिस परिवर्तन का साक्षी है, वह बीते नौ वर्षों की प्रतिबद्धता, सुशासन और दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है। उन्होंने स्मरण कराया कि कभी दंगे, असुरक्षा और अराजकता जिसकी पहचान बन गए थे, वही प्रदेश आज कानून-व्यवस्था, निवेश और विकास का मॉडल बनकर उभरा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को जमीनी धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करते हुए उत्तर प्रदेश ने 'विरासत और विकास' का संतुलित और प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक मर्यादा और आत्मगौरव का प्रतीक है। काशी विश्वनाथ धाम का पुनर्विकास हमारी शाश्वत परंपरा को आधुनिक स्वरूप में स्थापित करता है, जबकि मथुरा-वृंदावन की पावन भूमि भारत की भक्ति और अध्यात्म की जीवंत अभिव्यक्ति है। समरसता का साक्षात दृश्य महाकुंभ में देखने को मिलता है, जहां करोड़ों श्रद्धालु संगम में एक साथ आस्था की डुबकी लगाते हैं, न कोई बड़ा, न छोटा। सब एक स्वर में 'हर-हर गंगे' का उद्घोष करते हैं। यही भारत की आत्मा है और यही उसकी शक्ति।

आज़ाद चौक बाईपास निर्माण का श्रेय लेना भ्रामक और गलत – विधायक तस्लीम अहमद के दावे का आज़ाद समाज पार्टी ने किया खंडन

- **सांसद चंद्रशेखर आज़ाद की दिशा-निर्देश और लगातार प्रयासों से मिली स्वीकृति, विधायक का नाम कहीं नहीं**
- **नजीबाबाद की राजनीति की भेट चढ़ा था मेडिकल कॉलेज अब लोगों का कहना है कही ये रोड भी इसी तरह न रह जाए नजीबाबाद की राजनीति में ऐसा हो जाता है**

लोक तंत्र की शान

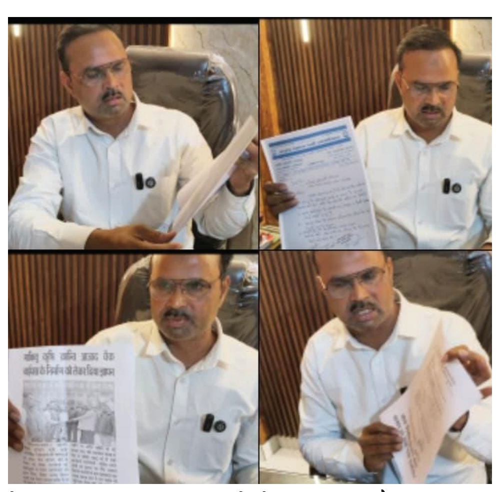

नजीबाबाद : नजीबाबाद आज़ाद समाज पार्टी के मुरादाबाद मंडल प्रभारी एवं साहनपुर चेयरमैन द्वारा आज आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्पष्ट रूप से कहा गया कि नजीबाबाद के आज़ाद चौक से न्यायालय बाईपास (हरिद्वार रोड) के निर्माण कार्य का श्रेय विधायक तस्लीम अहमद द्वारा लेना पूर्णतः भ्रामक, गलत और जनता को गुमराह करने वाला है।

प्रेस वार्ता में निम्नलिखित महत्वपूर्ण तथ्य सामने रखे गएः 17 नवंबर 2025 को दिशा कमेटी की बैठक में सांसद चंद्रशेखर आज़ाद ने PWD के अधिशासी अभियंता, नजीबाबाद को स्पष्ट निर्देश दिए कि उक्त रोड का निर्माण कार्य शीघ्र शुरू कराया जाए। इस बैठक में जिलाधिकारी भी मौजूद थीं। अधिशासी अभियंता ने बताया कि DPR शासन को भेजा जा चुका है। सांसद प्रतिनिधि फहीम अंसारी ने भी लोक निर्माण विभाग को इस मार्ग के निर्माण के लिए लगातार पत्राचार किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस करने वाले आज़ाद समाज पार्टी के प्रतिनिधि ने दिशा कमेटी बैठक में सांसद को मार्ग निर्माण संबंधी पत्र सौंपा था, जिसके बाद विषय को गंभीरता से उठाया गया और आगे बढ़ाया गया। किसान यूनियन की ओर से इस जर्जर मार्ग की समस्या को लंबे समय से लगातार उठाया जा रहा है। कुछ महीने पहले गड्ढे भरवाने के नाम पर भी विधायक तस्लीम अहमद ने श्रेय लेने का प्रयास किया था, जिसका आधिकारिक खंडन 23 अगस्त 2025 को अधिशासी अभियंता, निर्माण खंड, लोक निर्माण विभाग, बिजनौर (नजीबाबाद) द्वारा किया गया था। 7 नवंबर 2025 को मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग, लखनऊ ने प्रमुख सचिव, लोक निर्माण विभाग को मार्ग की स्वीकृति के लिए अनुरोध पत्र भेजा, जिसमें विधायक तस्लीम अहमद का नाम कहीं भी उल्लेखित नहीं है। प्रेस वार्ता में जोर देकर कहा गया कि जनता के हित से जुड़े विकास कार्यों को राजनीतिक श्रेय लेने का माध्यम बनाना उचित नहीं है। आज़ाद चौक बाईपास का मुद्दा सांसद चंद्रशेखर आज़ाद, अन्य जनप्रतिनिधियों, आज़ाद समाज पार्टी कार्यकर्ताओं और सामाजिक संगठनों द्वारा लगातार उठाया गया है। विधायक द्वारा इस कार्य का श्रेय लेना न केवल तथ्यों के विपरीत है, बल्कि जनता को गुमराह करने का स्पष्ट प्रयास है। आज़ाद समाज पार्टी क्षेत्रवासियों से अपील करती है कि वे ऐसे भ्रामक दावों से सावधान रहें और वास्तविक प्रयासकर्ताओं को पहचानें।

होली व रमजान को लेकर हुई कोतवाली में अमन कमेटी की बैठक

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः रविवार को कोतवाली परिसर में अमन कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें होली व रमजान आपसी भाई चारे के साथ मनाए जाने की अपील की गई, बैठक की अध्यक्षता प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी ने की उन्होंने कहा कि सौहार्द बिगड़ने वाले लोगों को बख्शा नहीं जाएगा वहीं उन्होंने हिंदू मुस्लिम भाइयों से दोनों समुदाय के लोगों से आपसी भाईचारे के साथ दोनों त्यौहार मनाने की अपील की, कानून व्यवस्था पर कड़ा रूख अपनाते हुए उन्होंने कहा कि होली के उत्सव में खलल डालने वाले और शांति भंग करने वाले अराजक तत्वों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा, उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन की नजर चप्पे चप्पे पर है, वहीं उपस्थित लोगों ने भी अपने-अपने विचार रखें, बैठक में रंग एकादशी के दिन निकलने वाली रंग एकादशी शोभायात्रा के रूट पर भी चर्चा हुई, बैठक में साफ सफाई, पेयजल आपूर्ति, विद्युत आपूर्ति एवं अन्य व्यवस्थाओं को लेकर भी लोगों ने अपने-अपने विचार रखें, इस मौके पर मुख्य रूप से व्यापारी नेता मुकेश गुप्ता, लोकेश अग्रवाल, अतुल अग्रवाल, संजय सहदेव, मुकुल अग्रवाल, अरविंद अन्ना, चमन अंसारी, दिनेश गौतम, नवाब सैफी, महिपाल सिंह, नूर मोहम्मद, जयपाल सिंह, मुकेश जाटव उर्फ मुखिया आदि सहित विभिन्न सभासद एवं गढ़ माननीय लोग मौजूद रहे 1

"साक्षरता" सतत और शांतिपूर्ण समाज की नीव : राकेश आर्य

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः सोमवार को महाविद्यालय चिरंजीलाल कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन का उद्घाटन महाविद्यालय प्राचार्य डॉ राकेश आर्य द्वारा ग्राम बौनावाली डगरोली में किया गया 1 उन्होंने निर्धारित विषय वस्तु कौशल विकास हेतु युवा के अंतर्गत साक्षरता की महत्ता पर प्रकाश डाला, साक्षरता दिवस पर जानकारी देते हुए कहा कि 8 सितंबर को दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया जाता है 1 साक्षरता दिवस का मुख्य उद्देश्य साक्षरता के महत्व को उजागर करना, डिजिटल समावेशन और साक्षरता को आज जीवन सीखने पर ध्यान केंद्रित करना 1 उन्होंने कहा कि परिवर्तन सील दुनिया के लिए साक्षरता को बढ़ावा देना : सतत और शांतिपूर्ण

समाज की नीव का निर्माण करना 1 कार्यक्रम अधिकारी राजकुमार ने सभी स्वयंसेवियों से समाज को साक्षरता के बारे में जागरूक करने के लिए प्रेरित किया 1 इस मौके पर मनोज शर्मा, लोकेश कुमार,विनोद गुप्ता ,अतुल शर्मा,अनुराधा, नीरज,सरस्वती,मोनिका, शीतल, अनीता आदि सहित सभी स्वयंसेवी उपस्थित रहे 1

संभल में सपा ने मनाई संत गाडगे महाराज की 150वीं जयंती, सामाजिक समरसता का दिया संदेश

लोक तंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल। अखिलेश यादव के निर्देशानुसार समाजवादी पार्टी द्वारा महान समाज सुधारक संत गाडगे महाराज की 150वीं जयंती जनपद संभल में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन उमेश चंद्र दिवाकर परिसर, भरतरा चुंगी में किया गया, जहां पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने संत गाडगे महाराज के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी ने की। उन्होंने संत गाडगे महाराज के जीवन और कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे एक महान संत, समाज सुधारक और लोकसेवक थे, जिन्होंने गोरगरीब, दीन-दलित और वंचित समाज के उत्थान के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने अज्ञानता, अंधविश्वास और अस्वच्छता के

खिलाफ जनजागरण अभियान चलाया और समाज को स्वच्छता व शिक्षा का महत्व समझाया। माननीय विधायक श्री राम खिलाड़ी यादव ने अपने संबोधन में कहा कि संत गाडगे महाराज ने जाति आधारित भेदभाव और सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध सशक्त आवाज उठाई। उन्होंने अपने जीवनकाल में धर्मशालाएं, गौशालाएं, विद्यालय, चिकित्सालय और छात्रावासों का निर्माण कर समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने का कार्य किया। जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शखधार ने कहा कि संत गाडगे महाराज की शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं। उनका स्वच्छता और शिक्षा पर दिया गया संदेश वर्तमान समय में भी समाज को दिशा देने का काम कर रहा है। इस अवसर पर भाजपा छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल हुए नेता उमेश चंद्र दिवाकर ने कहा कि संत गाडगे महाराज के आदर्श समाज में समानता, भाईचारे और सेवा की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि समाजवादी पार्टी के मंच से उन्हें दलित, पिछड़े, अतिपिछड़े और अल्पसंख्यक समाज के लिए कार्य करने का व्यापक अवसर मिलेगा। कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शखधार ने किया। इस अवसर पर प्रदेश सचिव राजेंद्र गुरुजी सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में विमलेश कुमारी, बलवत सिंह, अशोक यादव, स्वराज सिंह दिवाकर, मन्नू सिंह दिवाकर, शोभित कुमार, लड्डन मियां, ओमप्रकाश प्रजापति, संजीव यादव, ताहिर उल्ला खान, पूरनलाल मौर्य, फैजान शाही, सुनीता यादव, शारदा यादव, रवि दिवाकर, भारत सिंह यादव, सुनील खड़कवंशी, अमरीश यादव, ओंकार सिंह दिवाकर, मनोज शर्मा, आकाश शखधार, डॉ. हंसराज, रिंकू चौहान, एसपी बिलाल, रघुनंदन यादव, मुकेश यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

पीयू छात्र संघ चुनाव, आज कैंडिडेट की फाइनल लिस्ट आएगी, हंगामे के चलते दो दिन हुआ लेट

पटना। पटना यूनिवर्सिटी छात्र संघ चुनाव में आज कैंडिडेट की फाइनल लिस्ट जारी की जाएगी। पहले यह सूची 21 फरवरी को जारी होनी थी, लेकिन पटना साइंस कॉलेज में शिक्षक के साथ दुर्व्यवहार के बाद चुनाव स्थगित कर दिया गया था। इसके बाद प्रत्याशियों की मांग पर प्रशासन ने 28 फरवरी को ही चुनाव कराने का निर्णय लिया। आज सभी छात्र संगठनों के प्रत्याशियों के साथ चुनाव समिति बैठक भी करेगी। चुनाव से पहले यूनिवर्सिटी प्रशासन इस बात को स्पष्ट करना चाह रहा है कि चुनाव के दौरान कोई अप्रिय घटना नहीं घटे और चुनाव मर्यादित तरीके से संपन्न हो। दूसरी ओर दुर्व्यवहार करने वाले छात्रों ने रविवार को शिक्षक को पत्र लिखकर माफी मांगी है। इसमें मोनू कुमार, अनुज कुमार, रमेश कुमार और सन्नी कुमार शामिल हैं। उन्होंने कहा कि, 'अब आगे कभी भी इस तरह की घटना नहीं होगी।' छात्रों ने पत्र में पटना विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में आचार संहिता का पालन करने और विश्वविद्यालय की एकेडमिक और लोकतांत्रिक गरिमा के अनुरूप आचार करने का लिखित वादा किया है। इसके साथ ही छात्रों ने अपनी गलती को स्वीकार करते हुए शिक्षक से किसी भी प्रशासनिक कार्रवाई नहीं करने का आग्रह किया है। पटना सायंस कॉलेज में शनिवार को अंग्रेजी विभाग के शिक्षक प्रो शोवन चक्रवर्ती के साथ मारपीट की घटना को कुलपति प्रो. नमिता सिंह ने गंभीरता से लिया है। मीडिया प्रभारी डॉ वीरेंद्र कुमार पासवान ने बताया कि, मामले की जांच प्राचार्य स्तर पर कराई जा रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी। इसके साथ ही यूनिवर्सिटी स्तर पर भी एक कमेटी बनाई गई है। घटना से नाराज पुटा की कार्यकारिणी की बैठक सोमवार को होगी। इसमें शिक्षक के साथ हुए दुर्व्यवहार पर चर्चा होगी। इसके बाद शिक्षकों का प्रतिनिधिमंडल कुलपति से मुलाकात करेगा।

पटना नगर निगम की सशक्त स्थायी समिति की बैठक, नए सिरे से होगा टैक्स एसेसमेंट और रेवन्यू कलेक्शन

पटना। पटना नगर निगम की 20वीं सशक्त स्थायी समिति की बैठक कल होगी। इस बैठक में निगम क्षेत्र के अंतर्गत भवनों के नए सिरे से टैक्स एसेसमेंट और रेवन्यू कलेक्शन के लिए एक नई एजेंसी का चयन किया जाएगा। इसके अलावा शहर में शौचालयों के बेहतर संचालन और रखरखाव को लेकर एक ठोस नीतिगत फैसला लिया जाएगा। पिछली बैठकों में स्वीकृत मॉडल शौचालयों के निर्माण की प्रगति रिपोर्ट भी पेश की जाएगी। विशेष रूप से साल 2025 के चैती और कार्तिक छठ महापर्व के दौरान विभिन्न घाटों पर कराए गए कार्यों की प्रशासनिक स्वीकृति दी जाएगी। बांकीपुर अंचल के विभिन्न घाटों जैसे काली घाट, कदम घाट, मिश्री घाट और पथरी घाट पर बालू भराई, रेलिंग पेंटिंग और पहुंच पथ की मरम्मत जैसे कार्यों पर भी चर्चा होगी। कल 1 बजे मेयर के चेम्बर में आयोजित बैठक में सभी विषयों पर चर्चा होगी। शहर के विभिन्न वार्डों में नई बोरिंग और पाइपलाइन विस्तार पर बड़ा फैसला होने की उम्मीद है। वार्ड संख्या 1, 7, 22, 25, 26, 29, 42, 43, 46, 49, 52, 61 और 72 जैसे क्षेत्रों में उच्च प्रवाह वाले बोरिंग लगाने और पेयजल आपूर्ति के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रस्ताव कार्यसूची में शामिल हैं। इसके अलावे कई मोहल्लों में नई सड़कों और आरसीसी नालों के निर्माण की योजना भी तैयार है।

मैट्रिक परीक्षा, दूसरी पाली में हुआ इंग्लिश का एग्जाम, पटना में सेंटर से बाहर निकले छात्रों में झगड़ा-मारपीट

पटना। बिहार बोर्ड मैट्रिक परीक्षा में आज दोनों पालियों में इंग्लिश का पेपर हुआ। दोपहर 2 बजे से प्रदेश के 1699 सेंटर्स पर दूसरी पाली की परीक्षा शुरू हुई, जो शाम 5:15 बजे तक चली। वहीं, दूसरी पाली में पटना के मिलर हाई स्कूल में परीक्षा देने के बाद मैट्रिक के छात्र बाहर निकले। वो आपस में ही झगड़ा और मारपीट करने लगे। कुछ देर बाद वहां से निकल गए। इससे पहले आज सुबह पहली पाली की परीक्षा सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:45 बजे तक हुई। प्रशासन ने सभी परीक्षार्थियों को परीक्षा शुरू होने से कम से कम एक घंटा पहले केंद्र पर पहुंचने का निर्देश दिया है। इस साल 15 लाख से ज्यादा बच्चे बोर्ड 10वीं के एग्जाम दे रहे हैं। अबतक 5 पेपर्स हो चुके हैं। 25 फरवरी को परीक्षा खत्म होगी। बोर्ड की ओर से शांतिपूर्ण परीक्षा कराने को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। इस वर्ष मैट्रिक परीक्षा में करीब 15.12 लाख परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं। इनमें छात्राओं की संख्या छात्रों से अधिक है। पहली पाली में लगभग 7.58 लाख और दूसरी पाली में करीब 7.54 लाख परीक्षार्थी परीक्षा दे रहे हैं। परीक्षा के दौरान कदाचार पर सख्ती बरती जा रही है। अब तक चार दिनों में कुल 22 परीक्षार्थियों को निष्कासित किया जा चुका है। पहले दिन 5, दूसरे दिन 6, तीसरे दिन 5 और चौथे दिन 6, पांचवे दिन 5 परीक्षार्थियों को विभिन्न जिलों से निष्कासित किया गया।

बिहटा में ट्रैक्टर ड्राइवर ने पुलिस-परिजनों को कुचलने की कोशिश, हादसे की जांच के दौरान किया हमला

पटना। पटना के बिहटा में रविवार देर रात नशे में धुत ट्रैक्टर चालक ने ट्रैफिक पुलिस टीम और मृतक के परिजनों को कुचलने का प्रयास किया। घटना बिहटा थाना क्षेत्र के आनंदपुर गांव के पास की है। इस दौरान एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान मनेर थाना क्षेत्र के माधोपुर निवासी राजकुमार राय के रूप में हुई है। वहीं गिरफ्तार चालक आनंदपुर गांव निवासी बैधनाथ राय का पुत्र रामायण कुमार बताया जा रहा है। पुलिस ने आरोपी को पीछा कर दबोच लिया और ट्रैक्टर भी जब्त कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार, करीब एक सप्ताह पहले आनंदपुर गांव के पास सड़क दुर्घटना में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई थी। उसी मामले के सत्यापन के लिए ट्रैफिक पुलिस टीम मृतकों के परिजनों के साथ घटनास्थल पर जांच कर रही थी। इसी दौरान बिहटा से मनेर की ओर जा रहा ट्रैक्टर अचानक मौके पर पहुंचा। आरोप है कि चालक नशे में था और उसने वहां मौजूद पुलिसकर्मियों, मृतक के परिजनों और स्थानीय लोगों को रौंदने का प्रयास किया। लोग किसी तरह सड़क किनारे कूदकर अपनी जान बचाने में सफल रहे, लेकिन राजकुमार राय ट्रैक्टर की चपेट में आ गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल को तुरंत बिहटा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना के बाद कुछ देर के लिए इलाके में अफरातफरी की स्थिति बन गई थी। सूचना मिलते ही अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित किया। बिहटा थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि शराब के नशे में धुत चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। ट्रैक्टर को भी जब्त किया गया है। घायल और पुलिस की ओर से दिए गए लिखित आवेदन के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पटना में रिसेप्शन पार्टी में दो भाइयों को गोलियों से भूना

पटना में 10 बदमाशों ने घेरकर की 24 राउंड फायरिंग, 40 साल पुराना विवाद

एजेंसी, पटना

पटना के गोपालपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर में रविवार रात जमीन विवाद में दो सगे भाइयों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। करीब एक दर्जन हथियारबंद बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर वारदात को अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार, एक शादी के रिसेप्शन पार्टी में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। इसी दौरान अचानक फायरिंग शुरू हो गई, जिससे मौके पर अफरातफरी मच गई। दोनों भाइयों को सिर, सीने और शरीर के ऊपरी हिस्से में 5-6 गोलियां मारी गईं। गोली लगने से एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे ने हॉस्पिटल में दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान मनीष कुमार और उसके छोटे भाई मंजीत के रूप में हुई है। दोनों गोपालपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर के निवासी थे। घटना के बाद परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है।

पार्टी में विवाद बढ़ने पर की फायरिंग: प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, रात करीब 9 बजे दोनों भाई गांव के ही दौलत राय के बेटे विक्की की रिसेप्शन पार्टी में शामिल होने गए थे। खेत में पंडाल लगाकर भोज का आयोजन किया गया था,

जहां बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। भोज के दौरान अचानक 10-12 हमलावरों आ धमके और उन्हें घेर लिया। इसके बाद किसी बात को लेकर विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने हथियार निकालकर ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं। घटना के दौरान 24 राउंड से अधिक फायरिंग हुई। इससे समारोह स्थल पर भगदड़ मच गई और आरोपी मौके से फरार हो गए। दोनों भाईयों के सिर और सीने में गोली मारी गई। मनीष की मौके पर ही मौत हो गई थी। गंभीर रूप से घायल मंजीत को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी भी मौत हो गई। परिवार के अनुसार, मनीष और मंजीत पर पहले भी हमला हो चुका था। मारपीट और जान से मारने की धमकी दी गई थी। कोर्ट परिसर में भी विवाद हुआ था। परिवार का आरोप है कि लगातार शिकायत के बावजूद सुरक्षा नहीं मिली। पुलिस ने कार्रवाई नहीं की।

40 साल से चल रहा था जमीन का विवाद: यह घटना 6 बीघा जमीन के विवाद से जुड़ी बताई जा रही है। मनीष के पिता राजकिशोर राय उर्फ राजू राय और उनके गोतिया कृष्णा राय के बीच छह बीघा पुश्तैनी जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। मामला करीब 40 साल से कोर्ट में था। पांच माह पहले कोर्ट का फैसला राजकिशोर राय के पक्ष में आया था। ग्रामीणों के अनुसार इसी रंजिश में हत्या की गई। गोली मारने का आरोप कृष्णा राय के बेटों और उनके सहयोगियों पर है। घटना की सूचना मिलते ही गोपालपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर संदिग्धों की पहचान करने में जुटी है। गोपालपुर थाना प्रभारी अमित कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि, 'पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। इलाके में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।'

'राज्यसभा की 4 सीटें एनडीए को मिलेंगी'

एजेंसी, पटना

- पटना में रामदास अठावले बोले-पांचवीं सीट पर स्थिति के अनुसार फैसला
- महाबोधि मंदिर ट्रस्ट को लेकर मांग दोहराई

केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास अठावले ने सोमवार को पटना के विद्यापति भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कई अहम मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने बोधगया स्थित महाबोधि मंदिर के ट्रस्ट में बौद्ध प्रतिनिधियों को शामिल करने की मांग दोहराई। अठावले ने कहा कि, 'हाल ही में वह बोधगया जाकर महाबोधि मंदिर में दर्शन किया। मंदिर का संचालन करने वाले ट्रस्ट में बौद्ध समुदाय के प्रतिनिधि होने चाहिए। दूसरे धर्म के लोगों को ट्रस्ट में शामिल नहीं किया जाना चाहिए।' अठावले ने तर्क दिया कि 'यदि हिंदू मंदिरों के ट्रस्ट का नेतृत्व हिंदू करते हैं तो बौद्ध मंदिरों के ट्रस्ट का नेतृत्व भी बौद्ध समुदाय के हाथ में होना चाहिए।'

बिहार में 5 सीटों पर होने वाले राज्यसभा चुनाव को लेकर उन्होंने NDA को कम से कम 4 सीटें मिलने का दावा किया है, जबकि पांचवीं सीट पर स्थिति के अनुसार फैसले की बात कही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्यसभा चुनाव विधायकों के वोट से होता है। इसलिए विपक्ष से किसी विशेष बातचीत की जरूरत नहीं है। महाराष्ट्र में 7 मार्च को होने वाले राज्यसभा चुनाव पर बोलते हुए अठावले ने दावा किया कि महायुति (NDA) को 7 में से 6 सीटें मिलेंगी। अठावले के मुताबिक, 7 में से 4 सीटें भाजपा के खाते में जाएंगी, जबकि एक-एक सीट एकनाथ शिंदे गुट और अजित दादा पवार की एनसीपी को मिल सकती है। उन्होंने भरोसा जताया कि उनका कार्यकाल अप्रैल में समाप्त हो रहा है और उन्हें एक बार फिर राज्यसभा भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि 2014 से वह भाजपा के सहयोगी हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह के साथ उनके अच्छे संबंध हैं।

पटना में दफादार-चौकीदार पर लाठीचार्ज, एक का सिर फटा

एजेंसी, पटना

पटना में सोमवार को दफादार और चौकीदारों ने अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। विभिन्न जिलों से सैकड़ों की संख्या में दफादार-चौकीदार गांधी मैदान के पास जेपी गोलंबर पहुंचे। दोपहर बाद प्रदर्शन उग्र हो गया। प्रदर्शनकारियों ने जेपी गोलंबर पर लगाई गई बैरिकेडिंग तोड़कर डाकबंगला चौराहा की ओर बढ़ने लगे। यहां पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का मुक्की हुई। इसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज कर सबको खदेड़ दिया। लाठीचार्ज के दौरान अफरा-तफरी मच गई। इससे आरा से आए चौकीदार प्रभु के सिर में चोट लग गई। उनको इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि मानदेय बढ़ाने, सेवा शर्तों में सुधार और कई लंबित मांगें हैं, जिसे सरकार नहीं मान रही है। हम अपनी मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। प्रदर्शनकारी गांधी

मैदान से डाकबंगला चौराहे की ओर बढ़े तो डाकबंगला चौराहे पर भारी संख्या में पुलिस बल, दंगा नियंत्रण वाहन और अतिरिक्त जवान तैनात किए गए। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया और उन्हें आगे बढ़ने से रोका। इस दौरान हल्की धक्का-मुक्की भी हुई। इसके बावजूद प्रदर्शनकारी नहीं रुके तो पुलिस की ओर से लाठीचार्ज किया गया। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि हम लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर सरकार का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

आईपीएस सुनील नायक को राहत, कोर्ट ने नहीं दी ट्रांजिट रिमांड, बिना वारंट गिरफ्तार करने पहुंची आंध्र पुलिस

एजेंसी, पटना

IPS एम. सुनील नायक को पटना सिविल कोर्ट से राहत मिली है। कोर्ट ने आंध्र प्रदेश पुलिस की ट्रांजिट रिमांड को खारिज कर दिया है। आंध्र पुलिस के पास ना गिरफ्तारी का वारंट था, न अपडेट केस डायरी। जिसके चलते कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जाहिर की और सीधे रिमांड को रिफ्यूज कर दिया। साथ ही साथ जो पुलिस अफसर बिना वर्दी कोर्ट पहुंचे थे, उन्हें कोर्ट ने बैठा लिया गया, इनमें आंध्र पुलिस के तीन कर्मी भी शामिल हैं। ACJM 12 के कोर्ट में मामले की सुनवाई हुई। IG सुनील कुमार नायक पटना सिविल कोर्ट से निकल चुके हैं। गेट के बाहर पुलिसकर्मियों ने उनका स्वागत किया। IPS एम. सुनील नायक बिहार होम होमगार्ड एंड फायर सर्विसेज में IG हैं। IG सुनील कुमार नायक के खिलाफ IPC की धारा 307 (हत्या के प्रयास) के तहत मामला दर्ज है। यह मामला आंध्र प्रदेश के नरसापुरम से पूर्व सांसद के रघुराम कृष्णा राजू से जुड़ा है।

आंध्र प्रदेश पुलिस ने नियम का पालन नहीं किया: SP: सेंट्रल एसपी भानु प्रताप ने बताया, 'आंध्र प्रदेश की पुलिस बिना वारंट गिरफ्तार करने पहुंची थी। इसके बावजूद भी पटना पुलिस ने विनम्रता के साथ सहयोग किया। कोर्ट में जब लाया गया तो कोर्ट ने आंध्र प्रदेश की पुलिस की अर्जी खारिज कर दी। यानी ट्रांजिट रिमांड को रिफ्यूज कर दिया। फिलहाल इसमें क्या हो सकता है, इसके बारे में विचार विमर्श किया जा रहा है।' IPS एम सुनील नायक के अधिवक्ता अमित श्रीवास्तव ने बताया कि आंध्र प्रदेश की पुलिस ने नियम को ताक पर रखकर कार्रवाई की है। गिरफ्तार करने पहुंची पुलिस ने दीवार फांदकर घर में घुसी थी। इसके खिलाफ हम लोग कोर्ट जाएंगे। अगले 30 दिन तक आंध्र पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर सकती है, कोर्ट ने यह आदेश जारी किया है।

पूरा मामला साल 2021 का है, जब सुनील कुमार नायक केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर आंध्र प्रदेश में CID में तैनात थे। उस वक्त तेलुगू देशम पार्टी (TDP) के रघुरमा कृष्ण राजू आंध्र प्रदेश के नरसापुरम

- आईजी पर पूर्व सांसद की हत्या के प्रयास का केस

से सांसद थे। उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी और उनकी पार्टी YSR कांग्रेस पार्टी (YSRCP) के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणियां की थीं। इसके बाद पूर्व सांसद के खिलाफ मामला दर्ज किया गया और CID की टीम हैदराबाद पहुंचकर उन्हें उनके आवास से गिरफ्तार कर गुंटूर स्थित CID कार्यालय ले गई। पूर्व सांसद का आरोप है कि हिरासत के दौरान उनके साथ बेरहमी से मारपीट की गई और सरकार के इशारे पर उन्हें जान से मारने की साजिश रची गई। उन्होंने दावा किया कि यह महज कानूनी कार्रवाई नहीं, बल्कि सियासी रंजिश निकालने का तरीका था। के रघुराम कृष्णा राजू वर्तमान में आंध्र प्रदेश विधानसभा में डिप्टी स्पीकर हैं।

अज्ञात गाड़ी-एंबुलेंस की टक्कर 2 की मौत, तीन की हालत गंभीर

- पटना से पूर्णिया लौटते समय अथमलगोला में हुआ हादसा

एजेंसी, पटना

पटना के बाढ़ अनुमंडल के अथमलगोला थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। बख्तियारपुर-मोकामा फोरलेन पर जगन्नाथ पेट्रोल पंप के पास करीब दो बजे एक अज्ञात बड़े वाहन ने एंबुलेंस को टक्कर मार दी। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों की पहचान पूर्णिया निवासी अंजुम खातून और किशनगंज निवासी एंबुलेंस चालक राजकिशोर सिंह के रूप में हुई है। गंभीर रूप से घायल दो लोगों को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया है, जबकि एक घायल का इलाज अथमलगोला पीएचसी में चल रहा है।

पटना से पूर्णिया लौट रही थी एंबुलेंस: पुलिस के अनुसार, एंबुलेंस पटना से पूर्णिया जा रही थी। अंजुम खातून पटना में अपने किसी परिजन के पैर का प्लास्टर खुलवाने गई थीं और प्लास्टर कटवाने के बाद पूर्णिया लौट रही थीं। इसी दौरान एक अज्ञात बड़े वाहन ने उसे टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एंबुलेंस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हैरानी की बात यह है कि जिस मरीज को एंबुलेंस में ले

जाया जा रहा था, वह सुरक्षित बच गया, जबकि अंजुम खातून और ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई।

घायलों को पटना रेफर किया: हादसे में घायल तीन लोगों में से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया है, जबकि एक घायल का इलाज अथमलगोला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस: सूचना मिलते ही अथमलगोला थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि अज्ञात वाहन की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और मामले की जांच जारी है।देर रात हुए इस हादसे के बाद इलाके में शोक का माहौल है।

खसरे का प्रकोप, 2 गांव में 32 मरीज मिले, पटना में रोज मिल रहे नए केस

एजेंसी, पटना

बाढ़ अनुमंडल के पछीयारी मलाही और सिकंदरा गांव में खसरे का प्रकोप सामने आया है। दोनों गांवों में अब तक कुल 32 मरीज चिन्हित किए गए हैं। इनमें से पछीयारी मलाही में 19 और सिकंदरा में 13 मरीज मिले। स्वास्थ्य विभाग दो या उससे अधिक मामलों को प्रकोप की श्रेणी में मानता है। शुरुआत में संदिग्ध पांच मरीजों के सैंपल जांच के लिए पटना भेजे गए थे, जिनमें से चार पॉजिटिव पाए गए। इब्राहिमपुर पंचायत के पछीयारी मलाही वार्ड नंबर 9 में 8 और नयाटोला सलेमपुर वार्ड नंबर 12 में 4 मामले पहले भी सामने आए थे। क्षेत्र में अभी प्रतिदिन नए मरीज मिल रहे हैं, जिससे स्वास्थ्य विभाग सतर्क है।

WHO की टीम 28 दिन तक करेगी कैंप: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की टीम प्रभावित इलाकों में कई दिनों से लगातार कैंप कर रही है। डॉक्टरों की टीम घर-घर जाकर लोगों को टीकाकरण के प्रति जागरूक कर रही है। हर घर

- चार सैंपल पॉजिटिव, टीम 28 दिन करेगी कैंप

में टीकाकरण की स्थिति की जांच कर रही है। WHO की टीम अगले 28 दिनों तक इन क्षेत्रों में कैंप करना जारी रखेगी।

अभी टीकाकरण विफलता नहीं कह सकते- जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी: जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. अवधेश कुमार ने बताया कि, 'खसरे के इस प्रकोप को अभी टीकाकरण की विफलता नहीं कहा जा सकता।' उन्होंने कहा कि 'इस क्षेत्र में अचानक खसरे के फैलने के कारणों पर शोध के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा। ग्रामीणों को अपने बच्चों को समय पर खसरे का टीका लगवाने की सलाह दी जा रही है।' बच्चों में टीकाकरण अभियान की कमान राणाबीघा पीएचसी और आंगनवाड़ी की आशा कार्यकर्ताओं के पास होती है। क्षेत्र में खसरे का प्रकोप सरकार के दिसंबर 2026 तक भारत से खसरा मुक्ति अभियान के लिए एक चुनौती है। इस स्थिति में सरकार को एक बार फिर खसरा टीकाकरण अभियान को तेजी से चलाना होगा।

पटना यूनिवर्सिटी के कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया स्थगित

एजेंसी, पटना

- 5 सूत्री मांगों को लेकर कुलपति से मिले, छात्रसंघ चुनाव तक रुकने को कहा गया

पटना यूनिवर्सिटी के कर्मचारियों ने अपनी मांगें नहीं पूरी होने पर नाराजगी जाहिर करते हुए आज विश्वासघात दिवस मनाया है। कर्मचारियों को आशा थी कि मांगें पूरी की जाएंगी, लेकिन दो साल पुराना एसीपी-एमएसीपी के मामलों का निपटारा किया गया। वेतन निर्धारण में जितना वेतन मिल रहा था, उससे भी कम कर वेतन निर्धारित किया गया है। मगर मांगों को पूरा करने का आश्वासन देने के बाद भी विश्वविद्यालय प्रशासन मुकर गया है। कुल 5 सूत्री मांगों को लेकर वो लोग आज प्रदर्शन भी करने वाले थे, लेकिन कुलपति से मुलाकात के बाद उन्होंने फिलहाल अपने प्रदर्शन को स्थगित कर दिया है।

योग्य कर्मचारी को पदभार दिया जाए: कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुबोध कुमार ने कहा कि दिसम्बर 2024 में राज्यपाल के साथ तत्कालीन कुलपति के सामने बात हुई थी। उस समझौता पर आजतक अमल नहीं किया गया। पिछले साल मई में हमलोगों ने प्रदर्शन किया और उस वक्त हमें आश्वासन दिया गया जो आजतक पूरा नहीं हुआ। हमारी मुख्य मांगे पदोन्नती है। वहीं, योग्य कर्मचारी को पदभार दिया जाए। कितने लोग तो पदोन्नती की आशा में रिटायर कर जा रहे हैं। मृत कर्मियों के आश्रितों को अनुकंपा पर नियुक्ति नहीं मिली है। एक व्यक्ति एक पद के संबंध में शिक्षा विभाग और राजभवन द्वारा निर्गत पत्रों का अनुपालन नहीं हुआ है।

कुलपति ने छात्र संघ चुनाव तक रुकने को कहा: इससे कुल 500 कर्मचारी प्रभावित हैं। 2 साल से कर्माचारियों द्वारा दिया गया प्रतिवेदन अभी देखा तक नहीं गया है। कुलपति ने बातचीत के लिए बुलाया है और हमारी बात हुई है। उन्होंने कहा कि अभी छात्र संघ का चुनाव है, उसमें अभी पूरा प्रशासन काफी व्यस्त है। आए दिन कई घटनाएं भी हो रही हैं। इसलिए कुलपति ने हमसे चुनाव के बाद तक का समय मांगा है। अब हमलोग सभी कर्मचारी बैठक करके ये निर्णय लेंगे कि प्रदर्शन की तिथि कब की निर्धारित की जाए।

संक्षिप्त समाचार

रेवाड़ी में यूपी के कंपनी कर्मी ने फंदा लगाकर दी जान

लोकतंत्र की शान : रेवाड़ी। रेवाड़ी के गांव मालपुरा में कंपनी कर्मी ने अपने कमरे में फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली। सोमवार सुबह उसका शव फंदे पर लटका मिला। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के जिला इटावा निवासी गौतम के रूप में हुई है। सूचना मिलने के बाद धारूहेड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। कमरे के अंदर गाने बज रहे थे और युवक का शव फंदे से लटका हुआ था। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था, जिसे पुलिस ने खिड़की तोड़कर खोला और शव को बाहर निकाला। पुलिस जांच में जुटी हुई है। पुलिस के अनुसार, उत्तर प्रदेश के जिला इटावा निवासी मृतक गौतम रेवाड़ी के गांव मालपुरा में एक अन्य युवक के साथ किराए पर रहता था। उसका रूममेट रविवार को एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए बाहर गया हुआ था। रात को गौतम कमरे में अकेला था। इसी दौरान उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सोमवार सुबह जब वह देर तक बाहर नहीं आया, तो पड़ोसियों ने खिड़की से झांककर देखा, जहां उसका शव फंदे पर लटका मिला। बताया जा रहा है कि गौतम पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से परेशान था। आशंका है कि इसी तनाव के चलते उसने यह कदम उठाया। पुलिस का कहना है कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दे दी गई है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल में भिजवा दिया है। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी हुई है।

हिसारः बस व ट्रक की टक्कर में एक की मौत, एक दर्जन से अधिक घायल

नेशनल हाइवे पर मुंढाल फ्लाइओवर के पास हुआ हादसा

लोकतंत्र की शान : हिसार। हांसी शहर में नेशनल हाईवे पर हुए सड़क हादसे में भिवानी से जींद जा रही हरियाणा रोडवेज बस की एक ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में ट्रक ड्राइवर की मौत हो गई, जबकि बस में सवार 13 यात्री घायल हो गए। घायलों में बास खुर्द निवासी राहुल, जींद के बीबीपुर निवासी प्रदीप, गांव बादशाहपुर का सतबीर, बीबीपुर जींद निवासी विक्रम, जींद के विकास नगर निवासी सुरेंद्र, भकलाना निवासी जिले सिंह, भकलाना निवासी पालेराम, मंगल, सिवानी बोलान निवासी जयप्रकाश, एमपी के रहने वाला रामगोपाल, पत्नी कुसुम और बेटी चाहत और धर्मखेड़ी निवासी मोहित शामिल हैं। घायलों को हांसी के नागरिक अस्पताल और अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि हादसा रविवार रात को हुआ। भिवानी से जींद के लिए रवाना हुई रोडवेज बस मुंढाल फ्लाईओवर से लगभग दो किलोमीटर आगे पहुंची थी। तभी सामने से आ रहे एक ट्रक से उसकी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई और कई लोग चोटिल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और राहगीर तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को एंबुलेंस और निजी वाहनों की मदद से सामान्य अस्पताल हांसी पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद, गंभीर रूप से घायल कुछ यात्रियों को अग्रोहा मेडिकल कॉलेज और महम अस्पताल रेफर किया गया है। फिलहाल, हादसे में घायल लोगों की सटीक संख्या की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

हिसार : चाकू से गोदकर प्रॉपर्टी डीलर की हत्या

लोकतंत्र की शान : हिसार। शहर के दिल्ली रोड पर एक प्रॉपर्टी डीलर की हत्या कर दी गई। लगभग 60 वर्षीय कलम सिंह ने दिल्ली रोड पर हो रही मारपीट को रोकने का प्रयास किया था। इससे गुस्साए नशे में धुत हमलावरों ने उन पर चाकू से हमला कर दिया। घटना रविवार देर रात को हुई। बताया जा रहा है कि शहर के दिल्ली रोड से 9-11 सेक्टर की ओर जाने वाली सड़क पर तीन युवक एक अन्य व्यक्ति की पिटाई कर रहे थे। तभी प्रॉपर्टी डीलर कलम सिंह वहां पहुंचे और बीच-बचाव करने लगे। आरोप है कि हमलावर नशे की हालत में थे और उन्होंने उस युवक को छोड़कर कलम सिंह पर ही तेजधार हथियार से हमला कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावरों ने कलम सिंह के गले और सीने पर कई वार किए। इस अचानक हमले से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। लोगों की भीड़ जुटने पर दो आरोपी बुलेट मोटरसाइकिल पर सवार होकर फरार हो गए। घायल कलम सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। राहगीर उसे तुरंत एक निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि हमलावर मच्छी मार्केट क्षेत्र से नशे की हालत में 9-11 सेक्टर की ओर आए थे। लाडवा निवासी कलम सिंह, जो पास में ही अमन प्रॉपर्टी डीलर नाम से रियल एस्टेट कार्यालय चलाते थे, मारपीट देखकर बीच-बचाव करने पहुंचे थे। मृतक कलम सिंह मूल रूप से लाडवा के रहने वाले थे और वर्तमान में हिसार की दयानंद कॉलोनी में रह रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही अर्बन स्टेट थाना पुलिस और सीआईए टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल के पास से एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया है और उससे पूछताछ जारी है। पुलिस इस मामले में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास में लगी है।

शेयर बाजार में निवेश के नाम पर 50 लाख का फ्रॉड : पिता- पुत्र पर आरोप, केस दर्ज

लोकतंत्र की शान : जोधपुर। शहर के कालका माताजी मंदिर के सामने मदेरणा कॉलोनी में रहने वाले एक युवक को शेयर बाजार में अच्छा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर 50 लाख का फ्राड कर लिया गया। पीड़ित ने कोर्ट में इस्तगासे के माध्यम से अब माता का थान पुलिस थाने में रिपोर्ट दी है। इसमें पिता पुत्र को नामजद किया गया है। पुलिस उसके बयान के बाद अब अग्रिम पड़ताल आरंभ करेगी। माता का थान पुलिस ने बताया कि मदेरणा कॉलोनी स्थित कालका माताजी मंदिर के सामने रहने वाले करण सिंह पुत्र प्रेमासिंह की तरफ से कोर्ट में इस्तगासे के जरिए केस दर्ज कराया गया है। इसमें बताया कि वह वर्ष 2022 में रामगोपाल के संपर्क में आया था। जिसने शेयर बाजार में निवेश से अच्छा मुनाफा कमाने के बारे में जानकारी दी। बाद में इसकी बातों में आकर पहले दस हजार, फिर बीस हजार इस तरह रूपए देने लगा। वर्ष 2025 तक आते आते वह 50 लाख रूपए उसे दे दिए गए। मगर ना तो मुनाफा दिया गया और ना ही रकम को वापिस लौटाया गया। वह रकम लौटाने में भी आनाकानी करने लगा। इसमें रामगोपाल के पिता भी शामिल है। दोनों ने मिलकर उसे फ्रॉड का शिकार बनाकर रकम ऐंठ ली। पुलिस ने बताया कि केस दर्ज किया गया है। अग्रिम जांच की जा रही है।

निजी बैंक एटीएम में चोरी के लिए घुसा युवक : दुकानदार की सजगता से पकड़ा गया

लोकतंत्र की शान : जोधपुर। शहर के निकट बोरानाडा स्थित नारनाडी में एक निजी बैंक के एटीएम में चोरी का प्रयास किया गया। पड़ोस में एक दुकानदार की सजगता से चोरी बच गई। त्वरित मौका स्थल पर पहुंचे शाखा प्रबंधक ने एटीएम का शटर बंद कर युवक को पकड़ा और फिर पुलिस के हवाले कर दिया गया। घटना को लेकर बोरानाडा थाने में शाखा प्रबंधक की तरफ से रिपोर्ट दी गई। बोरानाडा पुलिस ने बताया कि सरदारपुरा में रहने वाले आईडीबीआई बैंक नारनाडी शाखा प्रबंधक विकास शर्मा की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि नारनाडी एचपी पेट्रोल पंप के सामने बैंक और उसका एटीएम है। बाहर दुकाननुमा एटीएम संचालित हो रहा है। सोमवार को इस एटीएम में युवक घुस गया और काफी देर तक अंदर रहा। इस बीच पड़ौस में एक दुकानदार द्वारा सूचना दी गई कि एटीएम में अज्ञात शख्स घुसा हुआ और काफी देर हो गई है। बाद में शाखा प्रबंधक विकास कुमार वहां पहुंचे और शटर का नीचे कर दिया गया। पुलिस को सूचना दी गई। युवक को पुलिस के हवाले किया गया। रिपोर्ट के अनुसार युवक ने एटीएम में लगे कैमरों पर कोई सामग्री से चिपका दिया। हालांकि वह सैंध में सफल नहीं हो पाया है। ना ही एटीएम मशीन से छेड़छाड़ कर पाया। बोरानाडा पुलिस ने युवक को शांतिभंग में पकड़ा है।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को जीवन पर्यन्त तक कठोर सश्रम कारावास की सजा 25हजार का अर्थदण्ड

लोकतंत्र की शान

सीधी। नाबालिग के साथ आ प्रमाणित होने पर विद्वान न्यायाधीश ने आरोपी को जीवन पर्यन्त तक लिए कठोर कारावास की सजा और पच्चीस हजार रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित करने का फैसला सुनाया है। जिला अभियोजन अधिकारी के कार्यालय से जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि दिनांक 16.08.2023 को समय करीबन दोपहर करीबन 12:00 बजे अभियोक्त्री घर पर नहीं थी तो अभियोक्त्री को घर में चारो तरफ ढूँढा गया लेकिन अभियोक्त्री कही नहीं मिली तो अभियोक्त्री की माँ अभियोक्त्री को ढूँढने के लिए बगीचे के तरफ जाने लगी तो रास्ते में उसकी ननद मिली और बतायी कि प्रदीप कोल अभियोक्त्री को लेकर बगीचे तरफ गया है। तब वह अभियोक्त्री को ढूढते हुए बगीचे में गई तो वहां पर अभियोक्त्री नहीं मिली फिर उसे ढूँढते हुए बगीचे के और आगे नहर के आगे गई तो देखी कि प्रदीप कोल अपने और उसकी लड़की के कपड़े उतार कर उसके साथ गलत काम कर रहा था। वह दौड़कर चिल्लायी तो उसे देखकर प्रदीप अभियोक्त्री को वहीं पर छोड़कर अपने कपड़े लेकर वहां से भाग गया। अभियोक्त्री से पूछने पर उसने इशारा करते हुए बताया कि वह उसे पैसे देने का कहकर अपने साथ यहां पर लेकर आये है और उसका और अपना कपड़ा उतार कर उसके साथ गलत काम कर रहे थे। इसके बाद अभियोक्त्री की माँ, अभियोक्त्री को कपड़ा पहनाकर घर ले आई थी और पूरी बात अपने पति और रिश्तेदारों को बतायी। अभियोक्त्री के माता पिता के द्वारा घटना के संबंध में थाना रामपुर नैकिन में प्रथम सूचना रिपोर्ट लेखबद्ध कराई जिस पर अपराध क्रमांक 782/2023 अंतर्गत धारा 363, 376(ए)(बी) भा.दं.सं. एवं लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 की धारा 5(एम)/6 पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना में लिया गया। एवं संपूर्ण विवेचना पश्चात् अभियोग पत्र तैयार कर माननीय विशेष न्यायालय, पॉक्सो एक्ट सीधी में प्रस्तुत किया गया, जिसके न्यायालयीन विशेष सत्र प्रकरण क्रमांक एससी/31/2023 में सहायक निदेशक, अभियोजन श्री राजकुमार रावत के कुशल निर्देशन में शासन की ओर से सशक्त पैरवी करते हुए सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी श्री प्रशान्त कुमार पाण्डेय के द्वारा अभियुक्त को संदेह से परे प्रमाणित कराया गया। परिणामस्वरूप माननीय विशेष न्यायाधीश, पॉक्सो एक्ट, सीधी की न्यायालय के द्वारा अभियुक्त प्रदीप कोल तनय भगवानदीन कोल, उम्र-22 वर्ष, निवासी ग्राम-बरहाटोला, चौकी पिपरांव, थाना रामपुर नैकिन, जिला सीधी (म.प्र.) को धारा 363 भादवि के आरोप में 07 वर्ष के कठोर कारावास एवं 5,000/- रूपए अर्थदण्ड तथा धारा 5(एम)/6 पॉक्सो एक्ट में आजीवन कारावास, जिसका अभिप्राय आरोपी के शेष प्राकृत जीवनकाल के लिये कारावास होगा, एवं 20,000/- रूपए अर्थदण्ड से दंडित किया गया। अर्थदण्ड की धनराशि रूपये 25,000/- रूपये (पच्चीस हजार रूपये मात्र) अभियोक्त्री को धारा 357(1)(बी) द.प्रं.सं. के प्रावधानों के अनुसार अपील अवधि पश्चात् अपील न होने की स्थिति में अभियोक्त्री को क्षतिपूर्ति के रूप में प्रदान किये जाने का आदेश जारी किया गया।

गांजा तस्करी के आरोप में मोटरसाइकिल सवार गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

सीधी। पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अमन मिश्रा के मार्गदर्शन में अभियान प्रहार 2.0 के तहत जमोड़ी पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर लगाम कसते हुए सफलता हासिल की है। थाना प्रभारी जमोड़ी उनि दिव्य प्रकाश त्रिपाठी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घेराबंदी कर अवैध गांजा परिवहन कर रहे आरोपी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस के द्वारा मिली जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी जमोड़ी को मुखबिर के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम छिरौही निवासी राजलाल कोल अपनी मोटरसाइकिल से अवैध गांजा लेकर बिक्री हेतु गाड़ा खोह की ओर से आ रहा है। सूचना की तस्दीक हेतु पुलिस टीम ने बिना समय गवाए ग्राम छिरौही के रास्ते पर मोर्चा संभाला। कुछ ही देर में संदेही मोटरसाइकिल से आता दिखाई दियाए जिसे रोककर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से एक सफेद बोरी में 1 किलो 500 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ, जिसकी बाजार में कीमत लगभग 22,500 रुपये है। पुलिस ने मादक पदार्थ के साथ तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल कीमत 50,000 रुपये सहित कुल 72,500 रुपये का मशरूका विधिवत जप्त किया। आरोपी राजलाल कोल 33 वर्ष के विरुद्ध धारा 8, 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसे वैधानिक कार्यवाही पूर्ण कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। इस सफल कार्यवाही में थाना प्रभारी जमोड़ी उनि दिव्य प्रकाश त्रिपाठी, सहायक उप निरीक्षक गोविंद लाल साकेत, प्रधान आरक्षक रामखेलावन पनिका, गुरु प्रसन्न सिंह, महिला प्रधान आरक्षक कुसुम कली, आरक्षक सतीश तिवारी, अंकित सिंह, महेंद्र शुक्ला एवं अभिषेक सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

किसानों के भाग्य में तुषारपात ओलावृष्टि से हुई फसलों को भारी छति, क्षतिपूर्ति दिलाने शासन से गुहार

रामबिहारी पाण्डेय ब्यूरो लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले में आज दोपहर अचानक मौसम का मिजाज बदलने से बारिश का दौर करीब एक घंटे तक चला। रामपुर नैकिन और कंधवार सहित आसपास के कुछ गांवों में ओलावृष्टि भी हुई। गनीमत यह रही कि छोटे आकार के गिरे ओलों से ज्यादा क्षति नहीं हुई। यह अवश्य है कि ओलावृष्टि के चलते सरसो की फसल को सर्वाधिक क्षति पहुंची है। सरसो की फलियां टूटकर खेतों में बिखर गईं। जिससे पैदावार में भारी कमी आने की आशंका है। वहीं मटर की फसल भी ओलावृष्टि से प्रभावित बताई गई है। तेज हवाओं और ओलावृष्टि से बालियां जमीन पर गिर गईं। जिससे उनके सडऩे का खतरा भी बन गया है। चने की फसल को भी नुकसानी होने से किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं। तत्संबंध में ओलावृष्टि प्रभावित कुछ किसानों का कहना था कि आज हुई ओलावृष्टि से चना और सरसो के साथ ही कुछ अन्य फसलों को भी क्षति पहुंची है। कुछ स्थानों में तेज हवाओं एवं ओलावृष्टि से आम के पेंड़ों में लगे छोटे फल भी टूटकर नीचे गिर गए। अधिकांश आम के पेंड़ों में इन दिनों बहुतायत में गौर लगे हुए हैं। ओलावृष्टि और तेज हवाओं के चलते इनके गिरने से आम की पैदावार भी संबंधित क्षेत्रों में प्रभावित हुई है। जिले में आज बारिश का दौर लगभग अधिकांश क्षेत्रों में चला। ओलावृष्टि की खबरें अधिकांश क्षेत्रों से नहीं मिली हैं। जिन क्षेत्रों में ओलावृष्टि नहीं हुई वहां के लिए आज हुई बारिश फसलों के लिए काफी अमृतमयी मानी जा रही है। बारिश के चलते किसानों को फिलहाल फसलों की सिंचाई करने से भी मुक्ति मिली है। वहीं मौसम में भी ठंडक आ जाने से फसलों की पैदावार को भी काफी लाभ होगा। आकाश में उमड़ रहे बादलों के चलते बारिश की संभावना आगे भी जताई जा रही है। किसानों की मुश्किलें यह है कि यदि ओलावृष्टि हुई तो उनकी मेहनत पर पानी फिर जाएगा।

खनिज अधिकारी ने दिखाई हिम्मत,भाजपा नेता के अवैध खनिज ठिकानों पर मारा छापा, अवैध उत्खनन परिवहन व भण्डारण का मामला दर्ज

» कलेक्टर के निर्देश पर खनिज विभाग ने की कार्यवाही

रामबिहारी पाण्डेय ब्यूरो लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के रामपुर नैकिन विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत हनुमानगढ़ के सरपंच पति एवं भाजपा नेता नारायण तिवारी समेत अवैध उत्खनन परिवहन एवं भण्डारण करने वालों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। यह कार्यवाही कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देश पर खनिज अधिकारी कपिलमुनि शुक्ला के मार्गदर्शन में की गई है। जानकारी के मुताबिक 22 फरवरी को शिकायतकर्ता विजय द्विवेदी से प्राप्त शिकायत कि जांच करने पहुंची खनिज विभाग की टीम ने ग्राम हनुमानगढ़ तहसील रामपुर नैकिन में ग्राम पंचायत की सरपंच के पति नारायण तिवारी द्वारा अन्य व्यक्तियों के साथ मिलकर निजी पट्टे की भूमियों से खनिज रेत का अवैध उत्खनन एवं परिवहन किया जाना पाया गया है।शिकायत के संबंध में कलेक्टर के निर्देशानुसार राजस्व एवं खनिज अमले द्वारा संयुक्त रूप से प्रश्नाधीन क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ग्राम हनुमानगढ़ के चार पृथक- पृथक स्थानों पर भूमि की ऊपरी परत हटाकर खनिज रेत का अवैध उत्खनन किया जाना पाया गया। निरीक्षण स्थल पर उपस्थित व्यक्तियों से पूछताछ की गई, परंतु किसी भी व्यक्ति द्वारा उक्त अवैध उत्खनन के संबंध में कोई ठोस एवं संतोष जनक जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई। तत्पश्चात शिकायतकर्ता विजय द्विवेदी की सहायता से कुछ व्यक्तियों द्वारा बयान दिए गए। प्राप्त बयानों के आधार पर यह पाया गया कि ग्राम पंचायत हनुमानगढ़ के सरपंच पति नारायण तिवारी, बब्बू चौबे पिता जगन्नाथ चौबे, रामगणेश उर्मलिया पिता भगवानदीन उर्मलिया, शुभम उर्मलिया पिता व्यास उर्मलिया, सानू तिवारी पिता मुन्नी तिवारी एवं प्रज्वल तिवारी पिता संजय तिवारी द्वारा ट्रैक्टर ट्रॉली एवं टाटा-407 के माध्यम से अवैध उत्खनन /परिवहन कर व्यवसाय किया जाता है। उक्त कृत्य के संबंध में संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश अवैध उत्खनन, भंडारण तथा परिवहन नियम 2022 के अंतर्गत अवैध उत्खनन के कुल 4 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं।

कार्यवाही से मचा हड़कंप- हनुमानगढ़ ग्राम पंचायत की सरपंच के पति नारायण तिवारी जो वर्तमान में भाजपा नेता हैं उनके उनके इशारे पर आधा दर्जन लोगों द्वारा बिनी किसी अनुमति के निजी भूमि से रेत का उत्खनन एवं परिवहन धड़ल्ले से किया जा रहा था, जिसकी शिकायत मिलने पर खनिज विभाग द्वारा की गई इस कार्यवाही से हड़कंप मच गया है। सूत्र बताते हैं कि जिन अलग अलग स्थानों से रेत का उत्खनन एवं परिवहन किया जा रहा था उसका स्थल सीमांकन खनिज विभाग द्वारा किया गया है, जल्दी इनके खिलाफ लाखों रुपए का जुर्माना लगाया जा सकता है।

स्कूल से निकले तीन नाबालिग हरिद्वार में मिले, नगर कोतवाली पुलिस ने किया रेस्क्यू

लोकतंत्र की शान

हरिद्वार। नगर कोतवाली पुलिस ने गुरुग्राम हरियाणा से स्कूल जाने के लिए घर से 20 फरवरी को निकले तीन नाबालिगों को रेस्क्यू किया है। तीनों बच्चे घूमने की योजना बनाकर रेल से हरिद्वार पहुंचे। पुलिस ने बच्चों के परिजनों को सूचना दे दी है। ऑपरेशन स्माइल के तहत लगातार पुलिस टीमें रेलवे स्टेशन, हर की पैड़ी व अन्य सार्वजनिक स्थलों पर भ्रमणशील रहकर बिना अभिभावकों के घूमते मिले बच्चों से पूछताछ एवं सत्यापन करती हैं। इसी क्रम में पुलिस टीम हरिद्वार रेलवे स्टेशन पर चेकिंग पर थी। इसी दौरान तीन बालक संदिग्ध अवस्था में लावारिस घूमते मिले। प्रारंभिक पूछताछ में बच्चे संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाए। पुलिस ने बच्चों की काउंसलिंग कर उन्हें बाल गृह ज्वालापुर में दाखिल कराया। पुनः काउंसलिंग के उपरांत बच्चों ने अपना नाम व पता बताया। परिजनों से संपर्क करने पर ज्ञात हुआ कि बच्चे स्कूल के लिए घर से निकले थे। बच्चों के न लौटने पर थाना, गुरुग्राम (हरियाणा) में गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। तीनों बालक कक्षा 6 के छात्र हैं, जो कि हरिओम इंटरनेशनल स्कूल खेड़की के विद्यार्थी हैं। स्कूल की छुट्टी के बाद बिना परिजनों को बताए रेल के माध्यम से हरिद्वार आ गए थे। रेस्क्यू किए गए बालक आर्यन पुत्र रोहित, उम्र 11 वर्ष, दीपक पुत्र मिन्नत राज, उम्र 12 वर्ष व मयंक पुत्र सुनील, उम्र 12 वर्ष, निवासीगण ग्राम खेड़की डोला, गुरुग्राम, हरियाणा बताए गए हैं।

बीकानेर नाबालिग दुष्कर्म-हत्या मामले पर विधानसभा में हंगामा, कांग्रेस का वॉकआउट

लोकतंत्र की शान

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में सोमवार को शून्यकाल के दौरान बीकानेर में नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के मामले को लेकर तीखी नोकझोंक और हंगामा हुआ। आरोप-प्रत्यारोप के बीच कांग्रेस विधायकों ने वॉकआउट कर दिया। शून्यकाल में कांग्रेस विधायक डूंगरराम गेदर ने बीकानेर की घटना को उठाते हुए सरकार से जवाब मांगा। इस पर गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि मामले में पुलिस जांच जारी है। नाबालिग का शव मोर्चरी में रखा गया है और बीकानेर के पुलिस अधीक्षक सहित वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाएगा। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि अपराधियों की गिरफ्तारी कब होगी, यह स्पष्ट किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि सरकार अपराध नियंत्रण पर गंभीरता से काम करती तो ऐसी घटनाएं नहीं होतीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लगातार दुष्कर्म की घटनाएं सामने आ रही हैं। इस पर सरकारी मुख्य सचेतक

जोगेश्वर गर्ग ने नेता प्रतिपक्ष पर मामले में राजनीति करने का आरोप लगाया। जवाब में बेढ़म ने कहा कि एक गंभीर अपराध के मामले में भी राजनीति करना उचित नहीं है और इसे ओछी राजनीति बताया। इस पर टीकाराम जूली ने कहा कि आरोपियों की गिरफ्तारी के बारे में पूछना राजनीति नहीं है।

यातायात व्यवस्था को मजबूत बनाने सक्रिय हुई पुलिस,चार चालकों पर ठोका भारी भरकम जुर्माना

» नशे में ड्राइविंग करने वालों पर सीधी पुलिस का चला प्रहार

» ब्रेथ एनालाइजर से होगी सख्त चेकिंग

लोकतंत्र की शान

सीधी। सडक़ दुर्घटनाओं को रोकने और यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अमन मिश्रा के मार्गदर्शन में सीधी पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में यातायात थाना प्रभारी उप निरीक्षक भूपेश देश के नेतृत्व में शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्यवाही की गई है। यातायात पुलिस द्वारा नशे की हालत में वाहन चलाते पकड़े गए चार चालकों के विरुद्ध 185 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत इस्तगासा तैयार कर न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय द्वारा सभी आरोपियों को दोषी पाते हुए अर्थदंड से दंडित किया गया है जिसमें हाइवा चालक मनोज कुमार वर्मा निवासी भदौही यूपी, वाहन संख्या सीजी 04 क्यूए 9340 पर 10,000 रुपये का जुर्माना। आयसर ट्रक चालक नरेन्द्र यादव निवासी अयोध्या यूपी, वाहन संख्या यूपी 78 एफएन 2498 पर 10,500 रुपये का जुर्माना। मोटरसाइकिल चालक सुजीत साकेत निवासी जमोड़ी सीधी, वाहन संख्या एमपी 53 एमके 8246 पर 10,500 रुपये का जुर्माना। पिकअप चालक अरूणेन्द्र सिंह निवासी सतना, वाहन संख्या एमपी 18 जेडबी 2677 पर 10,500 रुपये का जुर्माना लगाया गया। पुलिस प्रशासन ने आदतन नियम तोडऩे वालों के लिए सख्त रुख अख्तियार किया है। विभागीय चेतावनी जारी की गई है कि जिन वाहन चालकों पर शराब पीकर वाहन चलाने का जुर्माना हो चुका है, यदि वे भविष्य में दोबारा इसी अपराध की पुनरावृत्ति करते पाए जाते हैं तो उनके विरुद्ध केवल अर्थदंड ही नहीं बल्कि उनके ड्राइविंग लाइसेंस को ब्लैक लिस्ट कर निरस्तीकरण की कार्यवाही की जाएगी। ऐसे चालकों का डेटाबेस तैयार किया जा रहा है ताकि उनके द्वारा किए गए अपराधों का रिकॉर्ड ट्रैक किया जा सके। आगामी त्योहारों होली, ईद और नवरात्रि के मद्देनजर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने हेतु जिले के समस्त थानों को ब्रेथ एनालाइजर मशीनें उपलब्ध कराई गई हैं। अब जिले के हर थाना क्षेत्र में पुलिस बल इस मशीन के माध्यम से वाहन चालकों की जांच करेगा। यदि कोई भी चालक नशे की हालत में पाया जाता है तो उसके विरुद्ध तत्काल मौके पर कार्यवाही की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी यौन अपराधी का विमान जर्जर हालत में, नाबालिग लड़कियों को ले जाता था

नई दिल्ली। अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन का निजी विमान 'लोलिता एक्सप्रेस' अब दक्षिणी अमेरिका के एक एयरक्राफ्ट यार्ड में जर्जर हालत में खड़ा है। करीब छह दशक पुराना यह बोइंग 727 अब दोबारा कभी उड़ान नहीं भरेगा। करीब 60 साल पुराना और 133 फीट लंबा लोलिता एक्सप्रेस कभी महंगी साज-सज्जा और निजी केबिन के लिए जाना जाता था। अब इसकी बाहरी सतह पर जंग और गंदगी की परत जमी है। इंजन वर्षों पहले हटा दिए गए, जिससे यह स्थायी रूप से जमीन पर खड़ा है। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, इस विमान का इस्तेमाल नाबालिग लड़कियों को न्यूयॉर्क और फ्लोरिडा ले जाने में किया गया। पीड़ितों ने बयान दिए कि उड़ानों के दौरान भी शोषण हुआ। एक सर्वाइवर वर्जीनिया जिफ्रे ने भी दावा किया था कि उनके साथ विमान में यौन उत्पीड़न हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक, विमान के भीतर अब भी फ्लाइट मैनुअल, फाइलें, नैपकिन और प्लेसमैट रखे हैं, जिन पर नंबर छपा है। बाथरूम कैबिनेट में टॉयलेट्री आइटम और निजी सामान पड़े हैं। मुख्य सोने वाले हिस्से में अब भी गद्दा मौजूद है, जिसके ऊपर इमरजेंसी ऑक्सीजन मास्क लटके हैं। लाल रंग के अपहोल्स्ट्री वाले सीटिंग लाउंज अब धूल से ढंके हैं। रिकॉर्ड के अनुसार, 2001 में एपस्टीन से जुड़ी एक कंपनी ने यह विमान खरीदा था। 2019 में संघीय सेक्स-ट्रैफिकिंग आरोपों में उसकी गिरफ्तारी से ठीक पहले मालिकाना हक बदला गया। इसके बाद यह कई एविएशन कंपनियों के जरिए ट्रांसफर हुआ। हालांकि पहले इसे स्क्रैप करने की योजना थी, लेकिन अब तक इसे पूरी तरह तोड़ा नहीं गया है। विमान को 'लोलिता एक्सप्रेस' उपनाम इसलिए दिया गया क्योंकि आरोप थे कि इसमें नाबालिग लड़कियों की तस्करी हुई। यह नाम 1955 के अडल्ट नॉवेल 'लोलिता' से लिया गया है, जिसमें एक पुरुष की 12 साल की लड़की के प्रति आसक्ति की कहानी है।

ट्रम्प के रिजॉर्ट में घुस रहे युवक को गोली मारी, मौत, गन और फ्यूल केन लेकर अंदर घुसने की कोशिश कर रहा था

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के मार-ए-लागो रिजॉर्ट में घुसने की कोशिश करने वाले एक युवक को सुरक्षाकर्मियों ने गोली मार दी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई है। घटना स्थानीय समयानुसार रविवार आधी रात 1:30 बजे हुई। राष्ट्रपति की सुरक्षा करने वाली एजेंसी सीक्रेट सर्विस ने बताया कि युवक गैरकानूनी तरीके से सुरक्षित इलाके में घुसने की कोशिश कर रहा था। वह अपने साथ शॉटगन और फ्यूल केन लेकर आया था। मारे गए युवक की उम्र 20 साल थी, वह नॉर्थ कैरोलीना का रहने वाला था। फिलहाल उसकी पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। मामले की जांच जारी है। घटना के वक्त राष्ट्रपति ट्रम्प वॉशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस में मौजूद थे।

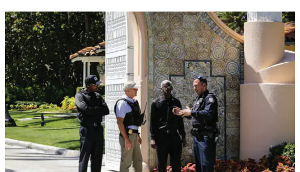

आमतौर पर वह वीकेंड पर मार-ए-लागो में समय बिताते हैं। सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि रिजॉर्ट के नॉर्थ गेट से एक कार के बाहर निकल रही थी, इसी दौरान युवक ने अंदर घुसने की कोशिश की। उसके पास शॉटगन और फ्यूल केन थी। सीक्रेट सर्विस के दो एजेंट्स ने उसे रोका और उससे हथियार और केन नीचे रखने को कहा गया। युवक ने केन तो रख दिया, लेकिन शॉटगन को गोली चलाने की पोजिशन में उठा लिया। इसके बाद सुरक्षा कर्मियों ने गोली चलाई और वह मारा गया। जांच में पता चला कि उसके परिवार ने कुछ दिन पहले उसे लापता होने की रिपोर्ट की थी। वह नॉर्थ कैरोलीना से साउथ की ओर आया था और रास्ते में शॉटगन खरीदा। उसकी कार में गन का डिब्बा मिला है। ट्रम्प की सुरक्षा में पहले भी चूक हो चुकी है। 13 जुलाई 2024 में ट्रम्प को एक रैली के दौरान एक हमलावर ने गोली मार दी थी। उस वक्त वे राष्ट्रपति नहीं थे। उन पर यह हमला राष्ट्रपति चुनाव से ठीक 4 महीने पहले हुआ था। 20 साल के हमलावर ने 400 फीट की दूरी से ट्रम्प पर असॉल्ट राइफल से गोली चलाई थी। यह गोली उनके कान को छूते हुए गुजरी थी। इसके बाद ट्रम्प की सुरक्षा में तैनात सीक्रेट सर्विस के स्नाइपर्स ने हमलावर को तुरंत ढेर कर दिया था।

दावा- तेजस एयरक्राफ्ट क्रैश नहीं हुआ, मामूली खराबी थी, पहले खबर थी कि फाइटर जेट का ब्रेक फेल हुआ

नई दिल्ली। हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) ने सोमवार को इंडियन एयर फोर्स (IAF) के फाइटर जेट तेजस के क्रैश की खबरों को गलत बताया है। HAL ने कहा है कि ग्राउंड पर एयरक्राफ्ट में मामूली तकनीकी गड़बड़ी हुई थी। हवा में ऐसा कोई हादसा नहीं हुआ है। HAL ने बताया कि वह एयरफोर्स के साथ मिलकर तकनीकी गड़बड़ी की जांच कर रहे है और उसे जल्द ठीक कर लेंगे। कंपनी ने यह भी दावा किया कि तेजस का सेफ्टी रिकॉर्ड दुनिया के आधुनिक फाइटर जेट्स में सबसे बेहतर में से एक है। न्यूज एजेंसी PTI ने रविवार देर रात सूत्रों के हवाले से दावा किया था कि 7 फरवरी को लैंडिंग के दौरान तेजस का ब्रेक फेल हो गया था। इसके कारण एयरक्राफ्ट रनवे से आगे निकल गया।

हादसे से पहले पायलट सुरक्षित बाहर निकल गया लेकिन विमान को नुकसान पहुंचा है। PTI के मुताबिक, तेजस ट्रेनिंग उड़ान के बाद एयरबेस पर लौट रहा था। हालांकि, हादसा किस एयरबेस पर हुआ, PTI ने इसकी जानकारी नहीं दी। तेजस को HAL ने डेवलप किया है। यह सिंगल इंजन वाला हल्का लड़ाकू विमान है। सूत्रों ने दावा किया कि घटना के बाद एयरफोर्स ने तेजस जेट के पूरे बेड़े को टेक्निकल जांच के लिए ग्राउंड कर दिया है। यानी जांच पूरी होने तक विमान उड़ान नहीं भरेंगे। हादसे पर IAF की तरफ से कोई ऑफिशियल बयान नहीं आया है। दावे के मुताबिक, तेजस जेट से जुड़ा यह तीसरा हादसा है। पहला हादसा मार्च 2024 में हुआ था, जब जैसलमेर के पास एक तेजस जेट क्रैश हो गया था। दूसरा हादसा नवंबर 2025 में हुआ था जब दुबई एयरशो में एरियल डिस्प्ले के दौरान एक तेजस जेट क्रैश हो गया था।

एक्टर विजय बोले- सीएम स्टालिन के असली दोस्त रिश्वत-भ्रष्टाचार

वेल्लोर। एक्टिंग से राजनीति में आए विजय ने सोमवार को वेल्लोर में एक पब्लिक रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने CM स्टालिन पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके असली दोस्त रिश्वत-भ्रष्टाचार हैं। TVK चीफ ने कहा कि आने वाले इलेक्शन राज्य के लोगों के लिए करप्शन के खिलाफ लड़ाई होंगे। विजय ने CM को चुनौती दी कि अगर उनमें दम है तो वे चुनाव से पहले अपनी संपत्ति का खुलासा करें। यह 50 साल में एक बार होने वाले इलेक्शन जैसा है।

इस इलेक्शन में, सभी लोग विजय का विरोध करने के लिए एक साथ आए हैं। अगर आप मेरा अपमान करते हैं, तो यह लोगों का अपमान करने जैसा है। विजय और तमिलनाडु के लोग खून और मांस से जुड़े हुए हैं। लड़ाई TVK और DMK के बीच है। आज, एक नकली मॉडल सरकार है। तमिलनाडु में अभी एक स्टैंड-अप कॉमेडी वाली राज्य सरकार राज कर रही है। तमिलनाडु में अगले 6 महीनों में विधानसभा चुनाव होने हैं। मुकाबला DMK के नेतृत्व वाले सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस (SPA) और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के नेतृत्व वाले नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस के बीच होगा। SPA में कांग्रेस, DMDK जैसी पार्टियां शामिल हैं, और MMK और MDMK के साथ इसकी गठबंधन की बातचीत चल रही है। दूसरी तरफ, AIADMK के अलावा, भारतीय जनता पार्टी (BJP) NDA ब्लॉक में लीडिंग पोजीशन पर है, जिसमें पट्टाली मक्कल काची (PMK) और कई दूसरी पार्टियां अलायंस का हिस्सा हैं। विजय, जिन्होंने चुनाव से पहले अपने एक्टिंग करियर से रिटायरमेंट ले लिया था, अपनी पॉलिटिकल पार्टी TVK के साथ पॉलिटिकल फील्ड में डेब्यू कर रहे हैं।

नेपाल- बस हाईवे से नदी में गिरी, 18 की मौत, 25 घायल

एजेंसी, काठमांडू

नेपाल के धादिंग जिले में सोमवार देर रात एक बस हाईवे से नदी में गिर गई। नेपाली मीडिया के मुताबिक हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 घायल हैं। मृतकों में एक पुरुष और एक महिला विदेशी नागरिक शामिल हैं। हालांकि, यह किस देश से थे और इनके नाम अभी सामने नहीं आए हैं। आर्म्ड पुलिस फोर्स (APF) के मुताबिक, अब तक 17 शव बरामद किए जा चुके हैं। बाद में एक अन्य यात्री की मौत की पुष्टि हुई, जिससे मृतकों का आंकड़ा 18 हो गया। हादसे में घायल लोगों को रेस्क्यू कर अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। अब तक मृतकों और घायलों की पहचान नहीं हो सकी है। बस (Ga 1 Kha 1421) पोखरा से काठमांडू की ओर जा रही थी, तभी किसी कारण ड्राइवर का बस से नियंत्रण खो गया और बस त्रिशूली नदी में जा गिरी। हादसा देर रात करीब रात 1:30 बजे धादिंग जिले के बेनिघाट रोरांग इलाके में हुआ। फिलहाल पुलिस हादसे की अन्य वजहों की भी जांच कर रही है। मरने वालों में 12 पुरुषों और 6 महिलाएं शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के समय बस में कुल 44 यात्री

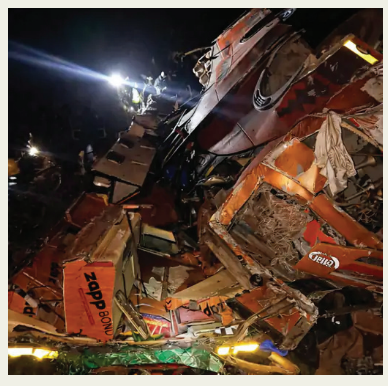

सवार थे। घायल 26 यात्रियों को बचा लिया गया है। कुछ का इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है, जबकि अधिकांश को आगे के इलाज के लिए काठमांडू रैफर कर दिया गया है। यह दुर्घटना आधी रात को होने के कारण बचाव अभियान में परेशानी हुई। हालांकि, सुरक्षा एजेंसियों के कर्मियों ने स्थानीय निवासियों के साथ मिलकर बचाव कार्य किया। इससे पहले नेपाल के बैतड़ी जिले में 5 फरवरी को बारातियों से भरी एक बस अनियंत्रित होकर करीब 150 मीटर गहरी खाई में जा गिरी थी। हादसे में 13 बारातियों की मौत हो

♦ मरने वालों में 2 विदेशी नागरिक, कंट्रोल खोने से हादसा

गई, जबकि 34 लोग घायल हो गए थे। बस गांव से दुल्हन लेकर सुनकुड़ा जा रही थी। बस एक मोड़ पर चढ़ाई के दौरान अनियंत्रित हो गई और गहरी खाई में गिर गई। प्रारंभिक जांच में पता चला कि हादसा ओवरलोडिंग के कारण हुआ था। वहीं, साल 2024 में लैंडस्लाइड की वजह से दो बसें त्रिशूली नदी में बह गईं थीं। दोनों बसों में चालकों समेत 63 लोग सवार थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हादसे में 7 भारतीयों और एक बस चालक की मौत हुई। त्रिशूली नदी नका नाम भगवान शिव के त्रिशूल से आया है। इसके पीछे एक प्रचलित कथा है कि गोसाइकुंडा (एक पवित्र जगह) में शिव जी ने अपना त्रिशूल जमीन में गाड़ा, जिससे तीन झरने निकले और ये नदी बनी। ये तिब्बत (चीन) के ग्यिरोंग काउंटी में शुरू होती है। वहाँ दो नदियाँ - क्यिरोंग त्सांगपो और लेंदे खोला से मिलकर त्रिशूली बनाती हैं। नेपाल में ये रसुवा, नुवाकोट, धादिंग, चितवन जैसे जिलों से गुजरती है। पृथ्वी हाईवे के साथ-साथ बहती है, जो काठमांडू और पोखरा को जोड़ता है।

दिल्ली विधानसभा-सचिवालय को बम ब्लास्ट की धमकी

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा भवन, दिल्ली सचिवालय और लाल किले को बम ब्लास्ट में उड़ाने की धमकी दी गई है। सोमवार को खालिस्तानी ग्रुप का धमकी वाला ईमेल भेजा गया। जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हुईं, विधानसभा भवन की सर्चिंग की गई। बम स्क्वाड और डॉग स्क्वॉड सर्च में जुटीं लेकिन कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। वहीं, लाल किला की भी सुरक्षा बढ़ाई गई है। इससे पहले दिल्ली स्थित धौला कुआं के आर्मी पब्लिक स्कूल और लोधी रोड के एयरफोर्स बाल भारती स्कूल को ईमेल के जरिए धमकी दी गई थी। जानकारी मिलने पर दिल्ली पुलिस, बम स्क्वाड, डॉग स्क्वॉड और दिल्ली फायर सर्विस की टीमें स्कूल पहुंची थी। पूरा कैंपस खाली कराया गया। जांच में कुछ भी नहीं मिला था।

ईमेल में लिखा था- दिल्ली बनेगा खालिस्तान: पुलिस अधिकारी ने बताया कि ईमेल में दिल्ली बनेगा खालिस्तान की धमकी दी गई थी। लिखा था कि अगले 3 दिनों के भीतर आर्मी स्कूल, लाल किला और मेट्रो स्टेशनों पर विस्फोट हो सकते हैं। ईमेल में विधानसभा, आर्मी स्कूल और लाल

❒ खालिस्तानी ग्रुप ने ईमेल में लिखा- दिल्ली बनेगा खालिस्तान आर्मी-एयरफोर्स स्कूल को थ्रेट मिली

किले के लिए अलग-अलग समय भी लिखा था। धमकी के बाद दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (DMRC) के सभी स्टेशनों पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। मेट्रो स्टेशनों और अन्य संवेदनशील स्थानों पर एंटी-सैबोटाज जांच, रैंडम चेकिंग और यात्रियों की तलाशी की जा रही है। बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड की टीमों को लाल किला, दिल्ली सचिवालय और विधानसभा परिसर सहित कई संवेदनशील स्थानों पर तैनात किया गया है। इसके अलावा, सीसीटीवी निगरानी बढ़ा दी गई है और सुरक्षा एजेंसियों के बीच बैठकें भी की गई हैं।

एआई समिट हंगामा, 5वां आरोपी एमपी से गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट में इंडियन यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के विरोध प्रदर्शन मामले में दिल्ली पुलिस ने 5वीं गिरफ्तारी की है। मध्य प्रदेश के ग्वालियर से यूथ कांग्रेस नेता जीतेंद्र यादव को गिरफ्तार किया। इसके अलावा 2 और सदस्यों को हिरासत में लिया है। सोमवार को पुलिस ने इंडियन यूथ कांग्रेस के दिल्ली अध्यक्ष उदय भानु चिब से भी पूछताछ की है। ग्वालियर से हिरासत में लिए गए दो लोगों ने राजा गुर्जर और अजय कुमार के नाम शामिल हैं। आरोप है कि ये सभी शर्टलैस प्रदर्शन में शामिल थे। वीडियो के जरिए इनकी पहचान की गई है।

दिल्ली की तिलक नगर थाना ने यह एक्शन लिया है। सभी को दिल्ली लाया गया है। इस मामले में पुलिस गैर जमानती धाराओं में FIR दर्ज की

है। 21 फरवरी को पटियाला कोर्ट ने पहले से गिरफ्तार 4 आरोपियों को 5 दिन की पुलिस रिमांड में भेजा था। दरअसल, 20 फरवरी को इंडियन यूथ कांग्रेस के 11 सदस्यों ने भारत मंडपम में घुसकर AI समिट के दौरान शर्टलैस होकर PM मोदी की फोटो वाली टी-शर्ट लहराई थी। इस दौरान पीएम मोदी कॉम्प्रोमाइज्ड के नारे लगाए थे।

दिल्ली पुलिस ने आरोपी और यूथ कांग्रेस के नेता कृष्ण हरि की गाड़ी बरामद की। कार से पीएम मोदी चेहरा छपी टी-शर्ट और पोस्टर भी मिले हैं। कांग्रेस के AI समिट में हंगामा करने के विरोध में भाजपा ने पूरे देश में विरोध किया था।

तारिक रहमान के पीएम बनते ही सेना में फेरबदल

एजेंसी, ढाका

बांग्लादेश का प्रधानमंत्री बनने के कुछ दिन बाद ही तारिक रहमान ने सेना में बड़े पैमाने पर फेरबदल किया गया है। रविवार को जारी आदेशों में ऑपरेशनल और इंटेलिजेंस पदों पर नई नियुक्तियां की गईं। भारत में तैनात रक्षा सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल एमडी हाफिजुर रहमान को मेजर जनरल पद पर प्रमोट किया गया है। उन्हें वापस बुलाकर 55वीं इन्फैंट्री डिविजन का जनरल ऑफिसर कमांडिंग (GOC) नियुक्त किया गया है। लेफ्टिनेंट जनरल मुहम्मद मैनूर रहमान को सेना का चीफ ऑफ जनरल स्टाफ (CGS) बनाया गया है। वे इससे पहले आर्मी ट्रेनिंग एंड डॉक्ट्रिन कमांड के प्रमुख थे। उन्होंने लेफ्टिनेंट जनरल मिजानुर रहमान शमीम की जगह ली है, जिन्हें रिटायरमेंट लीव पर भेज दिया गया था।

आर्म्ड फोर्सेस डिवीजन और फील्ड कमांड में बदलाव: मेजर जनरल कैसर राशिद चौधरी को डायरेक्टरेट जनरल ऑफ फोर्सेस इंटेलिजेंस (DGFI) का डायरेक्टर नियुक्त किया गया है। वे आर्मी मुख्यालय में ब्रिगेडियर जनरल के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने मेजर जनरल मोहम्मद जहांगीर आलम की जगह ली है, जिन्हें फिलहाल विदेश मंत्रालय में राजदूत के रूप में नियुक्त किया गया है। लेफ्टिनेंट जनरल मीर मुशफिकुर रहमान को सशस्त्र बल डिविजन का प्रिंसिपल स्टाफ

ऑफिसर (PSO) बनाया गया है। वे इससे पहले चटगांव स्थित 24वीं इन्फैंट्री डिविजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (GOC) थे। मौजूदा PSO लेफ्टिनेंट जनरल एसएम कामरुल हसन को विदेश मंत्रालय में राजदूत के पद पर ट्रांसफर कर दिया गया है। मेजर जनरल जेएम एमदादुल इस्लाम को ईस्ट बंगाल रेजिमेंटल सेंटर का कमांडेंट नियुक्त किया गया है। वहीं मेजर जनरल फिरदोस हसन सलीम को 24वीं इन्फैंट्री डिविजन का GOC बनाया गया है। ये बड़ा फेरबदल तारिक रहमान की नई BNP सरकार के लिए सेना पर अपनी मजबूत पकड़ बनाने का पहला बड़ा कदम माना जा रहा है। फरवरी 2024 में छात्र आंदोलन से शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार बनी थी, जिसने सेना के कई शीर्ष पदों पर अपने करीबी या पुरानी व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों को तैनात किया था। अब 12 फरवरी 2026 के चुनाव में BNP की भारी जीत के बाद तारिक रहमान 17 फरवरी को प्रधानमंत्री बने, तो

❒ भारत से रक्षा सलाहकार को वापस बुलाकर प्रमोशन दिया, चीफ ऑफ जनरल स्टाफ भी बदला

नई सरकार ने जल्दी से इन पदों पर बदलाव किए। इसके पीछे मुख्य वजह यह माना जा रहा है कि पुराने अधिकारियों (जो यूनुस सरकार या हसीना काल से जुड़े थे) को हटाकर BNP के करीबी या नई सरकार के प्रति वफादार अधिकारियों को महत्वपूर्ण कमांड और खुफिया पद दे रही है, ताकि सेना नई सरकार के खिलाफ कोई असंतुलन पैदा न करे और सेना मजबूत हो सके।

इस फेरबदल से क्या फायदा: सरकार मजबूत होगी- सेना के बड़े पदों पर नए अधिकारियों की नियुक्ति से नई सरकार को सेना का साफ समर्थन मिलेगा। इससे सरकार के खिलाफ बगावत या अस्थिरता की संभावना कम हो सकती है, खासकर जब हाल में देश में राजनीतिक तनाव रहा है। पुरानी व्यवस्था के प्रभाव कम होंगे- जो अधिकारी पिछली सरकारों जैसे मोहम्मद यूनुस या शेख हसीना के करीब माने जाते थे, उन्हें हटाया या दूसरे पदों पर भेजा जा रहा है। इससे नई सरकार के विरोधी माने जाने वाले लोगों का प्रभाव कम होगा। भारत से संबंधों पर असर- भारत में तैनात रक्षा सलाहकार को वापस बुलाकर नई जिम्मेदारी दी गई है।

मेक्सिको में सेना ने सबसे बड़े ड्रग माफिया को मारा, ट्रम्प के दबाव के बाद एक्शन, देशभर में हिंसा शुरू

एजेंसी, मेक्सिको सिटी

मेक्सिको में सेना ने रविवार को एक ऑपरेशन चलाकर देश के सबसे बड़े ड्रग माफिया सरगना एल मेंचो को मार गिराया। इसके बाद देशभर में आगजनी और हिंसा शुरू हो गई है। मेंचो के समर्थकों ने बदला लेने के लिए हाईवे को जाम कर दिया है और गाड़ियों में तोड़फोड़ कर रहे हैं। तलपला शहर में सेना के ऑपरेशन के दौरान वह घायल हो गया था। उसे एयरलिफ्ट कर मेक्सिको सिटी ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। इस ऑपरेशन में मेंचो के अलावा कम से कम और 9 अपराधी भी मारे गए हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक एल मेंचो, जलिस्को न्यू जनरेशन कार्टेल (CJNG) का लीडर था। जलिस्को कार्टेल मेक्सिको में ड्रग्स बनाने

समर्थकों ने एयरपोर्ट-मॉल में आग लगाई

और बेचने, स्थानीय कारोबारियों से वसूली करने और कई इलाकों में लोगों को डराकर रखने के लिए कुख्यात रहा है। इस कार्टेल की मौजूदगी अमेरिका के 50 राज्यों में है। अमेरिकी सरकार ने अल मेंचो के ऊपर 136 करोड़ रुपए का इनाम रखा था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प काफी समय से मेक्सिको पर एल मेंचो पर एक्शन लेने का दबाव बना रहे थे।

पहले भी ऐसी हिंसक घटनाएं हुईं: मेक्सिको में पहले भी जब किसी बड़े कार्टेल नेता को पकड़ा गया या मारा गया है, तब सरकार और कार्टेल के बीच हिंसक टकराव हुआ है। कई बार गिरोह के अंदर ही सत्ता की लड़ाई छिड़ जाती है, जिससे हालात और बिगड़ जाते हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि एल मेंचो की मौत से पहले 2016 में सिनाओला कार्टेल के सरगना एल चापो की गिरफ्तारी और 2024 में अल मायो की गिरफ्तारी के वक्त भी देश में ऐसा ही हुआ था। 2019 में जब अल चापो के बेटे ओविदियो गुजमान को पकड़ा गया था, तब उसके गुर्गों ने कुलियाकान शहर को घंटों तक बंधक बना लिया था और सरकार को उसे छोड़ना पड़ा था। इसलिए अब भी डर है कि हालात और बिगड़ सकते हैं। अब यह इस बात पर निर्भर करेगा कि जालिस्को कार्टेल के पास नया नेता साफ तौर पर तय है या नहीं। अगर अंदरूनी लड़ाई शुरू हुई तो खून-खराबा और बढ़ सकता है।

एमपी समेत 10 राज्यों में बारिश का अलर्ट

राजस्थान-झारखंड के 3 जिलों में पारा 34° पार

एजेंसी, नई दिल्ली/देहरादून/भोपाल/जयपुर/लखनऊ

देश में फरवरी के आखिरी हफ्ते में 3 तरह का मौसम चल रहा है। उत्तर भारत में बर्फबारी और कोहरे का असर है। मैदानी राज्यों में दिन का टेम्प्रेचर 34°C से ज्यादा पहुंच चुका है।

दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने लो प्रेशर एरिया के कारण आज मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ समेत पूर्व-पश्चिम भारत के 10 राज्यों में बारिश का यलो अलर्ट है। मध्य प्रदेश में फरवरी में चौथी बार बारिश की संभावना है। आज भी 8 जिलों में बारिश की अलर्ट है। फरवरी के शुरुआत में ही प्रदेश में दो बार ओले, बारिश और आंधी का

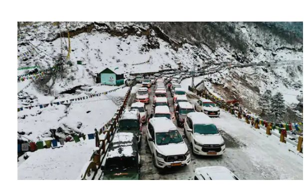

दौर रह चुका है।

इधर, राजस्थान के बाड़मेर, झारखंड के सरायकेला-चाईबासा में फरवरी में ही पारा 34°C से ज्यादा रहा। नॉर्थ ईस्ट में सिक्किम में रविवार को बर्फबारी हुई। राज्य के शेरेथांग इलाके में जवाहरलाल नेहरू रोड पर सिप्सू और 16th माइल के बीच त्सांगू के पास करीब 350 टूरिस्ट गाड़ियां फंस गईं। इनमें 46 टूरिस्ट बच्चे भी शामिल हैं। सभी को कुछ समय के लिए 17th माइल पर आर्मी ट्रांजिट कैंप भेजा गया।

किश्तवाड़ में टेरर नेटवर्क का खात्मा, सेना बोली- 326 दिन तक ऑपरेशन चलाया

7 आतंकी मारे, इनमें जैश कमांडर सैफुल्लाह भी शामिल

एजेंसी, श्रीनगर

भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर ने X पर 7 आतंकियों की फोटो पोस्ट की और लिखा है कि 326 दिन के बाद किश्तवाड़ से आतंक के नेटवर्क का खात्मा कर दिया गया है। पोस्ट में कहा गया है कि इन आतंकियों में जैश का कमांडर सैफुल्लाह भी मारा गया है। सैफुल्लाह किश्तवाड़ में आतंक का सरगना था। व्हाइट नाइट कोर ने बताया कि किश्तवाड़ में उनके अलावा जम्मू कश्मीर पुलिस और CRPF समेत सेना की इंटेलीजेंस एजेंसी भी शामिल रहीं। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में चतरू इलाके में रविवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। इसमें 3 आतंकी मारे गए थे। इससे पहले 4 फरवरी को भी चतरू में ही सुरक्षाबलों ने जैश के ही एक आतंकी को मार गिराया था।

उधमपुर में भी गुफा में छिपे जैश के 2 आतंकियों को ग्रेनेड विस्फोट में मार गिराया था।

सिक्योरिटी एजेंसियों के शुरुआती अंदाजों से पता चलता है कि रविवार को मारे गए तीन आतंकवादियों में से एक सैफुल्लाह था, जो खुद को जैश ए मोहम्मद का कमांडर बताता था। कहा जाता है कि सैफुल्लाह ने लगभग पांच साल पहले जम्मू और कश्मीर में घुसपैठ की थी। वह सिक्योरिटी फोर्सेस पर कई जानलेवा हमलों का मास्टरमाइंड था, जिसमें जुलाई 2024 का हमला भी शामिल है, जिसमें चार सैनिक मारे गए थे।

दिल्ली हाईकोर्ट बोला- बेरोजगार पत्नी आलसी नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने पति-पत्नी के बीच गुजारा भत्ता से जुड़े एक मामले पर कहा कि बेरोजगार पत्नी आलसी नहीं होती। घर संभालना, बच्चों की देखभाल और परिवार की मदद करना भी काम है, भले ही वह बैंक खाते में नजर न आए। ऐसे में गुजारा भत्ता तय करते समय पत्नी के योगदान को नजरअंदाज करना गलत है। जस्टिस स्वर्णा कांत शर्मा ने 16 फरवरी को दिए इस फैसले में कहा कि घरेलू काम का भी आर्थिक महत्व होता है और इसे नजरअंदाज करना नाइंसाफी है। हाईकोर्ट ने कहा कि एक गृहिणी खाली नहीं बैठती, वह ऐसा काम करती है जिससे कमाने वाला पति सही तरीके से काम कर पाता है। कोर्ट ने कहा कि भारतीय समाज में अक्सर शादी के बाद महिला से नौकरी छोड़ने की उम्मीद की जाती है, लेकिन बाद में उसी बात को लेकर पति भत्ता देने से बचते हैं। ऐसी दलील को बढ़ावा नहीं दिया जा सकता।

क्या है मामला: मामला 2012 में हुई शादी से जुड़ा है। पत्नी का आरोप है कि 2020 में पति ने उसे और नाबालिग बेटे को छोड़ दिया। पत्नी ने घरेलू हिंसा कानून के तहत अंतरिम मेंटेनेंस की

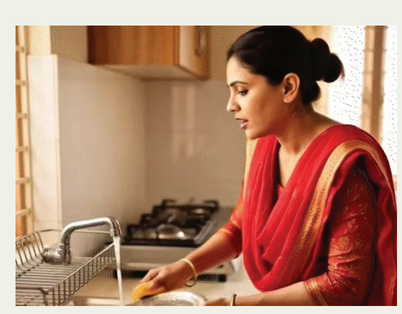

मांग की। मजिस्ट्रेट कोर्ट ने यह कहते हुए राहत देने से इनकार कर दिया था कि पत्नी शिक्षित और सक्षम है, लेकिन उसने नौकरी नहीं की। अपीलीय अदालत ने भी कोई राहत नहीं दी। हाईकोर्ट में पति ने दलील दी कि वह बेटे की पढ़ाई का खर्च उठा रहा है और पत्नी खाली बैठकर मेंटेनेंस नहीं मांग सकती। इसपर हाईकोर्ट ने कहा कि कमाने की क्षमता और वास्तविक कमाई दो अलग बातें हैं। केवल इस आधार पर पत्नी को मेंटेनेंस से वंचित नहीं किया जा सकता कि वह कमाने में सक्षम है।

पत्नी को 50 हजार मेंटेनेंस का आदेश: हाईकोर्ट ने कहा कि जो महिलाएं काम करना चाहती हैं, उन्हें प्रोत्साहित करना चाहिए, लेकिन सिर्फ इस

❒ उसके काम को नजरअंदाज करना नाइंसाफी, गृहिणी का योगदान पति को ठीक से काम करने लायक बनाता है

आधार पर भत्ता रोकना कि वह कमाने लायक है, गलत सोच है। कानून को यह देखना होगा कि जिसने सालों परिवार के लिए मेहनत की, वह आर्थिक रूप से असहाय न रह जाए। कोर्ट ने माना कि शादी या परिवार के कारण करियर छोड़ने वाली महिला बाद में उसी स्तर और सैलरी पर नौकरी शुरू नहीं कर सकती। कोर्ट ने कहा कि रिकॉर्ड में महिला की कोई कमाई साबित नहीं हुई, इसलिए उसे घरेलू हिंसा कानून के तहत 50,000 रुपये देने का आदेश दिया। कोर्ट ने यह भी कहा कि गुजारा भत्ता के मामले अक्सर बहुत ज्यादा विवादित और टकराव वाले बन जाते हैं। कोर्ट ने सुझाव दिया कि ऐसे मामलों में लंबी लड़ाई की बजाय आपसी बातचीत और सुलह का रास्ता बेहतर होता है। कोर्ट ने कहा कि मुकदमेबाजी में अक्सर पत्नी खर्च बढ़ाकर बताती है और पति अपनी कमाई कम बताता है, जिससे सुलह मुश्किल हो जाती है।

होली महोत्सव 24 फरवरी से 3 मार्च 2026- होलाष्टक से धूलिवंदन तक-चंद्रग्रहण,आस्था, ज्योतिष और व्यवहारिकता के बीच संतुलन

लोकतंत्र की शान

» होली केवल भारत तक सीमित नहीं,बल्कि विश्वभर में बसे भारतीय समुदायों और विदेशी पर्यटकों को भी आकर्षित करता है।

» होलाष्टक की मान्यताएं हमें संयम,अनुशासन और आत्मचिंतन का संदेश देती हैं, जबकि होली का रंगोत्सव हमें प्रेम, क्षमा और नई शुरुआत का अवसर देता है -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया – वैश्विक स्तरपर होली का त्योहार केवल रंगों काउत्सव नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की जीवंतता,आध्यात्मिकता और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। भारत सदियों से विविध आस्थाओं,प्रथाओं और मान्यताओं का केंद्र रहा है,जहां हर पर्व को शुद्ध श्रद्धा और सांस्कृतिक अनुशासन के साथ मनाया जाता है। यही कारण है कि होली केवल भारत तक सीमित नहीं, बल्कि विश्वभर में बसे भारतीय समुदायों और विदेशी पर्यटकों को भी आकर्षित करता है।2026 में होली का पर्व विशेष चर्चा में है, क्योंकि 24 फरवरी से होलाष्टक प्रारंभ हो रहा है, 2 मार्च को होलिका दहन होगा और 3 मार्च को रंगोत्सव मनाया जाएगा। साथ ही 3 मार्च को चंद्रग्रहण होने की चर्चा ने लोगों के मन में यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि धूलिवंदन 3 मार्च को होगा या 4 मार्च को? इस लेख में हम धार्मिक मान्यताओं,ज्योतिषीय दृष्टिकोण और व्यवहारिक तथ्यों के आधार पर इस भ्रम को दूर करने का प्रयास करेंगे।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि हम सब जानते हैं कि,पौराणिक आधार पर होली की जड़ें भगत प्रहलाद, होलिका और नरसिम्हा की कथा से जुड़ी हैं। असत्य पर सत्य की विजय और अहंकार के अंत का संदेश देने वाली यह कथा भारतीय मानस में गहराई से रची-बसी है।होलिका दहन उस प्रतीकात्मक क्षण का स्मरण है जब भक्ति और धर्म की रक्षा हुई। इसलिए होली केवल रंगों का खेल नहीं,बल्किआध्यात्मिक पुनर्जागरण का अवसर भी है इस आर्टिकल में चर्चा की गई हर बात मान्यताओं पर आधारित सटीकता से इसका कोई संबंध नहीं वह यहां लिखी हुई बातें मानी जाए यह बिलकुल जरूरी नहीं है। साथियों बात अगर हम होलाष्टक 2026: अवधि और धार्मिक मान्यता इसको समझने की करें तो,2026 में होलिका दहन 2 मार्च को पड़ रहा है, अतः उससे आठ दिन पूर्व 24 फरवरी से होलाष्टक प्रारंभ होगा और 3 मार्च तक चलेगा। होलाष्टक का अर्थ है होली से पहले के आठ दिन। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इन दिनों में आठ प्रमुख ग्रह उग्र अवस्था में माने जाते हैं,अष्टमी को चंद्रमा, नवमी को सूर्य, दशमी को शनि, एकादशी को शुक्र, द्वादशी को गुरु, त्रयोदशी को बुध,चतुर्दशी को मंगल और पूर्णिमा को राहु। मान्यता है कि इस अवधि में शुभ और मांगलिक कार्य करने से जीवन में बाधाएं,कलह या कष्ट आ सकते हैं।इसलिए विवाह, सगाई, गृह प्रवेश, वाहन क्रय, भूमि पूजन और नए व्यवसाय की शुरुआत से बचने की सलाह दी जाती है।हालांकि यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि ये मान्यताएं ज्योतिषीय परंपराओं पर आधारित हैं,न कि किसी विधिक अनिवार्यता पर।भारत के विभिन्न क्षेत्रों में इन मान्यताओं का पालन अलग- अलग स्तर पर किया जाता है। कुछ समुदाय इसे कठोरता से मानते हैं,जबकि कुछ इसे प्रतीकात्मक मानकर अपनी सामान्य जीवनचर्या पूर्वोतःजारी रखते हैं। साथियों बात अगर हम चंद्रग्रहण और धूलिवंदन का भ्रम इसको समझने की करें तो,2026 में 3 मार्च को चंद्रग्रहण होने की चर्चा के कारण यह भ्रम फैल रहा है किधूलिवंदन 4 मार्च को मनाया जाना चाहिए। यहां मूल सिद्धांत यह है कि होली का रंगोत्सव पूर्णिमा तिथि के अगले दिन, अर्थात होलिका दहन के बाद मनाया जाता है। यदि 2 मार्च की रात्रि में होलिका दहन हो रहा है और पूर्णिमा तिथि 3 मार्च को विद्यमान है, तो परंपरागत रूप से रंगों की होली 3 मार्च को ही मनाई जाने की संभावना है।चंद्रग्रहण का प्रभाव मुख्यतःतब माना जाता है जब वह भारत में दृश्य हो और उसके समय का संयोग महत्वपूर्ण पूजा-विधि से हो। यदि ग्रहण का समय रंग खेलने के पारंपरिक समय से भिन्न है या वह भारत में दृश्य नहीं है, तो सामान्यतः होली की तिथि नहीं बदलती। इसलिए केवल ग्रहण की उपस्थिति से धूलिवंदन की तिथि स्वतः 4 मार्च नहीं हो जाती ऐसा कुछ लोगों का मानना है।अंतिम निर्णय पंचांग,स्थानीय परंपरा और मंदिरसमितियों की घोषणा पर निर्भर करता है।इसलिए व्यापक रूप से 3 मार्च 2026 को ही रंगोत्सव मनाया जाना संभावित है,जबतक कि अधिकृत पंचांग बिल्कुल ही अन्यथा न कहे। साथियों बात अगर हम हिंदू धर्म के 16 संस्कारों क्रा संक्षिप्त परिचय जानने की करें तो हिंदू जीवन-पद्धति में 16 संस्कारों का उल्लेख है, जो जन्म से मृत्यु तक व्यक्ति के जीवन को पवित्र और अनुशासित बनाते हैं। ये हैं गर्भाधान, पुंसवन,सीमंतोन्नयन,जातकर्म,नामकरण निष्क्रमण, अन्नप्राशन,चूड़ाकर्म (मुंडन), कर्णवेध,विद्यारंभ उपनयन वेदारंभ,केशांत,समावर्तन,विवाह,अंत्येष्टि होलाष्टक के दौरान सामान्यतःविवाह जैसे मांगलिक संस्कार नहीं किए जाते। किंतु अंत्येष्टि संस्कार जीवन की अनिवार्य प्रक्रिया है,इसलिए उसके लिए शांति पूजन आदि करके कर्म संपन्न किए जाते हैं। यह दर्शाता है कि धार्मिक अनुशासन के साथ व्यवहारिक विवेक भी समान रूप से महत्वपूर्ण है। साथियों बात अगर हम होलाष्टक में क्या करें और क्या न करें इसको समझने की करें तो,होलाष्टक में क्रोध, विवाद और अनावश्यक बहस से बचने की सलाह दी जाती है।घर में शांत वातावरण बनाए रखना सकारात्मक ऊर्जा के लिए आवश्यक माना गया है। विवाह, गृह प्रवेश, नए निर्माण और बड़े निवेश जैसे कार्य टालने की परंपरा है। वहीं दूसरी ओर पूजा-पाठ, मंत्र-जाप, व्रत, दान और आत्मचिंतन को विशेष फलदायी बताया गया है। इस अवधि में विष्णु , हनुमान और नरसिम्हा की आराधना का विधान बताया जाता है महामृत्युंजय मंत्र का जाप मानसिक शांति और आध्यात्मिक बल प्रदान करता है। वास्तु और होली पूर्व सफाईः आध्यात्मिक मनोविज्ञान होली से पूर्व घरों में महा-सफाई की परंपरा केवल स्वच्छताअभियान नहीं, बल्कि मानसिक और ऊर्जात्मक शुद्धि का प्रतीक है। टूटी-फूटी वस्तुएं, बंद पड़ी घड़ियां, धुंधले शीशे और पुराने कबाड़ को हटाने की सलाह वास्तु शास्त्र में दी जाती है। यह वैज्ञानिक दृष्टि से भी उचित है, क्योंकि अव्यवस्था तनाव बढ़ाती है और स्वच्छता सकारात्मकता को प्रोत्साहित करती है।पूजा स्थल की विशेष सफाई आवश्यक मानी जाती है। खंडित मूर्तियों को सम्मानपूर्वक हटाना और स्वच्छ वातावरण में पूजा करना आस्था की शुद्धता का प्रतीक है। मुख्य द्वार पर वंदनवार लगाना और ईशान कोण को स्वच्छ रखना पारंपरिक विश्वास हैं, जो घर में शुभता और समृद्धि का संदेश देते हैं। साथियों बात अगर हम रंगों, गुझिया और मस्ती के इस उत्सव को पौराणिक मान्यताओं (हालांक्रि इसका सटीक प्रमाण नहीं है) के दृष्टिकोण से समझने की करें तो पहले हम सभी के घरों में महा-सफाई का अभियान छिड़ चुका है। लेकिन क्या हम जानते हैं कि सिर्फ धूल -मिट्टी झाड़ देना ही काफी नहीं है? वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के कोनों में छिपी कुछ चीजें आपकी तरक्की और खुशहाली को नजर लगा सकती हैं। अगर हम चाहते हैं कि इस बार रंगों के साथ-साथ हमारे घर में मां लक्ष्मी का भी आगमन हो, तो सफाई के दौरान इन चीजों को तुरंत विदा करने क्रा ऑप्शनल विचार कर सकते हैं(1) टूटी- फूटी चीजें: तरक्की की दुश्मन- अक्सर हम बाद में ठीक करा लेंगे के चक्कर में टूटे हुए बर्तन, चटक चुके कांच के सामान या टूटी चप्पलें स्टोर रूम में पटक देते हैं। वास्तु के अनुसार, ये चीजें घर में नकारात्मक ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत हैं। इनसे मानसिक तनाव बढ़ता है और घर के सदस्यों के बीच अनबन की स्थिति बनी रहती है। (2) रुकी हुई घड़ियां:थम न जाए वक्त-क्या हमारे घर की किसी दीवार पर कोई ऐसी घड़ी है जो बंद पड़ी है? तो उसे आज ही ठीक कराएं या हटा दें। रुकी हुई घड़ी जीवन में ठहराव और बाधाओं का प्रतीक मानी जाती है। वक्त को आगे बढ़ाना है तो घड़ी का चलते रहना जरूरी है।(3) पूजा घर की सफाई: सबसे अहम कदम-मंदिर घर का सबसे पवित्र कोना होता है। सफाई के दौरान अगर हमको कोई खंडित (टूटी हुई) मूर्ति या फटी हुई धार्मिक तस्वीर दिखे, तो उसे ससम्मान हटा दें। इन्हें घर में रखने से वास्तु दोष लगता है। होली से पहले इन्हें किसी पवित्र नदी में प्रवाहित करना या किसी पेड़ के नीचे रखना बेहतर होता है।(4) धुंधले और टूटे शीशे-टूटा हुआ आईना न केवल असुरक्षित है, बल्कि यह वास्तु के नजरिए से भी अशुभ है।यह घर में आने वाली सकारात्मक ऊर्जा को परावर्तित करके वापस भेज देता है। इस होली, चमकते रंगों के साथ अपने घर के शीशों को भी चमकाएं!(5)कुछ खास बातें जो हमको जाननी चाहिए (अ) मुख्य द्वार का महत्व: होली पर घर के मुख्य दरवाजे परवंदनवार जरूर लगाएं। आम के पत्तों या गेंदे के फूल का वंदनवार नकारात्मक शक्तियों को घर में प्रवेश करने से रोकता है।(ब)ईशान कोण की सफाई: घर के उत्तर-पूर्वी कोने (ईशान कोण) को बिल्कुल खाली और साफ रखें। इसे देवताओं का स्थान माना जाता है, यहां सफाई रखने से धन लाभ के योग बनते हैं। (क्र) पुराना कबाड़ और अखबार: बरसों से जमा पुराने अखबार और रद्दी दिमागी बोझ बढ़ाते हैं। इस होली कबाड़ मुक्त घर का संकल्प लें(ड) होली सिर्फ रंगों का खेल नहीं, बल्कि पुराने गिले-शिकवे मिटाकर नई शुरुआत करने का मौका है। जब घर वास्तु के अनुसार साफ और व्यवस्थित होता है,तो मन में भी शांति रहती है। तो उठाइए झाड़, निकालिए कबाड़ और अपने घर को खुशियों के स्वागत के लिए तैयार करें। साथियों बात अगर हम सामाजिक और अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य होलाष्टक और चंद्रग्रहण से लेकर धुलिवंदन होली महोत्सव को समझने की करें तो,आज होली केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सांस्कृतिक कूटनीति का माध्यम भी बन चुकी है।अमेरिका, यूरोप और एशिया के अनेक देशों में होली उत्सव आयोजित होते हैं। विदेशी सैलानी भारत आकर मथुरा,वृंदावन और वाराणसी जैसे शहरों में होली का आनंद लेते हैं।यह भारत कीसांस्कृतिक शक्ति और सॉफ्ट पावर का प्रतीक है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क्रि होलाष्टक से धुलीवंदन तक आस्था और विवेक का संतुलन, 2026 की होली के संदर्भ में मुख्य बिंदु यह है कि 24 फरवरी से होलाष्टक प्रारंभ होगा, 2 मार्च को होलिका दहन और 3 मार्च को रंगोत्सव मनाया जाएगा।चंद्रग्रहण की उपस्थिति से धूलिवंदन की तिथि स्वतः4 मार्च नहीं हो जाती,जब तक कि अधिकृत पंचांग या धार्मिक संस्थान ऐसा निर्देश न दें।इसलिए भ्रम की स्थिति में स्थानीय पंचांग और मान्य परंपरा का अनुसरण करना ही उचित है।होलाष्टक की मान्यताएं हमें संयम,अनुशासन और आत्मचिंतन का संदेश देती हैं, जबकि होली का रंगोत्सव हमें प्रेम, क्षमा और नई शुरुआत का अवसर देता है। जब हम घर की सफाई के साथ मन के कोनों को भी स्वच्छ करते हैं, तभी सच्चे अर्थों में होली का स्वागत कर पाते हैं। यही भारतीय संस्कृति की विशेषता है,आस्था और विवेक का संतुलित समन्वय।

-संकलनकर्ता लेखक - क्रर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र 9284141425

मुफ़्त रेवड़ी आवंटन फ़िक्रमंद अदालत बेफ़िक्र सरकार?

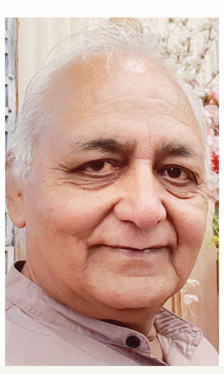

लेखक- तनवीर जाफ़री

हमारे देश की राजनीति में नेताओं की सत्ता लोलुपता से देश की आर्थिक स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। केंद्र सरकार से लेकर अनेक राज्य सरकारों द्वारा मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिये ऐसी ऐसी योजनायें शुरू की गयी हैं जिनका सीधा प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। आज देश के ऐसे कई राज्य जोकि भारी क़र्ज़ और बजट घाटे में होने के बावजूद चुनाव से पहले मुफ़्त बिजली, मुफ़्त राशन, मुफ़्त रसोई गैस आदि बाँट रहे हैं। कहीं बैंक क़र्ज़ मुआफ़ कर दिया जाता है। यहाँ तक कि अब तो कुछ राज्यों में चुनाव से ठीक पहले मतदाताओं के खातों में नक़द धनराशि भी हस्तानांतरित की जा रही है। मतदाताओं को मुफ़्त रेवड़ी बांटने की इस क़वायद का दूरगामी प्रभाव यह होता है कि इससे सरकारों के पास विकास कार्यों हेतु व बुनियादी ढांचे को मज़बूत करने के लिए पैसे नहीं बच पाते। परन्तु यह निखट्टू लोगों की राजनीति में सक्रियता का ही परिणाम है कि इन सत्तालोलुप लोगों को केवल मतदाताओं के वोट अपने पक्ष में करने व सत्ता में बने रहने के लिये राज्यों का भारी क़र्ज़ में डूबना भी मंज़ूर है और राज्य का बजट घाटे में जाना भी स्वीकार है। परन्तु सत्ता की इसी तरह की ग़ैर ज़िम्मेदाराना योजनाओं पर देश की उच्च अदालतें कई बार अपनी चिंतायें ज़ाहिर कर चुकी है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली सर्वोच्च न्यायलय की एक बेंच द्वारा की गयी ऐसी ही एक ताज़ातरीन तल्ख़ टिप्पणी गत 19 फ़रवरी को एक बार फिर सामने आयी जो ग़ैर ज़िम्मेदार सत्ताधीशों के लिये आँखें खोलने वाली हैं। तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड की एक याचिका पर सुनवाई के दौरान अदालत द्वारा यह टिप्पणी उस समय की गयी जब तमिलनाडु सरकार द्वारा सभी उपभोक्ताओं को मुफ़्त बिजली देने के प्रस्ताव पर चर्चा हो रही थी। इस दौरान सर्वोच्च न्यायलय ने मुख्य रूप से यह कहा कि -कई राज्य पहले से ही भारी क़र्ज़ और बजट घाटे में हैं, फिर भी चुनाव से पहले मुफ़्त बिजली, मुफ़्त राशन , रसोई गैस, कैश ट्रांसफर जैसी मुफ़्त सुविधाएं बांट रहे हैं। इससे विकास और बुनियादी ढांचे के लिए पैसे नहीं बचते। अगर सरकारें लोगों को सुबह से शाम तक सब कुछ मुफ़्त देती रहेंगी, तो लोग काम क्यों करेंगे? इससे काम करने की आदत ख़त्म हो जाएगी और लोग आलसी बन जाएंगे। ग़रीबों की मदद करना समझ में आता है, लेकिन अमीर-ग़रीब में फ़र्क़ किए बिना सबको मुफ़्त सुविधाएं देना ग़लत है। यह एक तरह की तुष्टीकरण नीति है, जो राष्ट्र निर्माण में बाधा डालती है।

इतना ही नहीं बल्कि माननीय अदालत ने सरकार से यह भी पूछा कि आप किस तरह का कल्चर बना रहे हैं? अदालत ने चेतावनी देते हुये कहा कि विकास के लिए एक पैसा भी नहीं बचेगा अगर यह सिलसिला जारी रहा। साथ ही सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकारों को रोज़गार सृजन पर फ़ोकस करने की सलाह दी, न कि सिर्फ़ मुफ़्त चीज़ें बांटने पर। यह सुनवाई के दौरान की गई मौखिक टिप्पणियां थीं, जो फ्री बीज़ कल्चर पर कोर्ट की बढ़ती चिंता को दिखाती हैं। पूर्व में भी मुफ़्त रेवड़ी आवंटन को लेकर न्यायालय अपनी चिंतायें ज़ाहिर कर चुकी हैं। 2022-2024 के दौरान भी अदालत ने मुफ़्त की रेवड़ी बांटने को चुनावी लालच देने से जोड़ते हुये कहा था कि यह लोकतंत्र और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए नुक़्सानदेह है। अदालत ने यह भी बार-बार कहा कि कल्याणकारी योजनाएं ज़रूरतमंदों के लिए तो ठीक हैं, लेकिन अनुचित मुफ़्त वादे विकास को रोकते हैं। गोया सर्वोच्च न्यायालय मुफ़्त रेवड़ी कल्चर को न केवल आर्थिक बोझ बता चुका है बल्कि इसे काम की संस्कृति और राष्ट्र निर्माण के ख़िलाफ़ भी माना है। यह आलोचना समय-समय पर दोहराई जाती रही है, ख़ासतौर पर तब जबकि राज्य सरकारें चुनावों से पहले ऐसी योजनाएं घोषित करती हैं।

एआई तकनीक में विश्व का नेतृत्व करेगा भारत

लेखक- मनोज कुमार अग्रवाल

राजधानी नई दिल्ली के में आयोजित पांच दिवसीय इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट का शनिवार को समापन हो गया, लेकिन इस सम्मेलन की सफलता ने भारत को ग्लोबल साउथ में अग्रणी नेतृत्वकारी देश के रूप में स्थापित कर दिया है। इस शिखर सम्मेलन में 88 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किया जाना न केवल एक कूटनीतिक उपलब्धि है, बल्कि यह भारत की उस सोच की वैश्विक स्वीकृति भी है, जो तकनीक को मानव कल्याण से जोड़कर देखती है। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रस्तुत मानव-केंद्रित एआई दृष्टिकोण औउखर सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय के सिद्धांत को जिस व्यापक वैश्विक समर्थन मिला है, वह बताता है कि दुनिया तकनीकी प्रगति को केवल आर्थिक लाभ लाभ के नजरिए से नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और समान अवसर के संदर्भ में भी देखना चाहती है।21 फ़रवरी को 88 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने नई दिल्ली एआई इम्पैक्ट समिट डिक्लेरेशन का समर्थन किया। इनमें अमेरिका, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और यूरोपियन यूनियन शामिल हैं। इस डिक्लेरेशन में किए गए सारे कमिटमेंट स्वैच्छिक हैं, यानी ये उन देशों की इच्छा पर निर्भर है कि वे इसके मुताबिक़ कितना काम करते हैं। इस डिक्लेरेशन में देशों ने इस समिट में सात चक्र में हुई चर्चाओं का संज्ञान लिया और कहा कि वे स्वीकार करते हैं कि दिल्ली में हुए एआई समिट से आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस के विकास में अंतरराष्ट्रीय समर्थन मिलेगा। साथ ही राष्ट्रीय संप्रभुता का सम्मान भी किया जाएगा। आपको पता हो कि 88 देशों और दो अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय के सिद्धांत को औपचारिक रूप से स्वीकार किया है। यह सिद्धांत केवल एक सांस्कृतिक वाक्यांश नहीं, बल्कि तकनीकी विकास के लिए एक नैतिक दिशा है। ऐसे समय में जब एआई को लेकर विश्व में प्रतिस्पर्धा, नियंत्रण और प्रभुत्व की राजनीति हावी है, भारत ने समावेशी और मानव-केंद्रित दृष्टिकोण प्रस्तुत कर एक संतुलित विकल्प दिया है। समिट के दौरान एआई क्षेत्र में 250 अरब डॉलर के संभावित निवेश का भरोसा जताया जाना भारत की आर्थिक क्षमता और नीति स्थिरता पर वैश्विक विश्वास को दर्शाता है। यह निवेश केवल पूंजी का प्रवाह नहीं, बल्कि नवाचार, रोजगार और तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र के विस्तार का अवसर है। साथ ही यह फंडिंग दर्शाती है कि दुनिया भारत को एआई के भविष्य के केंद्र के रूप में देख रही है। भारत पहले से ही आईटी और डिजिटल सेवाओं में वैश्विक केंद्र रहा है। अब एआई में नेतृत्व का अर्थ है कि उच्च्च कौशल वाले रोजगार, स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा और वैश्विक कंपनियों के लिए अनुसंधान एवं विकास का प्रमुख केंद्र बनना। यदि यह निवेश सही दिशा में लागू हुआ, तो भारत न केवल उपभोक्ता बल्कि एआई समाधानों का प्रमुख उत्पादक भी बन सकता है। एआई की तीन प्रगति ने कई नैतिक और सुरक्षा संबंधी प्रश्न भी खड़े किए हैं, जिसमें डेटा गोपनीयता, एल्गोरिदमिक पक्षपात, साइबर सुरक्षा और रोजगार पर प्रभाव जैसी चिंताएं गंभीर हैं। भारत एआई इम्पैक्ट समिट का एक प्रमुख उद्देश्य वैश्विक सहयोग के माध्यम से इन चुनौतियों का समाधान खोजना था। भारत ने जिस प्रकार विकासशील देशों की आवाज को मंच दिया, वह अंतरराष्ट्रीय प्रक्रिया में संतुलन स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह तथ्य कि पहला वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन ग्लोबल साउथ में आयोजित हुआ, अपने आप में ऐतिहासिक है। लंबे समय तक तकनीकी विमर्श विकसित देशों के इर्द-गिर्द केंद्रित रहा है। भारत ने इस परंपरा को बदलते हुए यह दर्शाया कि नवाचार और नीति-निर्माण में विकासशील देशों की भी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। ग्लोबल साउथ के कई देश डिजिटल अवसंरचना के विस्तार और डेटा आधारित शासन की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। भारत का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर मॉडल, आधार, यूपीआई, डिजिलॉकर आदि पहले ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहा जा चुका है। अब एआई के क्षेत्र में भी इसी प्रकार का साझा मॉडल विकसित किया जा सकता है, जिससे छोटे और मध्यम आय वाले देशों को लाभ हो। भारत की युवा आबादी और तकनीकी प्रतिभा उसकी सबसे बड़ी पूंजी है। विश्व की अग्रणी टेक कंपनियों में भारतीय मूल के विशेषज्ञों की मजबूत उपस्थिति यह दर्शाती है कि देश में गणित और इंजीनियरिंग की ठोस परंपरा है। चुनौती यह है कि यह प्रतिभा देश के भीतर शोध और उत्पाद विकास में रूपांतरित हो। जनरेटिव एआई स्टार्टअप्स में बढ़ती फंडिंग एक सकारात्मक संकेत है। निवेशकों का बढ़ता भरोसा बताता है कि भारतीय उद्यमी केवल सेवा प्रदाता नहीं, बल्कि उत्पाद-निर्माता बनने की ओर अग्रसर हैं। हालांकि वैश्विक प्रतिस्पर्धा के स्तर तक पहुंचने के लिए दीर्घकालिक और धैर्यपूर्ण निवेश आवश्यक होगा। अनुसंधान-आधारित नवाचार को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालयों, उद्योग और सरकार के बीच मजबूत सहयोग की जरूरत है। एआई अब प्रयोगशाला की अवधारणा नहीं, बल्कि व्यावसायिक वास्तविकता बन चुका है। वित्त, बीमा, दूरसंचार, ई-कॉमर्स और विनिर्माण क्षेत्रों में एआई आधारित विश्लेषण और स्वचालन से उत्पादकता में वृद्धि देखी जा रही है। यदि यह प्रवृत्ति स्थायी बनती है, तो एआई भारत की आर्थिक वृद्धि दर में प्रत्यक्ष योगदान दे सकता है। विशेष रूप से कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यावरण जैसे क्षेत्रों में एआई के प्रयोग से सामाजिक प्रभाव की व्यापक संभावनाए हैं। कृषि में सटीक खेती, स्वास्थ्य में रोग-पूर्वानुमान, शिक्षा में अनुकूलित शिक्षण और पर्यावरण में जलवायु विश्लेषण ये सभी क्षेत्र भारत के विकास एजेंडा से सीधे जुड़े हैं। यदि एआई समाधान ग्रामीण भारत तक पहुंचते हैं, तो समावेशी विकास की दिशा में ऐतिहासिक प्रगति संभव है। भारत की बहुभाषी सांस्कृतिक संरचना एआई के लिए चुनौती भी है और अवसर भी। यदि भारत भारतीय भाषाओं के लिए उच्च गुणवत्ता वाले डेटासेट और बहुभाषी मॉडल विकसित करता है, तो वह न केवल घरेलू बाजार को सशक्त करेगा, बल्कि वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए समाधान भी निर्यात कर सकेगा। मीडिया और रचनात्मक उद्योगों में एआई आधारित सामग्री निर्माण, अनुवाद और वॉयस इंटरफेस से नए आर्थिक अवसर उत्पन हो सकते हैं। एआई अवसंरचना के विस्तार के साथ ऊर्जा और जल-उपयोग जैसे प्रश्न भी जुड़े हैं। डेटा सेंटरों की बढ़ती संख्या पर्यावरणीय दबाव उत्पन कर सकती है। अतः एआई विकास को अक्षय ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता नीतियों के साथ संतुलित करना आवश्यक संतुलित कर है। तकनीकी नेतृत्व तभी टिकाऊ होगा जब वह पर्यावरणीय जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़े। साथ ही, एआई के कारण पारंपरिक नौकरियों पर पड़ने वाले प्रभाव को ध्यान में रखते हुए कौशल उन्नयन को नई पीढ़ी को उभरती तकनीकों के अनुरूप तैयार करना अनिवार्य है। लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं है कि भारत एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारत केवल डिजिटल उपभोक्ता रष्ट नहीं, बल्कि वैश्विक तकनीकी विमर्श का नेतृत्व करने में सक्षम है।

भारत की खुशहाली और आर्थिक मजबूती का आधार: केंद्रीय उत्पाद शुल्क

लेखक- दिलीप कुमार पाठक

भारत की आर्थिक प्रगति के पीछे उन हजारों हाथों का योगदान है, जो देश के राजस्व को मजबूत करने के लिए दिन-रात काम करते हैं। इन्हीं प्रयासों को सम्मान देने और आम जनता को कर व्यवस्था के प्रति जागरूक करने के लिए हर साल 24 फरवरी को देश में एक विशेष अवसर के रूप में इस दिन को मनाया जाता है। यह समय हमारे देश की वित्तीय व्यवस्था के लिए एक मील का पत्थर है, क्योंकि इसी दिन साल 1944 में केंद्रीय उत्पाद शुल्क और नमक कानून बनाया गया था। भले ही आज के दौर में टैक्स की प्रणालियां बदल गई हों और जीएसटी ने एक बड़ा स्थान ले लिया हो, लेकिन देश की तरक्की में उत्पाद शुल्क का महत्व आज भी कम नहीं हुआ है। एक आम नागरिक के मन में अक्सर यह सवाल आता है कि आखिर टैक्स चुकाने से उसे क्या मिलता है। इसका जवाब बहुत ही सरल और सुंदर है। जब देश की फैक्ट्रियों में सामान बनता है और उस पर सरकार को शुल्क मिलता है, तो वही पैसा घूमकर समाज के कल्याण के लिए वापस आता है। हमारे गाँव और शहरों को जोड़ने वाली पक्की सड़कें, अंधेरे को दूर करती बिजली की रोशनी, सरकारी अस्पतालों में मुफ्त इलाज और देश की सीमाओं पर तैनात वीर जवानों के आधुनिक हथियार, यह सब उसी कर के पैसे से संभव हो पाता है जो एक जिम्मेदार उद्यमी और नागरिक द्वारा चुकाया जाता है। इस प्रकार, कर का भुगतान करना केवल एक कानूनी काम नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर राष्ट्र की सेवा करने जैसा है। इसी संदर्भ में यह समझना भी जरूरी है कि एक मजबूत कर प्रणाली ही देश की आंतरिक सुरक्षा और बाहरी खतरों से निपटने की शक्ति प्रदान करती है। जब सरकार के पास पर्याप्त संसाधन होते हैं, तभी नई तकनीकों और आधुनिक बुनियादी ढांचे पर निवेश किया जा सकता है। यह राजस्व ही है जो आपदाओं के समय राहत कार्य चलाने और देश के करोड़ों गरीब परिवारों तक मुफ्त राशन और जरूरी सुविधाएं पहुँचाने में मदद करता है। बिना मजबूत वित्तीय आधार के कोई भी देश अपने नागरिकों के सपनों को पूरा नहीं कर सकता। इसलिए, उत्पाद शुल्क केवल एक सरकारी उगाही नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का एक सशक्त माध्यम भी है, जो उद्योगों से कर लेकर समाज के पिछड़े वर्गों के उत्थान में खर्च किया जाता है। समय के साथ सरकारी कामकाज के तरीकों में भी बड़ा बदलाव आया है। आज का दौर डिजिटल क्रांति का है और अब टैक्स चुकाने के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने या लंबी कतारों में खड़े होने की जरूरत नहीं रह गई है। सरकार ने पूरी प्रक्रिया को इतना सरल और पारदर्शी बना दिया है कि कोई भी व्यापारी घर बैठे अपना हिसाब-किताब पूरा कर सकता है। इससे न केवल भ्रष्टाचार पर लगाम लगी है, बल्कि व्यापार करने में भी आसानी हुई है। यह समय उन अधिकारियों और कर्मचारियों के परिश्रम को भी सलाम करने का है, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि देश का खजाना सुरक्षित रहे और कहीं भी राजस्व की चोरी न हो। इसके साथ ही, हमें यह भी समझना होगा कि कर के माध्यम से एकत्र किया गया धन आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में ईंधन की तरह काम करता है। जब हमारे उद्योग जगत में पारदर्शिता बढ़ती है, तो विदेशी निवेश भी भारत की ओर आकर्षित होता है। यह निवेश न केवल नई फैक्ट्रियां लगाता है, बल्कि देश के लाखों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा करता है। हमारी आर्थिक नीतियां तभी सफल हो सकती हैं जब राजस्व विभाग और करदाता के बीच विश्वास का एक मजबूत रिश्ता हो। यही विश्वास आने वाले समय में भारत की अर्थव्यवस्था को वैश्विक मंच पर और भी ऊंचा स्थान दिलाएगा। किसी भी महान राष्ट्र का निर्माण केवल सरकारी नीतियों से नहीं, बल्कि वहां के नागरिकों की ईमानदारी से होता है। जब हम ईमानदारी से टैक्स चुकाते हैं, तो हम भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम बढ़ाते हैं। यह अवसर हमें यही सीख देता है कि हमें अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा के साथ निभाना चाहिए। कर की चोरी न केवल अपराध है, बल्कि यह देश के विकास की गति को रोकने जैसा है। एक पारदर्शी और मजबूत कर व्यवस्था ही एक स्वस्थ समाज और शक्तिशाली भारत की पहचान है। आज जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, तब ऐसी संस्थाओं और व्यवस्थाओं की भूमिका और भी बढ़ जाती है।

'लाइन में रहना..' भारत को हराने के बाद डेविड मिलर का बड़ा बयान

अहमदाबाद (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 76 रन से करारी शिकस्त दी। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में जीत के हीरो रहे डेविड मिलर, जिन्होंने 63 रन की मैच जिताऊ पारी खेली और 'प्लेयर ऑफ द मैच' का खिताब अपने नाम किया।
टीम इंडिया को हराने के लिए लाइन में रहना जरूरी मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में मिलर ने भारतीय टीम की तारीफ करते हुए कहा कि भारत जैसी मजबूत टीम को हराने के लिए अनुशासन और स्पष्ट योजना बेहद जरूरी होती है। मिलर ने कहा, टीम इंडिया को हराया जा सकता है। वे शानदार टीम हैं, लेकिन ऐसे टूर्नामेंट में उन्हें हराने के लिए हमें अपनी लाइन में रहना और अपने रोल पर फोकस करना जरूरी था। मैं हमेशा सामान्य चीजों पर ध्यान देता हूं और कोशिश करता हूं कि खिलाड़ी के तौर पर अपना काम सही तरीके से पूरा करूं।
अनुभव और समझदारी बना जीत की कुंजी
मिलर ने आगे कहा कि दक्षिण अफ्रीकी टीम काफी समझदार है और खिलाड़ियों ने लंबे समय तक साथ में क्रिकेट खेला है ।हमने साउथ अफ्रीका के लिए काफी क्रिकेट साथ में खेला है। इसलिए हमें पता है कि दबाव को कैसे संभालना है। भारत के खिलाफ खेलना हमेशा मुश्किल होता है। उनके पास बेहतरीन खिलाड़ी हैं, लेकिन हमें प्रेशर को झेलते हुए अपना काम करना था।
20 पर 3 के बाद मिलर ने संभाली पारी– दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने 20 रन पर 3 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद मिलर ने जिम्मेदारी संभाली। उन्हें डेवाल्ड ब्रेविस और ट्रिस्टन स्टब्स का अच्छा साथ मिला। सेट होने के बाद मिलर ने आक्रामक अंदाज अपनाया। उन्होंने 35 गेंदों में 63 रन बनाए, जिसमें 7 चौके और 3 छक्के शामिल थे। उनका स्ट्राइक रेट 180 का रहा। उनकी पारी के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने 188 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। जवाब में भारतीय टीम 111 रन पर ऑलआउट हो गई और मैच 76 रन से हार गई।

टी-20 वर्ल्ड कप

इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच हेड-टू-हेड रिकॉर्ड, ऐसा है पिछले 5 मैचों का परफॉर्मेंस

कोलंबो (एजेंसी)। इंग्लैंड और पाकिस्तान मंगलवार को आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप के अपने-अपने दूसरे सुपर एट्स मुकाबले में स्पिन के दबदबे वाले मैच के लिए तैयार हैं। पिच से स्लो बॉलर्स को मदद मिलने की उम्मीद है। 2022 के चैंपियन इंग्लैंड ने अभी तक अपनी पूरी क्षमता नहीं दिखाई है, लेकिन सुपर 8 में वह अब तक हारा नहीं है। डिफेंडिंग टीम ने श्रीलंका पर 51 रन की शानदार जीत के साथ शुरुआत की। इस जीत से उनके नेट रन रेट में काफी सुधार हुआ और वे ग्रुप स्टैंडिंग में टॉप पर पहुंच गए।
इंग्लैंड को कंडीशंस की जानकारी होने का भी फायदा है। उन्होंने हाल ही में इस महीने की शुरुआत में इसी जगह पर तीन मैचों की टी-20 सीरीज में क्लीन स्वीप किया था और इससे पहले उन्होंने हाल ही में खत्म हुए सुपर 8 मैच में श्रीलंका को हराया था, जिससे उन्हें मुकाबले से पहले साइकोलॉजिकल बढ़त मिली है। इस बीच पाकिस्तान अलग-अलग तरह के स्पिन अटैक के साथ पिच के धीमे नेचर का फायदा उठाने की कोशिश करेगा।

वैभव सूर्यवंशी के लिए बिहार सरकार ने खोला खजाना

19 वर्ल्ड कप जीत के बाद मिला 50 लाख का इनाम

पटना (एजेंसी)। अंडर-19 विश्वकप 2026 के फाइनल में 175 रन की ऐतिहासिक पारी खेलकर भारत को खिताब दिलाने वाले युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को बिहार सरकार ने बड़ा सम्मान दिया है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को उन्हें 50 लाख रुपये का चेक और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी मौजूद रहे।

बिहार के लिए गौरव का क्षण– मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि वैभव सूर्यवंशी ने अपनी मेहनत और प्रतिभा से बिहार और देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा, अंडर-19 विश्वकप में भारत की जीत में बिहार के इस खिलाड़ी की अहम भूमिका रही है। वैभव राज्य के बच्चों के लिए प्रेरणा हैं। हमें उम्मीद है कि वे आगे भी ऐसे ही प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाते रहेंगे।

टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय– वैभव सूर्यवंशी अंडर-19 विश्वकप 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज रहे।

7 मैचों में 439 रन

औसत	62.71
स्ट्राइक रेट	169.50

1 शतक और 3 अर्धशतक
41 चौके और 30 छक्के
उनका प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में लगातार शानदार रहा और उन्होंने कई मैचों में टीम को जीत दिलाई।

ऐतिहासिक पारी

फाइनल मुकाबले में भारत ने इंग्लैंड अंडर-19 टीम को 100 रन से हराया। इस मैच में वैभव सूर्यवंशी ने 80 गेंदों पर 175 रन की विस्फोटक पारी खेली।

भारत 2023 के बाद

पहली बार आईसीसी इवेंट में हारा भारत

● बुमराह हाईएस्ट विकेट टेकर, टी-20 में भारत की दूसरी सबसे बड़ी हार, रिकॉर्ड्स भी बने

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद में भारत 2023 के बाद पहली बार किसी आईसीसी इवेंट में मैच हार गया। टी-20 वर्ल्ड कप के सुपर-8 स्टेज में साउथ अफ्रीका ने टीम इंडिया को 76 रन से हराकर उसके 12 मैचों के जीत के सिलसिले पर ब्रेक लगा दिया। यह हार रन के लिहाज से टी-20 इंटरनेशनल में भारत की दूसरी सबसे बड़ी हार भी है।

टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में चल रहे जसप्रीत बुमराह ने 3 विकेट लेकर भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। अफ्रीका के लिए बल्लेबाजी में डेविड मिलर ने 63 रन बनाए। उन्होंने 26 बॉल पर फिफ्टी लगा दी।

- **टी-20 वर्ल्ड कप में भारत की सबसे बड़ी हार–** टी-20 वर्ल्ड कप में भारत को सबसे बड़ी हार झेलनी पड़ी। इससे पहले 2010 में ऑस्ट्रेलिया (49 रन) और 2016 में न्यूजीलैंड (47 रन) ने भारत को बड़े अंतर से हराया था। यह भारत की टी-20 इंटरनेशनल में दूसरी सबसे बड़ी हार भी है। सबसे बड़ी हार 80 रन से न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन 2019 में हुई थी।
- **भारत का टी-20 वर्ल्ड कप में तीसरा लोएस्ट टोटल–** साउथ अफ्रीका के खिलाफ 111 रन पर ऑलआउट होना भारत का टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास का तीसरा सबसे कम स्कोर है। सबसे कम स्कोर 79 (न्यूजीलैंड, 2016) है, जबकि 2021 में दुबई में भी न्यूजीलैंड ने भारत को 110/7 तक रोका था।

- **भारत 2023 के बाद पहली बार आईसीसी इवेंट में हारा–** 2023 वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार के बाद भारत आईसीसी टूर्नामेंट में 18 मैचों तक अजेय रहा था। यह शानदार सिलसिला अहमदाबाद में साउथ अफ्रीका के खिलाफ मिली हार के साथ टूट गया। वहीं, मल्टी-नेशन टी-20 इंटरनेशनल टूर्नामेंट की बात करें तो भारत 2022 टी-20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में इंग्लैंड से हारने के बाद पहली बार हारा। इस दौरान टीम ने 23 मैच खेले, जिसमें 21 जीते (एक जीत सुपर ओवर में), 1 मैच हारा और 1 बेनतीजा रहा। इसके अलावा, टी-20 वर्ल्ड कप में भी भारत का लगातार जीत का क्रम टूटा। टीम को 12 लगातार मैच जीतने के बाद हार का सामना करना पड़ा।
- **बुमराह टी-20 वर्ल्डकप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले इंडियन–** जसप्रीत बुमराह टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। उन्होंने 33 विकेट लेकर अर्शदीप सिंह और रविचंद्रन अश्विन (32-32 विकेट) को पीछे छोड़ा। हार्दिक पंड्या 29 विकेट के साथ चौथे और रवींद्र जडेजा 22 विकेट के साथ पांचवें स्थान पर हैं।
- **वरुण ने सबसे ज्यादा बार लगातार मैचों में विकेट लिए–** वरुण चक्रवर्ती ने टी-20 इंटरनेशनल में लगातार 18 पारियों में विकेट लेकर भारत के लिए नया रिकॉर्ड बना दिया है। उन्होंने अर्शदीप सिंह (17) का रिकॉर्ड तोड़ा। इस सूची में आशीष नेहरा (13), वॉशिंगटन सुंदर (11) भी शामिल है। यानी लगातार मैचों में विकेट लेने के मामले में वरुण अब भारत के नंबर-1 गेंदबाज बन गए हैं।
- **मिलर ने भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा सिक्स लगाए–** डेविड मिलर भारत के खिलाफ टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने 26 पारियों में 39 छक्के जड़कर ग्लेन मैक्सवेल (38) को पीछे छोड़ दिया। निकोलस पूरन 35 छक्कों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।
- **मिलर ने 26 बॉल पर फिफ्टी लगाई–** डेविड मिलर ने 26 गेंदों में अर्धशतक लगाकर भारत के खिलाफ चौथी सबसे तेज फिफ्टी लगा दी। हालांकि उनसे पहले लिटन दास (21), हेनरिक क्लासन (23) और ट्रैविस हेड (24) तेज फिफ्टी लगा चुके हैं।

केशव महाराज को एक ओवर में 3 विकेट, भारत पर ओवर रेट की पेनल्टी

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में मेजबान भारत को पहली हार का सामना करना पड़ गया। रविवार को साउथ अफ्रीका ने टीम इंडिया को 76 रन के बड़े अंतर से हरा दिया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में साउथ अफ्रीका ने 187 रन बनाए। भारत 111 रन ही बना सका। केशव महाराज ने एक ही ओवर में 3 विकेट झटक लिए। ओवर रेट पेनल्टी के कारण भारत को आखिरी ओवर में 5 खिलाड़ी 30 यार्ड सर्कल के अंदर खड़े करने पड़े। हार्दिक पंड्या ने रन आउट का मौका गंवाया, वहीं डेविड मिलर ने शिवम दुबे को जीवनदान दे दिया। टॉस हारकर पहले बॉलिंग करने उतरी टीम इंडिया 20 ओवर पूरे करने के लिए निर्धारित 85 मिनट में 19 ओवर भी नहीं फेंक सकी। इस कारण टीम को आखिरी ओवर के लिए 4 की बजाय 5 खिलाड़ी 30 यार्ड सर्कल के अंदर खड़े करने पड़े। इसका खामियाजा भारत को भुगतना पड़ा और टीम ने 20वें ओवर में 20 रन खर्च कर दिए।

व्यापार

590 करोड़ की धोखाधड़ी के बाद आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का बुरा हाल

नई दिल्ली, एजेंसी। 590 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का मामले सामने आने के बाद आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के शेयरों का बुरा हाल है। कंपनी के शेयरों की कीमतों में 20 प्रतिशत की गिरावट आज सुबह दर्ज की गई है। इस प्राइवेट सेक्टर के बैंक ने रविवार को हरियाणा सरकार के खातों में अपने कर्मचारियों और अन्य लोगों द्वारा की गई 590 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का खुलासा किया था। बीएसई में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के शेयर सोमवार की सुबह 10 प्रतिशत के भारी-भरकम गिरावट के बाद 75.21 रुपये के स्तर पर ओपन ही हुए हैं। लेकिन इसके बाद बैंक के शेयरों में और गिरावट देखने को मिली। 20 प्रतिशत टूटने के बाद आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का शेयर 66.85 रुपये के लेवल पर आ गया। शेयर बाजार को दी जानकारी में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने कहा कि उसने बैंकिंग रेगुलेटरी को मामले की जानकारी दी है।

इलेक्ट्रिक बस बनाने वाली कंपनी को मिला 1800 करोड़ का नया ऑर्डर

मुंबई, एजेंसी। इलेक्ट्रिक बस बनाने वाली कंपनी ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड के शेयरों का भाव 4 प्रतिशत से अधिक चढ़ गया था। इस उछाल के पीछे की वजह 1085 इलेक्ट्रक बसों का ऑर्डर है। जिसकी जानकारी कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को दी है। बता दें, शेयरों को ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड ने आज 23 फरवरी को इस वर्क ऑर्डर की जानकारी दी है।

1800 करोड़ रुपये का मिला है काम: स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड ने बताया है कि उनसे जुड़ी कंपनी एवी ट्रांस प्राइवेट लिमिटेड को दो वर्क ऑर्डर तेलंगाना राज्य सरकार से मिला है। जिसमें 1085 इलेक्ट्रिक बस के सप्लाई, ऑपरेशंस और मेंटनेंस का काम शामिल है। इस वर्क ऑर्डर के तहत कंपनी को 1025, 12 मीटर नॉन एसी बस सप्लाई करने का काम और 60 12 मीटर एसी बस सप्लाई करने काम मिला है। इन बसों की डिलीवरी 20 महीने में करनी है। एवी ट्रांस प्राइवेट लिमिटेड इन बसों को ओलेक्ट्रा ग्रीन से खरीदेगा। 1085 बसों की कुल वैल्यू 1800 करोड़ रुपये है। कंपनी को 12 साल तक इन बसों के मेंटनेंस का काम भी देखना है।

शेयरों में तेजी से गदगद निवेशक: बीएसई में आज सोमवार को कंपनी के शेयर 1015.50 रुपये के लेवल पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 4 प्रतिशत की तेजी के साथ 1061 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया। इस सुस्त पड़े शेयरों में आई इस तेजी ने निवेशकों को खुश कर दिया है। एक साल में ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक के शेयरों की कीमतों में 12.53 प्रतिशत की की गिरावट आई है।

एनपीएस का नया अवतार: पेंशन के साथ हेल्थ प्रोटेक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। बुढ़ापे की सबसे बड़ी चिंता होती है बीमारी और बिल। पेंशन नियामक पीएफआरडीएएक ऐसी योजना पर काम कर रहा है, जो आपके रिटायरमेंट को बीमारी और बिल के डर से आजाद कर सकती है। इसे नाम दिया गया है स्वास्थ्य पहल। अब आपका एनपीएस निवेश सिर्फ रिटायरमेंट फंड नहीं, बल्कि एक मेडिकल पेंशन पूल भी बनेगा। पीएफआरडीए का कहना है कि अब एनपीएस सिर्फ एक रिटायरमेंट फंड नहीं रहेगा। तीन बड़े फंड मैनेजर, आईसीआईसीआई, एक्सिस और टाटा ऐसे उत्पादों पर प्रयोग कर रहे हैं, जो पेंशन को हेल्थ इंश्योरेंस के साथ बंडल करेंगे। नई योजना के तहत, एक निवेशक अपनी पेंशन बचत का 30 प्रतिशत हिस्सा विशेष रूप से भविष्य के मेडिकल खर्चों के लिए अलग रख सकेगा।

अचानक चांदी ने लगाई ऊंची छलांग

इंटरनेशनल मार्केट में गोल्ड-सिल्वर का हाल

नई दिल्ली, एजेंसी। चांदी के भाव में आज उछाल दर्ज की जा रही है। शुक्रवार के बंद भाव के मुकाबले चांदी 13930 रुपये प्रति किलो की छलांग लगाकर 267200 रुपये पर पहुंच गई है। यह रेट ने जारी किया है। इस रेट के मुताबिक दिल्ली में आज का चांदी का भाव 266250 रुपये प्रति किलो है और दिल्ली में 10 ग्राम चांदी के सिक्के का भाव 2397 रुपये पर पहुंच गया है।

मुंबई में चांदी के रेट 266710 और चेन्नई में 267620 रुपये प्रति किलो हैं। बिहार की राजधानी पटना में आज 1 किलो चांदी का भाव 266700 रुपये किलो है। वहीं, राजस्थान की राजधानी जयपुर में 266810 रुपये प्रति किलो ग्राम। यूपी की राजधानी लखनऊ में आज चांदी का भाव 266920 रुपये है।

आईबीजेए के मुताबिक आज चांदी 15236 रुपये की छलांग लगाकर 265550 रुपये प्रति किलो के रेट से खुली। जीएसटी समेत 2.73 लाख के पार चली गई है। अगर 29 जनवरी के इसके सर्राफा मार्केट के ऑल टाइम हाई 385933 रुपये किलो से तुलना करें तो अभी चांदी शिखर से 120383 रुपये प्रति किलो सस्ती है।

अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने से सोमवार को चांदी के भाव में तेजी आई। ऐसा अमेरिका के साथ की गई ट्रेड डील्स को लेकर अनिश्चितता और अमेरिका-ईरान के बीच तनाव बने रहने की वजह से हुआ। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ लगाने के अधिकार पर रोक लगा दी, जिससे बाजार में अनिश्चितता बढ़ी और निवेशकों ने सुरक्षित निवेश वाली चीजों (गोल्ड-सिल्वर) की तरफ रुख किया। सोने की कीमतें भी तीन हफ्ते के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं।

एमसीएक्स पर चांदी का भाव 6.3 प्रतिशत (15,931 रुपये) उछलकर 2,68,875 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया। वहीं, एमसीएक्स पर सोना 1.4 प्रतिशत (3,724 रुपये) बढ़कर 1,60,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्पॉट सिल्वर 3.1 प्रतिशत उछलकर 87.10 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया, जो दो हफ्ते से ज्यादा का उच्चतम स्तर है। वहीं, स्पॉट गोल्ड 1.2 प्रतिशत बढ़कर 5,163.60 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया, जो तीन हफ्ते से ऊपर का स्तर है। अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स (अप्रैल डिलीवरी) में 2 प्रतिशत की तेजी रही और यह 5,184.90 डॉलर प्रति औंस पर आ गया।

बता दें शनिवार को ट्रंप ने कहा था कि वह ट्रेड प्रोटेक्शन बनाए रखने के लिए दुनिया भर पर 15 प्रतिशत टैरिफ लगाएंगे। यह फैसला तब आया जब कोर्ट ने इमरजेंसी पॉवर का इस्तेमाल कर रेसिप्रोकल ड्यूटी लगाने के उनके फैसले को खारिज कर दिया था। कोर्ट के इस फैसले के बाद डॉलर के नरम पड़ने से विदेशी खरीदारों के लिए कीमती धातुएं सस्ती हो गईं, जिससे कीमतों को सपोर्ट मिला। कोर्ट के फैसले ने अमेरिका के प्रमुख साझेदारों के साथ की गई ट्रेड डील्स पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। यूरोपीय संसद के ट्रेड प्रमुख ने कहा कि वह अमेरिका के साथ हुए एक समझौते की पुष्टि में देरी का प्रस्ताव रखेंगे। भारतीय अधिकारियों ने संकेत दिया है कि वे अमेरिका की अपनी निर्धारित यात्रा टाल देंगे, वहीं जापान की सत्तारूढ़ पार्टी के एक सदस्य ने इस स्थिति को बहुत बड़ी गड़बड़ी बताया।

लिस्टिंग और सेटलमेंट से जुड़े नियमों में बदलाव करेगा सेबी

मुंबई, एजेंसी। सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने कहा कि नियामक पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज, लिस्टिंग ऑब्लिगेशन एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स नियमों और सेटलमेंट से जुड़े प्रावधानों की व्यापक समीक्षा करेगा। उन्होंने संकेत दिया कि इस संबंध में एक कंसल्टेशन पेपर जून तक जारी किया जा सकता है। निवेशक हित सर्वोच्च प्राथमिकता है

पोर्टफोलियो मैनेजर्स कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए पांडेय ने कहा कि पीएमएस फ्रेमवर्क में निवेशक हित सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि इस सेगमेंट में पारदर्शिता पहले की तुलना में बेहतर हुई है, लेकिन बाजार में तेजी से हो रहे बदलाव और नए निवेश उत्पादों के उभरने के कारण मौजूदा नियमों की समीक्षा जरूरी हो गई है। उन्होंने कहा कि सेबी केवल पीएमएस ही नहीं, बल्कि एलओडीआर और सेटलमेंट से जुड़े नियामकीय ढांचे की भी समीक्षा करेगा, ताकि बदलते बाजार परिदृश्य के अनुरूप नियमों को अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

एआई का उपयोग कैसे करेगा सेबी? एआई के उपयोग पर पांडे ने कहा कि सेबी बाजार में गड़बड़ियों और अनियमितताओं का वास्तविक समय में पता लगाने के लिए एआई के इस्तेमाल की संभावनाओं पर काम कर रहा है, जिससे समय रहते नियामकीय हस्तक्षेप और समाधान संभव हो सके।

इसके साथ ही उन्होंने बताया कि सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक मिलकर बाजार की गहराई बढ़ाने के उद्देश्य से कॉरपोरेट बॉन्ड इंडेक्स और उससे जुड़े उत्पाद विकसित करने पर काम कर रहे हैं, जिन्हें एक्सचेंज पर ट्रेड किया जा सकेगा। इससे निवेशकों को निवेश के अधिक विकल्प मिलेंगे और बॉन्ड बाजार को भी मजबूती मिलेगी।

ट्रेडिंग से जुड़ी फंडिंग व्यवस्था पर भी पांडे ने बदलाव के संकेत दिए। उन्होंने कहा कि आरबीआई के लेंडिंग नियमों की समीक्षा की जाएगी और इस पर सेबी अपनी राय केंद्रीय बैंक के साथ साझा करेगा। इससे यह संकेत मिलता है कि मार्जिन ट्रेडिंग या उधार लेकर ट्रेडिंग से जुड़े नियमों को और सख्त किया जा सकता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)